

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 56 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 22 अक्टूबर 2026(गुरुवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

विपक्ष के गंभीर आरोपों के खिलाफ केंद्र सरकार और मंत्री की पार्टी !

जेफरी एपस्टीन फाइलों और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की तस्वीरों पर देश भर में राजनीतिक भूचाल

एपस्टीन फाइलों में हरदीप पुरी का नाम आने पर सियासी घमासान

एपस्टीन दस्तावेजों को लेकर संसद से सड़क तक टकराव के आसार

हरदीप पुरी के स्पष्टीकरण के बाद भी नहीं थमा विवाद

इंटरनेशनल स्कैंडल और भारतीय पॉलिटिक्स

अमेरिका और यूरोप के कई देशों को हिला देने वाले एपस्टीन केस पर अब जहां ग्लोबल लेवल पर चर्चा हो रही है, वहीं भारत में भी इस मुद्दे पर रूलिंग पार्टी और अपोजिशन आमने-सामने आ गए हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि आने वाले समय में यह मामला पार्लियामेंट से लेकर पब्लिक फोरम तक और भी गरमाएगा और इस एपिसोड ने देश की पॉलिटिक्स में एक नया सूरज जला दिया है।



महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नई दिल्ली। इंटरनेशनल लेवल पर चर्चा में चल रहे कुख्यात यौन अपराधी जॉर्ज/जेफरी एपस्टीन के मामले में स डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस द्वारा जारी की गई नई फाइलों और तस्वीरों ने भारतीय राजनीति में भारी हंगामा खड़ा कर दिया है। इस मामले में भारतीय जनता पार्टी के सीनियर नेता और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का नाम और तस्वीरें सामने आने के बाद विपक्षी पार्टियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपना लिया है।

विपक्ष के हमले और राहुल गांधी के गंभीर आरोप

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत विपक्षी नेताओं ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और उनके भाषण पर कड़ा हमला बोला है। विपक्ष का कहना है कि भारतीय मंत्री की एक ऐसे व्यक्ति से मुलाकातें और ईमेल डीलिंग जो दुनिया भर में बच्चों और महिलाओं के शोषण के लिए कुख्यात है, देश की इमेज को विलेन की तरह खराब कर रही है। विपक्ष यह भी आरोप लगा रहा है कि इंटरनेशनल दबाव और सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स की वजह से विदेश नीतियों में गड़बड़ी है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की सफाई: 'मीटिंग्स एक प्रोफेशनल और ऑफिशियल डेलीगेशन के हिस्से के तौर पर थीं' जब यह विवाद बढ़ा, तो केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और सभी आरोपों को खारिज करते हुए साफ किया कि इन मीटिंग्स का किसी भी गैर-कानूनी या क्रिमिनल एक्टिविटी से कोई लेना-देना नहीं है। मंत्री ने साफ किया कि जब वह इंटरनेशनल पीस इंस्टीट्यूट से जुड़े थे, तो एक ऑफिशियल डेलीगेशन के हिस्से के तौर पर कुछ लोगों के साथ मीटिंग्स हुई थीं। उस समय, एपस्टीन के अतीत या उसकी एक्टिविटीज़ के बारे में कोई साफ जानकारी नहीं थी। ये ईमेल और मीटिंग्स पूरी तरह प्रोफेशनल और नॉर्मल बिजनेस के संदर्भ में थीं, जिन्हें तोड़-मरोड़कर पॉलिटिकल रंग देकर पेश किया जा रहा है।



सेंगोल बनाने वाले जौहरी वुम्मिडी एथिराज का निधन, 99 वर्ष की उम्र में चेन्नई में ली अंतिम सांस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चेन्नई। नए संसद भवन में स्थापित ऐतिहासिक सेंगोल को बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले जौहरी वुम्मिडी एथिराज का बुधवार को चेन्नई में निधन हो गया। वे 99 वर्ष के थे। एथिराज ने वर्ष 1947 में देश की आजादी के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सौंपे गए सेंगोल को तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। यह राजदंड भारतीय इतिहास और परंपरा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण प्रतीक है, जिसे 28 मई 2023 को नए संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास स्थापित किया गया था।

22 साल की उम्र में सेंगोल बनाने में निभाई भूमिका

सेंगोल के निर्माण का काम वर्ष 1947 में तमिलनाडु के तिरुवावदुथुरै अधीनम मठ की ओर से चेन्नई के वुम्मिडी बंगारू चेट्टी ज्वेलर्स को सौंपा गया था। उस समय वुम्मिडी एथिराज की उम्र करीब 22 वर्ष थी। उन्होंने वुम्मिडी सुधाकर के साथ इस ऐतिहासिक राजदंड को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरकारी विवरण के अनुसार, सेंगोल को तैयार करने में करीब 10 कारीगरों ने 10 से 15 दिनों तक काम किया था। लगभग पांच फीट लंबे इस



राजदंड को चांदी से बनाकर उस पर सोने की परत चढ़ाई गई थी। इसकी बनावट में धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीकों को विशेष स्थान दिया गया था। सेंगोल के शीर्ष पर नंदी की आकृति बनाई गई है, जिसे न्याय और स्थिरता का प्रतीक माना जाता है। इसके अलावा इसमें देवी लक्ष्मी और अनाज की बालियों जैसे प्रतीक भी उकेरे गए हैं। इन प्रतीकों के माध्यम से राजदंड को भारतीय परंपरा और शासन व्यवस्था से जोड़कर देखा जाता है। वर्ष 1947 में भारत की स्वतंत्रता के अवसर पर सेंगोल को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सौंपा गया था। सरकार के वर्ष 2023 में जारी विवरण के अनुसार, इस प्रक्रिया में सी. राजगोपालाचारी की पहल और तमिलनाडु के अधीनम मठ की महत्वपूर्ण भूमिका थी। 14 अगस्त 1947 की रात नेहरू के आवास पर एक धार्मिक समारोह आयोजित किया गया था। आजादी के बाद सेंगोल को प्रयागराज के इलाहाबाद संग्रहालय में रखा गया था।

छत्तीसगढ़ में 11 डॉक्टरों के तबादले, डॉ. संजय कुमार बने रायपुर जिला अस्पताल के प्रभारी सिविल सर्जन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने प्रशासनिक आधार पर 11 डॉक्टरों के तबादले के आदेश जारी किए हैं। मंत्रालय स्थित महानदी भवन से अवर सचिव दिव्या वैष्णव की ओर से जारी आदेश के तहत चिकित्सा अधिकारियों और विशेषज्ञों को नई पदस्थापना दी गई है।



सभी संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। तबादला आदेश के तहत ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. संजय कुमार को जिला चिकित्सालय रायपुर (पंडरी) में प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अन्य 10 डॉक्टरों की नई पदस्थापना से संबंधित जानकारी उपलब्ध होने पर उनके नाम और पदस्थापना का विवरण भी शामिल किया जा सकता है।

सड़क नहीं होने से गर्भवती महिला को खाट पर लादकर 4 किलोमीटर ले गए ग्रामीण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साहिबगंज। झारखंड के साहिबगंज जिले के बोरियो प्रखंड स्थित पोड़ैया बेड़ो गांव में सड़क की समस्या के चलते एक गर्भवती महिला को अस्पताल पहुंचाने के लिए ग्रामीणों को खाट का सहारा लेना पड़ा। गांव तक पक्की सड़क नहीं होने और रास्ते में कीचड़ भरा होने के कारण 108 एंबुलेंस महिला तक नहीं पहुंच सकी। ऐसे में ग्रामीण उसे खाट पर लिटाकर करीब



चार किलोमीटर पैदल चले और गांव से बाहर पहुंचने के बाद टोटो की मदद से बोरियो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जानकारी के अनुसार, मोतीपहाड़ी बड़ा पंचायत के पोड़ैया बेड़ो गांव निवासी बुधना पहाड़िया की 19 वर्षीय पत्नी सुकुरमुनी पहाड़िन को प्रसव पीड़ा शुरू हुई।

अमरकंटक आश्रम में बाबा की हत्या की जांच में सामने आया घटनाक्रम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरकंटक। मध्यप्रदेश के अमरकंटक स्थित शिवाबाबा आश्रम में खड़ेश्वरी बाबा उर्फ भोलागिरि की हत्या के मामले ने इलाके में सनसनी फैला दी थी। 7 अगस्त 2024 को उनका शव मिलने के बाद पोस्टमार्टम में गला दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई। आश्रम से नए मोबाइल का खाली डिब्बा भी मिला, जबकि मोबाइल गायब था। घटना के बाद अमरकंटक और राजेंद्रग्राम में लोगों



ने विरोध प्रदर्शन किया। संत समाज, स्थानीय लोगों, बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने धरना देकर मामले की सीबीआई या सीआईडी से जांच कराने की मांग की। पुलिस ने हत्या की वजह और आरोपियों का पता लगाने के लिए आश्रम से जुड़े लोगों से पूछताछ शुरू की। इसी दौरान चंद्रशेखर नाम के व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि हत्या से एक रात पहले वह नरेंद्र गिरि के साथ मोटरसाइकिल से गढ़ीदादर स्थित शिवाबाबा आश्रम पहुंचा था। दोनों ने वहां रात बिताई थी। अगले दिन वे उमनिया स्थित अवधूत आश्रम गए, जहां उनकी मुलाकात सुल्तान सिंह से हुई। चंद्रशेखर के अनुसार, नरेंद्र गिरि ने सुल्तान सिंह से सविता (बदला हुआ नाम) को फोन कर आश्रम बुलाने के लिए कहा। इसके बाद सुल्तान को 600 रुपये देकर शराब और चिकन लाने भेजा गया। सुल्तान अपने साथी ददुआ के साथ सामान लेकर लौटा। आश्रम में चिकन बनाया गया और वहां मौजूद लोगों ने शराब पीकर खाना खाया। कुछ देर बाद सविता भी आश्रम पहुंच गई। पुलिस ने इस बयान और घटनाक्रम को हत्या की जांच से जुड़े तथ्यों के रूप में देखा।

जयपुर में लिव-इन पार्टनर की हत्या के बाद 5 घंटे तक शव के साथ रहा आरोपी, सुबह फोन पर बात करते हुए निकला बाहर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी थाना क्षेत्र के एक अपार्टमेंट में लिव-इन पार्टनर की हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवराज ने 18 अक्टूबर की देर रात अपनी 35 वर्षीय लिव-इन पार्टनर से विवाद के बाद किसी भारी वस्तु से हमला कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी करीब पांच घंटे तक फ्लैट में शव के साथ रहा और सुबह सामान्य तरीके से बाहर निकल गया। घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज में आरोपी युवराज सुबह करीब 6:30 बजे अपार्टमेंट की इमारत से बाहर जाता दिखाई दे रहा है। फुटेज में वह फोन पर बात करते हुए बाहर निकलता नजर आता है। बताया गया है कि आरोपी ने इस तरह सामान्य व्यवहार किया, ताकि किसी को उस पर शक न हो। अपार्टमेंट में हुई इस घटना से वहां रहने वाले लोग भी हैरान हैं। स्थानीय निवासियों के मुताबिक, युवराज और उसकी लिव-इन पार्टनर करीब दो साल से साथ रह रहे थे। लोगों ने बताया कि घटना से महज दो दिन पहले ही दोनों को साथ में आइसक्रीम खाते हुए देखा गया था। ऐसे में इस वारदात ने आसपास के लोगों को चौंका दिया है।



दशहरे के दिन ऑफिस में हुई कहासुनी के बाद हमले का आरोप

पानीपत में शराब पार्टी के दौरान दोस्तों में विवाद, बचपन के दोस्त ने चाकू से किए 7-8 वार; युवक की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पानीपत। हरियाणा के पानीपत में दशहरे के दिन शराब पार्टी के दौरान हुए विवाद में 28 वर्षीय राहुल मलिक की मौत हो गई। आरोप है कि उसके बचपन के दोस्त ने चाकू से उस पर 7-8 वार किए। गंभीर रूप से घायल राहुल को परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां बुधवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने गांव के ही 4-5 युवकों पर हमले का आरोप लगाया है।पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, मंगलवार को विजयदशमी के दिन विकास नगर और नांगल खेड़ी की सीमा पर स्थित एक कार्यालय में राहुल और उसके दोस्त शराब पी रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर राहुल और उसके बचपन के दोस्त के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर कुछ युवकों द्वारा राहुल को पकड़ने और उसके दोस्त द्वारा चाकू से हमला करने का आरोप है। हमले की सूचना मिलने पर परिजन राहुल को तत्काल निजी अस्पताल ले गए। डॉक्टरों के अनुसार, उसके शरीर पर चाकू के 7-8 गहरे घाव थे। हमले के बाद से ही वह होश में नहीं आ सका और बुधवार को उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया परिजनों के मुताबिक, राहुल और आरोपी बचपन के दोस्त थे। दोनों वर्ष 2023 में अमेरिका गए थे। बताया गया कि अमेरिका जाने के लिए करीब 50 लाख रुपये खर्च किए गए थे, लेकिन बाद में दोनों को डिपोर्ट कर भारत वापस भेज दिया गया। परिजनों ने राहुल की हत्या में उसके दोस्त की भूमिका होने का आरोप लगाया है। सेक्टर-29 थाना प्रभारी रोबिन ने बताया कि पुलिस को झगड़े की सूचना मिली थी। राहुल की इलाज के दौरान मौत हो गई है। अभी परिजनों की ओर से शिकायत नहीं दी गई है। शिकायत मिलने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी गांव का ही बताया जा रहा है। मामले में आगे की कार्रवाई शिकायत और जांच के आधार पर की जाएगी।



सोनगढ़ में नवरात्रि पंडाल पर आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद विवाद, युवक के घर पर पथराव का आरोप सोशल मीडिया पर शुरू हुआ विवाद थाने तक पहुंचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सोनगढ़/भावनगर। गुजरात के सोनगढ़ में नवरात्रि पंडाल को लेकर सोशल मीडिया पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद विवाद बढ़ गया। मामले में गौरव चौधरी नामक युवक के घर पर पथराव किए जाने का आरोप सामने आया है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। विरोध में बड़ी संख्या में लोग पुलिस थाने पहुंचे और मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार, नवरात्रि के दौरान सोशल मीडिया पर एक पंडाल से जुड़ी पोस्ट साझा की गई थी। आरोप है कि पोस्ट पर कुछ लोगों ने आपत्तिजनक और अश्लील टिप्पणियां कीं। इसके बाद गौरव चौधरी ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी करने वालों को जवाब दिया। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ने का दावा किया जा रहा है। आरोप है कि इसके बाद कुछ लोग एकत्र होकर गौरव चौधरी के घर पहुंचे और वहां पथराव किया। घटना से परिवार और आसपास के लोगों में भय का माहौल पैदा हो गया। मामले की जानकारी फैलने के बाद स्थानीय लोगों ने विरोध जताया और पुलिस से आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणियों और घर पर पथराव करने के आरोपों की जांच कराने की मांग उठाई। पुलिस की ओर से मामले की जांच किए जाने की जानकारी दी गई है। हालांकि, आरोपियों की पहचान, गिरफ्तारी और दर्ज मामले से संबंधित विस्तृत जानकारी की पुष्टि उपलब्ध सामग्री से नहीं होती है।

बिहार एमएलसी चुनाव से पहले जदयू प्रत्याशी नीरज कुमार अस्पताल से डिस्चार्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। बिहार विधान परिषद की आठ सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए बुधवार को प्रचार का शोर थम गया। इसी दिन पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से जदयू प्रत्याशी और मौजूदा एमएलसी नीरज कुमार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। हृदय संबंधी परेशानी के बाद उन्हें मेदांता अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया था। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद उन्होंने मंदिर जाकर माता का आशीर्वाद लिया। नीरज कुमार की अस्पताल से छुट्टी होने पर मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'हम तो कल ही कह दिए थे कि उनका टोटका है। उ टोटका करते हैं तो उ टोटका इस बार काम नहीं करेगा।



देश के सबसे बड़े बैंक को साइबर झटका

SBI के हज़ारों कस्टमर्स का प्राइवेट डेटा डार्क वेब पर लीक, बैंक ने माना खतरनाक साइबर अटैक हुआ है!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नई दिल्ली। देश के करोड़ों लोगों के भरोसे का प्रतीक और सबसे बड़ा सरकारी बैंक माने जाने वाले स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया से एक बहुत ही चौंकाने वाली और हैरान करने वाली खबर सामने आई है। बैंक के हज़ारों कस्टमर्स का बहुत ज़्यादा सेंसिटिव और पर्सनल डेटा हैकर्स ने चुराकर सीधे 'डार्क वेब' पर डाल दिया है। इस गंभीर मामले में अब खुद SBI ने भी साइबर अटैक की बात ऑफिशियली मान ली है, जिससे बैंकिंग सेक्टर में भारी हंगामा मच गया है। हज़ारों कस्टमर्स की पर्सनल डिटेल्स सामने आई डेटा में क्या-क्या शामिल है? मिली जानकारी के मुताबिक, साइबर सिक्योरिटी एजेंसियों और सेंट्रल एजेंसियों से मिली चेतावनी के बाद जब जांच की गई तो पता चला कि लगभग 3,897 (लगभग 4,000) कस्टमर्स का पर्सनल डेटा डार्क वेब पर लीक हो गया है। इस लीक हुए डेटा में कस्टमर्स की बहुत कॉन्फिडेंशियल जानकारी शामिल है, जैसेः रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और ईमेल ID जन्मतिथि और घर का पूरा पता ब्रांच और CIF आइडेंटिफायर के साथ-साथ लोन रिकॉर्ड और एप्लीकेशन से जुड़ी मेटाडेटा जानकारी हैकर ग्रुप 'सिरियुसिम' का दावाः 3.75 लाख लोगों का डेटा खतरे में? शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'सिरियुसिम' नाम के एक बदनाम हैकर ग्रुप ने डार्क वेब प्लेटफॉर्म पर दावा किया था कि उनके पास SBI से जुड़े 3.75 लाख से ज़्यादा डेटा एंट्री और 2,722 ज़रूरी PDF डॉक्यूमेंट्स हैं। बैंक की सफाईः 'कोर बैंकिंग ऑपरेशन सुरक्षित हैं'ग्राहकों में डर और घबराहट के बीच, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया ने साफ किया है कि साइबर घटना का बैंक के कोर बिज़नेस ऑपरेशन (कोर बैंकिंग ऑपरेशन), फाइनेंशियल ऑपरेशन या रोज़ाना की सर्विस पर कोई बुरा असर नहीं पड़ा है और सिस्टम नॉर्मल तरीके से काम कर रहा है। बैंक ने सिक्योरिटी प्रोटोकॉल कड़े कर दिए हैं और साइबर खतरे को रोकने के लिए तुरंत बचाव के कदम उठा रहा है। साइबर एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस लीक हुए डेटा का इस्तेमाल फ्रॉड करने वाले आइडेंटिटी थेफ्ट, फाइनेंशियल फ्रॉड, टारगेटेड फिशिंग कॉल और फ्रॉड लोन एप्लीकेशन के लिए कर सकते हैं।

1. बैंक या किसी अधिकारी से आने वाले शक वाले कॉल या मैसेज से सावधान रहें।

2. अपना OTP, PIN, पासवर्ड या CVV नंबर कभी किसी के साथ शेयर न करें।

3. किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और अगर आपको अपने बैंक अकाउंट में कोई शक वाली एक्टिविटी दिखे, तो तुरंत बैंक या नेशनल साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें।

चंडीगढ़ के ताज होटल में मिला रायपुर के कारोबारी का शव, मार्कफेड की बैठक में शामिल होने आए थे दीपक मित्तल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंडीगढ़/रायपुर। राजधानी रायपुर के कारोबारी दीपक मित्तल (56) का शव बुधवार सुबह चंडीगढ़ के ताज होटल में मिला। वह मार्कफेड की बैठक में शामिल होने के लिए चंडीगढ़ आए थे। होटल के कमरे में बेसुध मिलने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर थाना-17 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 6 बजे एक वेटर होटल के कमरे में पहुंचा तो दरवाजा खुला हुआ था। अंदर दीपक मित्तल बेड पर बेसुध पड़े थे। वेटर ने उन्हें उठाने की कोशिश की, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर होटल प्रबंधन को सूचना दी। इसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी मौत की पुष्टि की। पुलिस ने शव को सेक्टर-16 स्थित सरकारी अस्पताल की मर्चुरी में रखवा दिया है। शुरुआती जांच में नशे की ओवरडोज से मौत होने की आशंका जताई जा रही है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस के अनुसार, मौत की वास्तविक वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है।



अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर ऑफिस में 'पुलिस शहीद स्मृति दिवस' का इमोशनल सेलिब्रेशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। देश की अंदरूनी सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपनी जान कुर्बान करने वाले अमर शहीद बहादुर पुलिसकर्मियों की याद में आज अहमदाबाद में पुलिस कमिश्नर ऑफिस में बहुत ही गंभीर और इमोशनल माहौल में 'पुलिस स्मृति दिवस' मनाया गया। इस गंभीर श्रद्धांजलि कार्यक्रम में राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल खास तौर पर मौजूद थे। उनके साथ राज्य के गृह विभाग के बड़े अधिकारी, राज्य के पुलिस चीफजी. एस. मलिक, अहमदाबाद शहर के पुलिस कमिश्नर के साथ-साथ दूसरे सीनियर IPS अधिकारी और शहीद जवानों के परिवार वाले बड़ी संख्या में मौजूद थे। शहीदों के स्मारक पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और राज्य पुलिस प्रमुख जी. एस. मलिक ने देश की सेवा में शहीदों के स्मारक पर फूल चढ़ाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर, एक सशस्त्र पुलिस टुकड़ी ने शोक सलामी दी और अमर शहीदों की वीरगाथा को याद करने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। वक्ताओं ने कहा कि पुलिसकर्मी नागरिकों की सुरक्षा के लिए दिन-रात अपनी ड्यूटी करते हैं, देश और गुजरात राज्य उन सैनिकों का यह कर्ज कभी नहीं भूलेगा जिन्होंने आपातकाल या अपराध के खिलाफ लड़ाई में अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया है।

वडोदरा का अटल ब्रिज: 21 साल की लड़की डंपर के पहियों के नीचे कुचली गई, मौके पर ही मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सांस्कृतिक शहर वडोदरा की सड़कें अब गाड़ी चलाने वालों के लिए खूनी और काली साबित हो रही हैं। शहर के बहुत व्यस्त और प्रतिष्ठित अटल ब्रिज पर एक और बहुत ही दुखद और डरावनी दुर्घटना सामने आई है। वाडीवाड़ी फायर स्टेशन के पास ब्रिज पर अपने टू-व्हीलर से गुजर रही एक मासूम लड़की को रेत और मिट्टी से भरे एक काले डंपर ने तेज गति से टक्कर मार दी। मिली गंभीर जानकारी के अनुसार, इस भयानक दुर्घटना में मरने वाली लड़की की पहचान 21 साल की हेतवी जितेंद्र मांडगे के रूप में हुई है। हेतवी वडोदरा के दिवालीपुरा इलाके के मारुतिधाम के हाथीभाई नगर में रहती थी। जब वह अटल ब्रिज से गुज़र रही थी, तभी तेज़ रफ़्तार डंपर ड्राइवर ने उसकी गाड़ी को ज़ोरदार टक्कर मार दी। एक्सीडेंट इतना भयानक था कि टक्कर लगने के बाद हेतवी नीचे गिर गई और डंपर का पिछला पहिया उसके शरीर पर चढ़ गया। डंपर के नीचे कुचलने से हेतवी की मौके पर ही दर्दनाक और भयानक मौत हो गई। यह एक्सीडेंट देखकर ब्रिज से गुज़र रहे दूसरे गाड़ी चलाने वालों के दिल कांप गए और आस-पास के इलाके में भारी अफ़रा-तफ़री और भगदड़ मच गई। एक्सीडेंट की सूचना मिलते ही गोरवा थाने का काफ़िला तुरंत घटनास्थल पर पहुंचा।

'डेवलपमेंट के खोखले दावों के बीच स्टॉक मार्केट में इन्वेस्टर्स का करोड़ों का कैपिटल डूब गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद। देश की इकोनॉमी को लेकर भारतीय जनता पार्टी सरकार के बड़े-बड़े दावों और असलियत के बीच का फर्क अब सामने आ गया है। सत्ताधारी पार्टी दावे कर रही है कि देश की इकोनॉमी एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी और 'डेवलपमेंट डिविडेंड' देगी, लेकिन दूसरी तरफ, विपक्ष ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और तीखे आरोप लगाए हैं कि स्टॉक मार्केट में आम और मिडिल क्लास इन्वेस्टर्स की कमाई खत्म हो रही है। सरकार की नाकाबिलियत और इकोनॉमिक पॉलिसी को ध्यान में रखते हुए एक स्टैटिस्टिकल तुलना पेश की गई है, जो चौंकाने वाली है। 9 अक्टूबर, 2024 से 9 अक्टूबर, 2026 के बीच दो साल के समय में, दुनिया के दूसरे देशों के स्टॉक मार्केट में इन्वेस्टर्स का कैपिटल तेज़ी से बढ़ा है, जबकि भारत में इन्वेस्टर्स का पैसा डूब गया है भारत (सेंसेक्स): 100 चौंकाने वाले 88.96 पर आ गया है! ये आंकड़े साफ़ दिखाते हैं कि जहाँ इंटरनेशनल लेवल पर स्टॉक मार्केट नई ऊंचाइयों पर पहुँच रहे हैं, वहीं भारत में घरेलू इन्वेस्टर्स और छोटे नागरिकों की मेहनत की कमाई लगातार घट रही है। कहा गया है कि BJP सरकार सिर्फ़ कागज़ पर 'मज़बूत एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम' और 'ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी' की तस्वीरें दिखा रही है। असलियत यह है जबकि देश का आम, मिडिल और सैलरी वाला वर्ग अपनी बचत गँवा रहा है और दिवालिया हो रहा है।

जिसने 1,000 लोगों से सेक्स चैट करके 82 लोगों के न्यूड वीडियो और फोटो जमा किए

महानगर मेट्रो ब्यूर

हैदराबाद। सोशल मीडिया पर खूबसूरत लड़कियों की तस्वीरें देखकर फ्लैट होने वाले लोगों के लिए एक बहुत ही रेड-लाइट जैसा मामला सामने आया है। अगर आप भी सोशल मीडिया पर अनजान अकाउंट से फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार कर रहे हैं, तो सावधान! हैदराबाद पुलिस ने एक हाई-प्रोफाइल हनीट्रैप स्कैम का भंडाफोड़ किया है, जिसमें 'महिला' बनकर भोले-भाले लोगों को फंसाने वाली कोई युवती नहीं, बल्कि एक 23 साल का आदमी था। यह साइबर फ्रॉड का जाल इतना बड़ा और खतरनाक था कि समाज के प्रतिष्ठित और ऊंचे पदों पर बैठे लोग भी इसमें फंस गए। पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपियों ने हनीट्रैप में डॉक्टरों, पुलिस अधिकारियों, बड़े बिजनेसमैन, सरकारी अधिकारियों, सॉफ्टवेयर इंजीनियरों और कॉलेज लेक्चरर जैसे कई बुद्धिजीवियों और प्रोफेशनल्स को अपना निशाना बनाया था। चार साल से चल रहा था स्कैमः चारमीनार DCP ने किया खुलासा इस मामले की जानकारी देते हुए हैदराबाद के चारमीनार DCP किरण खरे ने बताया कि आरोपी पिछले चार साल से लोगों को इस हनीट्रैप में फंसा रहा था। इस क्राइम के लिए उसने कोलकाता की एक मॉडल की तस्वीरों समेत कई अलग-अलग लड़कियों की तस्वीरों का इस्तेमाल किया था। इस स्कैम का दायरा इतना बड़ा था कि देश के अलग-अलग राज्यों और विदेश में रहने वाले नागरिक भी इसके शिकार हुए हैं। पकड़े गए मुख्य आरोपी की पहचान के. पवन कुमार के तौर पर हुई है, जो मूल रूप से भद्राद्री कोठागुडेम जिले का रहने वाला है। पुलिस जांच में पता चला है कि पवन कुमार ने हैदराबाद के सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ टूल डिजाइन से डिप्लोमा की पढ़ाई छोड़ दी थी। उसने अपने परिवार को बताया था कि वह मल्लारेड्डी कॉलेज से B.Tech कर रहा है और कुछ समय तक पार्ट-टाइम काम भी किया था, लेकिन फिलहाल वह बेरोजगार था और उसने यह शॉर्टकट अपनाया था। DCP किरण खरे के मुताबिक, आरोपी इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आकर्षक लड़कियों की तस्वीरें पोस्ट करके फेक अकाउंट चलाता था।



साधु के वेश में हवस का सौदागर

जैन संत सागरचंद्र सागर की कथित 'कामलीला' और काले कारनामों से दहल उठा जैन समाज!

साध्वियों से कथित अश्लील बातचीत और दान की राशि के इस्तेमाल पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद/मध्यप्रदेश। धर्म और आध्यात्म की पावन भूमि पर जब कोई सफेद वस्त्रों या साधु के रूप में कलंक बनकर उतरता है, तो आस्था कांप उठती है। जैन समाज को अंदर से झकझोर देने वाला एक ऐसा ही बेहद खतरनाक और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ तथाकथित साधु सागरचंद्र सागर की आड़ में रचे जा रहे हवस के काले खेल की परतें एक-एक कर उजागर होने लगी हैं। जैन समाज के संतों की गरिमा को तार-तार करने वाले इस कुसाधु की करतूतों ने अब पूरे देश में तूफान खड़ा कर दिया है। सवाल यह है कि दीक्षा और संयम के मार्ग पर चलने का ढोंग करने वाला यह व्यक्ति असलियत में एक अय्याश और शोसल प्रीडेटर (शिकारी) है या कुछ और?

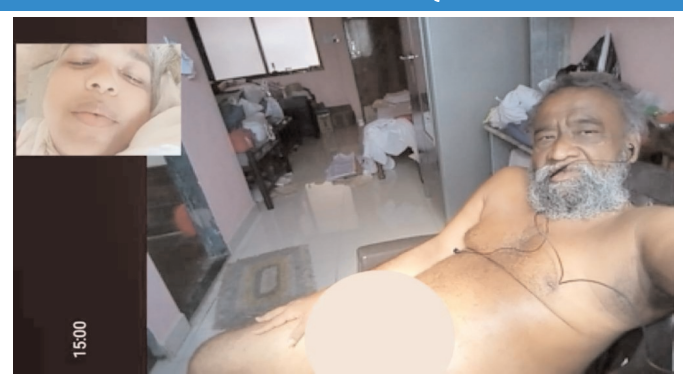
दीक्षा की आड़ में करोड़ों का साम्राज्य और उच्चामड़ी के दान पर ऐश!

जैन परंपरा में दीक्षा का अर्थ मोह-माया और संसार का त्याग होता है, लेकिन सागरचंद्र सागर के लिए दीक्षा मानो करोड़ों रुपए कमाने और अपनी हवस बुझाने का धंधा बन चुकी है। आरोप है कि उचामड़ी में मिलने वाले बेहिसाब दान और चढ़ावे के पैसों का इस्तेमाल धर्म-कर्म या समाज सेवा में करने के बजाय अपनी निजी ऐशो-आराम की जिंदगी और अय्याशी पर पानी की तरह बहाया जा रहा है। जैन समाज के खून-पसीने की कमाई और श्रद्धा के धन का ऐसा दुरुपयोग देख समाज के हर वर्ग में उबाल आ गया है।

सच दबाने के लिए पाल रखी है सोशल मीडिया की 'फर्जी टीम'!

इस घिनौने खेल का पर्दाफाश न हो, इसके लिए सागरचंद्र सागर ने अपनी एक बाकायदा पेड टीम खड़ी कर रखी है। महीने के भारी-भरकम वेतन पर रखे गए ये लोग सोशल मीडिया पर निगरानी रखते हैं। जैसे ही मीडिया या किसी मंच पर इस कुसाधु की 'रासलीला' और करतूतों का कच्चा चिट्ठा उजागर होता है, यह सैलरी पर पलने वाली टीम तुरंत मैदान में कूद पड़ती है और धड़ाधड़ खंडन जारी कर सच्चाई पर पर्दा डालने की कोशिश करती है। लेकिन अब सबूतों के अंबार ने इस कुसाधु और उसके पाले हुए मोहरों के झूठ की पोल खोलकर रख दी है।

साध्वी बहनों को फंसाकर वीडियो कॉल और न्यूड चैट का घिनौना खेल! हद तो तब पार हो जाती है जब संयम के मार्ग पर चलने वाली मासूम साध्वियों को यह कुसाधु अपने जाल में फंसाता है। खुद की गंदी और घटिया हवस मिटाने के लिए यह तथाकथित साधु साध्वियों के साथ वीडियो कॉल पर अनीयित और गंदी हरकतें करता है, न्यूड कॉल करता है और उनके मान-सम्मान के साथ खिलवाड़ करता है। जैन समाज की बहू-बेटियां और मासूम साध्वियां आज इस दरिंदे के साये में खौफ के माहौल में जीने को मजबूर हैं। जैन समाज जैसी उच्च और पवित्र संस्कृति को इस कुसाधु ने कलंकित कर दिया है।



अब मध्यप्रदेश की ओर बढ़ रहे हैं कदमः क्या वहाँ की बहु-बेटियाँ खतरे में हैं?

गुजरात और अन्य जगहों पर अपनी कलंककथा लिखने के बाद अब यह कुसाधु मध्यप्रदेश में अपने काले कारनामों का दायरा बढ़ा रहा है। इस खबर के सामने आते ही मध्यप्रदेश के जैन परिवारों और समाज में भारी दहशत और सदमा है। लोग सहम गए हैं कि कहीं यह बहुरूपिया वहाँ की भोली-भाली बहु-बेटियों और महिलाओं को अपने सम्मोहन या जाल में न फंसा ले।

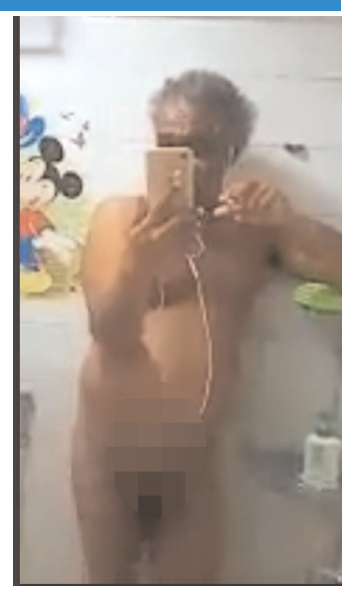
समाज का अल्टीमेटमः साधु वेश छोड़ो, आम इंसान बनकर जियो!

'महानगर मेट्रो' के माध्यम से जैन समाज और आम जनता की मांग बिल्कुल साफ और दो टूक है

1. ऐसे कुसाधु को तुरंत साधु का पवित्र वेश त्याग देना चाहिए और आम आदमी की तरह सड़क पर आकर अपनी हवस बुझानी चाहिए, ताकि जैन समाज और साध्वी बहनों की आबरू सुरक्षित रह सके।

2. इस पाखंडी के काले कारनामों के पुख्ता डिजिटल सबूत अब सबके सामने आ चुके हैं, इसलिए यह मीडिया की नजरों और जनता के आक्रोश से बच नहीं सकता।

3. सागरचंद्र सागर में अगर जरा भी नैतिकता बची है, तो वह अपने पाले हुए दलालों से जवाब दिलवाने के बजाय



खुद सामने आए और जनता के तीखे सवालों का सीधा सामना करे।सागर समुदाय और जैन समाज से जुड़े अन्य ऐसे भेड़ियों के नकाब भी जल्द ही बेनकाब होंगे। जैन समाज अब चुप बैठने वाला नहीं है–कुसाधुओं का पूर्ण बहिष्कार ही इस कलंक का एकमात्र इलाज है!

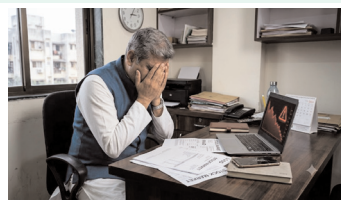
जैन संत सागरचंद्र सागर पर गंभीर आरोप, जांच की मांग

जैन संत सागरचंद्र सागर पर साध्वी बहनों के साथ कथित अश्लील वीडियो कॉल, अनुचित बातचीत और दान की राशि के इस्तेमाल को लेकर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मामले को लेकर जैन समाज में चिंता और नाराजगी की बात सामने आई है। आरोपों के बीच संत की भूमिका, दान की राशि के उपयोग और संबंधित डिजिटल साक्ष्यों की निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और किसी आधिकारिक जांच के निष्कर्ष की जानकारी उपलब्ध नहीं है

अहमदाबादः स्टॉक मार्केट के नाम पर सैटेलाइट ट्रेडर से ठगीः गुंडों ने पहले 5 हज़ार के बदले 1 हज़ार का प्रॉफ़िट दिया, फिर 35 दिन में 57 लाख कमाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के सैटेलाइट वासुपुजय बंगलो में रहने वाले पलक शाह ने इंस्टाग्राम पर एक इन्वेस्टमेंट कंपनी की रील देखी और जब उन्होंने उस पर क्लिक किया, तो एक एप्लीकेशन खुल गई। इसके बाद उन्हें एक WhatsApp ग्रुप में जोड़ा गया और स्टॉक मार्केट में इन्वेस्ट करने और ज़्यादा प्रॉफ़िट कमाने के टिप्स दिए गए। जब ग्रुप में दूसरे मेंबर भारी प्रॉफ़िट पाने के स्क्रीनशॉट शेयर कर रहे थे, तो पलक शाह लालच में आ गए और उन्होंने 5 हज़ार रुपये इन्वेस्ट कर दिए। बदले में उन्हें 1 हज़ार रुपये का प्रॉफ़िट हुआ। फिर उन्होंने टुकड़ों-टुकड़ों में 57.30 लाख रुपये इन्वेस्ट किए। बदले में उन्हें ऐप में प्रॉफ़िट के साथ 1.04 करोड़ रुपये का बैलेंस दिखा। जब उन्होंने पैसे निकालने की कोशिश की, तो स्कैमर्स ने उनसे अलग-अलग टैक्स और फ़ीस के तौर पर 30 परसेंट देने को कहा। इसलिए, इस पर शक होने पर उन्होंने साइबर क्राइम डिपार्टमेंट में शिकायत दर्ज कराई। 30 परसेंट कमीशन मांगकर स्कैम का भंडाफोड़ हुआ 11 सितंबर को उन्होंने पहली बार 5 हज़ार रुपये इन्वेस्ट किए, जिसके बदले उन्हें 1 हज़ार रुपये का प्रॉफ़िट हुआ। 21 सितंबर से 9 अक्टूबर तक उन्होंने 10 ट्रांज़ैक्शन किए। जिसमें एक ही दिन में 20 लाख रुपये ट्रांसफर हुए। 15 अक्टूबर को, एप्लीकेशन में 1 करोड़ रुपये का प्रॉफ़िट दिखाकर पैसे निकालने के लिए 30 परसेंट कमीशन मांगकर स्कैम का भंडाफोड़ हुआ। इन्वेस्ट करने से पहले यह ध्यान रखें किसी भी कंपनी में इन्वेस्ट करने से पहले यह पक्का कर लें कि वह SEBI या किसी ऑथराइज़्ड ऑर्गनाइज़ेशन के साथ रजिस्टर्ड है या नहीं। कुछ स्कैमर कम समय में बड़े या गारंटीड प्रॉफ़िट का लालच देते हैं; स्टॉक मार्केट रिस्की है। सोशल मीडिया लिंक या APK फ़ाइल डाउनलोड करने के बजाय हमेशा



ऑथराइज़्ड ऐप स्टोर से ऐप इंस्टॉल करें। ऑथराइज़्ड ब्रोकर कभी भी किसी थर्ड पार्टी या पर्सनल/करंट बैंक अकाउंट में पैसे जमा करने के लिए नहीं कहते हैं।

पंजाब में ड्रग माफिया का आतंकः ड्रग्स के खिलाफ लड़ने वाले परविंदर जोटा की हत्या पर अमित शाह ने दुख जताया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/चंडीगढ़। पंजाब की धरती से ड्रग्स के दानव को खत्म करने के लिए आवाज उठाने वाले एक सामाजिक योद्धा की बेरहमी से हत्या ने पूरे देश में राजनीतिक भूचाल ला दिया है। ड्रग्स के खिलाफ डटकर लड़ाई लड़ने वाले परविंदर जोटा की गोली मारकर हत्या के बाद मामला काफी गरमा गया है। मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सीधे परविंदर जोटा के परिवार को सांत्वना देने और उनका दुख बांटने पहुंचे। परिवार से मिलने के बाद गृह मंत्री ने आक्रामक रुख अपनाते हुए पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर बेहद गंभीर और सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। क्या बिना



राजनीतिक संरक्षण के ड्रग्स का नेटवर्क चल सकता है? - अमित शाह का सीधा सवाल परविंदर जोटा के परिवार से मिलने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मीडिया और जनता से बात करते हुए काफी आक्रामक मुद्रा में दिखे। उन्होंने पंजाब में कानून-व्यवस्था की हालत और भगवंत मान सरकार के काम करने के तरीके पर सवालों के तीर बरसाए।अमित शाह ने पंजाब सरकार से सवाल किया, 'पंजाब के नौजवानों और लड़कियों तक ये ड्रग्स पुड़ी के रूप में कैसे पहुँचते हैं? क्या यह गैर-कानूनी धंधा बिना राजनीतिक संरक्षण के मुमकिन है? नहीं, कभी नहीं! यह सब राजनीतिक संरक्षण और राजनीतिक संरक्षण के बिना कभी मुमकिन नहीं हो सकता।' गृह मंत्री के इस जानलेवा बयान ने पंजाब की राजनीति में भारी हलचल मचा दी है और सीधे तौर पर 'आप' सरकार के कामकाज पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं।

करंज इलाके से लंबे समय से फरार चल रही कुख्यात महिला ड्रग पेडलर पुलिस के शिकंजे में

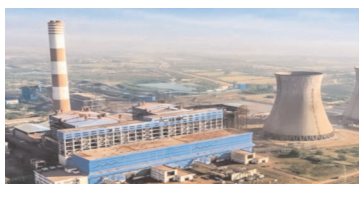
महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात को ड्रग-फ्री बनाने के लिए सिक्योरिटी एजेंसियों और पुलिस द्वारा चलाए जा रहे खास कैंपेन के तहत अहमदाबाद शहर से एक बहुत अहम खबर सामने आई है। एक कुख्यात महिला ड्रग पेडलर, जो लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रही थी और शहर के सेंसिटिव और घनी आबादी वाले करंज इलाके से अंडरग्राउंड हो गई थी, आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आ गई है। ड्रग नेटवर्क से जुड़ी इस महिला की गिरफ्तारी से क्रिमिनल दुनिया में बड़ा हंगामा मच गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, सिक्योरिटी एजेंसियों को जानकारी मिली थी कि अहमदाबाद शहर के करंज इलाके में ड्रग्स और गैर-कानूनी नारकोटिक्स बेचे जा रहे हैं और इसमें एक महिला मुख्य मास्टरमाइंड या पेडलर के तौर पर एक्टिव है। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाकर इस महिला आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसकी लंबे समय से तलाश थी। पुलिस जांच में पता चला है कि यह महिला पहले भी सीधे तौर पर ड्रग ट्रैफिकिंग और इसे बेचने के धंधे में शामिल थी और पकड़े जाने के डर से अलग-अलग जगहों पर छिपी रहती थी।

देश में सबसे ज़्यादा बिजली बनाने वाला गुजरात पावर कट से क्यों जूझ रहा है? आसो महीने में बिजली संकट के पीछे एल नीनो का खतरनाक असर और सच्चाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/अहमदाबाद। गुजरात राज्य भारत का सबसे ज़्यादा बिजली बनाने वाला राज्य है। जो राज्य पूरे देश को एनर्जी देता है, अगर गांवों में खेती और शहरों में व्यापारियों के लिए बिजली सप्लाई में बार-बार रुकावट आती है, तो यह चिंता की बड़ी बात बन जाती है। अभी आसो (अक्टूबर) महीने में पूरे गुजरात से बिजली सप्लाई ठीक से न होने की शिकायतों की बाढ़ आ गई है, जिससे आम जनता से लेकर उद्योगपतियों तक सभी को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रेड एसोसिएशन लाइन पर अलग-अलग कटौती के हिसाब से काम करने को मजबूर सिर्फ ग्रामीण इलाके ही नहीं, बल्कि ट्रेड एसोसिएशन भी बिजली सप्लाई में गड़बड़ी से परेशान हैं। राज्य के कई हिस्सों में ट्रेड एसोसिएशन ने अनियमित बिजली सप्लाई के बारे में गंभीर शिकायतें दर्ज कराई हैं और बिजली डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के साथ कई मीटिंग शुरू की हैं। हालात इतने खराब हो गए हैं कि कुछ ट्रेड एसोसिएशन को अपने मेंबर्स से पब्लिक में अपील करनी पड़ी है कि वे पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के 'स्टैगरिंग' (रुक-रुक कर होने वाले पावर कट) के हिसाब से अपनी फैक्ट्रियों और काम के घंटों को एडजस्ट करें। एनर्जी मिनिस्टर ऋषिकेश पटेल ने क्या कहा? हाल ही में राज्य में पावर क्राइसिस और पावर की स्थिति का रिव्यू करने के लिए एक हाई-लेवल मीटिंग हुई थी। मीटिंग के बाद रिपोर्टर्स से बात करते हुए, गुजरात के एनर्जी मिनिस्टर ऋषिकेश पटेल ने पावर क्राइसिस के पीछे के चौंकाने वाले कारणों का खुलासा किया। एनर्जी मिनिस्टर ने साफ कहा, 'एल नीनो के बुरे असर की वजह से इस साल टेम्परेचर उस समय कम नहीं हो रहा है जैसा होना चाहिए था। आमतौर पर, अगस्त/अक्टूबर के महीने में एटमॉस्फियर ठंडा हो जाता है और बिजली की डिमांड कम हो जाती है। लेकिन इस बार हालात बिल्कुल उलटे हैं।' मंत्री ने आगे बताया, 'पिछले साल के पीक आवर्स को देखें तो इस बार शाम 4 बजे तक भी बिजली की डिमांड 3000 MW से ज़्यादा है। हालांकि, विंड और सोलर एनर्जी की वजह से हम दिन में डिमांड पूरी कर रहे हैं, लेकिन असली दिक्कत रात में हो रही है। ' एनर्जी मंत्री ने माना कि रात में बिजली की खपत में



अचानक बढ़ोतरी ने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। उन्होंने कहा, 'शाम 5 बजे से रात 10-11 बजे के बीच बिजली की खपत की डिमांड के मुकाबले पूरी सप्लाई देने में कमी आ रही है।' इन शाम के पीक आवर्स में बढ़ती डिमांड की वजह से, पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों को इसे मैनेज करने के लिए बिजली कटौती करनी पड़ रही है। हालात की गंभीरता को समझते हुए, राज्य सरकार एक्शन मोड में आ गई है। एनर्जी मंत्री ने जानकारी देते हुए कहा कि इस समस्या के परमानेंट सॉल्यूशन के लिए, राज्य सरकार के बड़े अधिकारी हाल ही में केंद्र सरकार से पर्सनली मिलकर एक्स्ट्रा बिजली सप्लाई की मांग करने पहुंचे थे। आदिवासी इलाकों से लेकर शहरी इंडस्ट्री तक फैले इस पावर संकट के बीच अब सबकी नज़र है .

गुजरात-राजस्थान में ड्रग रिहैबिलिटेशन सेंटर की आड़ में चल रहे कुख्यात रैकेट का भंडाफोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा/डीसा। एक बहुत ही चौंकाने वाला और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि लोगों को नशा छुड़ाने और उन्हें नई जिंदगी देने के पवित्र मिशन की आड़ में खेल खेला जा रहा है। गुजरात और राजस्थान की सीमाओं या आसपास के इलाकों में ड्रग रिहैबिलिटेशन सेंटर (रिहैबिलिटेशन एंड डी-एडिक्शन सेंटर) की आड़ में चल रहे एक बड़े और कुख्यात अवैध रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। उत्तर गुजरात के कमर्शियल हब माने जाने वाले डीसा के एक जाने-माने डॉक्टर के इस रैकेट में सीधे तौर पर शामिल होने से पूरे मेडिकल और राजनीतिक समुदाय में भारी हंगामा मच गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, कानून को ताक पर रखकर चलाए जा रहे ये सेंटर नशेड़ियों को ठीक करने के बजाय कुछ और ही कर रहे थे। जांच एजेंसियों और पुलिस की रेड के बाद जो डिटेल्स सामने आईं, वे बेहद चौंकाने वाली हैं। यह नेटवर्क सिर्फ गुजरात तक ही सीमित नहीं था, बल्कि गुजरात और राजस्थान के बीच फैला हुआ था। शक है कि नशा मुक्ति केंद्रों की आड़ में चल रहे इन गैर-कानूनी कामों में मरीजों और उनके परिवारों की मजबूरी का फायदा उठाया जा रहा था। इस पूरे रैकेट में डीसा के एक डॉक्टर की बड़ी भूमिका होने के खुलासे से हलचल मच गई है। सूत्रों के मुताबिक, जैसे-जैसे इस मामले में जांच का दायरा बढ़ रहा है, कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। इस डीसा डॉक्टर के लिंक कहां-कहां जुड़े थे और इस सिंडिकेट में कौन-कौन शामिल था, यह पता लगाने के लिए पूरी जांच की गई है।

राजनांदगांव दिग्विजय क्लब में अवैद्य भवन निर्माण मामले में निगम की सुस्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। शहर के चर्चित श्री दिग्विजय क्लब के भूमि और भवन निर्माण अनुज्ञा (परमिशन) से जुड़े मामले में नगर पालिक निगम की कार्यशैली एक बार फिर संदेह के घेरे में आ गई है। जिला प्रशासन द्वारा कड़े निर्देश दिए जाने के बावजूद निगम के जिम्मेदार अधिकारियों ने कलेक्टर कार्यालय के आदेश को जैसे ठंडे बस्ते में डाल दिया है। आलम यह है कि 7 दिन के भीतर जवाब तलब करने के आदेश को बीते 15 दिन से अधिक हो चुके हैं, लेकिन निगम की तरफ से अब तक कोई दस्तावेज या प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार्यालय कलेक्टर, जिला-राजनांदगांव द्वारा गत 06 अक्टूबर 2026 को नगर पालिक निगम के आयुक्त को एक स्पष्ट ज्ञापन (क्रमांक 2714/स्टेनो/अपर कले./2026) जारी किया गया था। इस पत्र में यह निर्देश दिए गए थे कि श्री दिग्विजय क्लब से संबंधित भवन निर्माण अनुज्ञा और भूमि स्वामित्व के दस्तावेजों की सत्यापित प्रतियाँ 7 दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाएं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि 6 अक्टूबर को जारी इस पत्र के बाद आज 21 तारीख बीत चुकी है और पूरे 15 दिन से अधिक का समय गुजर जाने के बाद भी नगर निगम ने कलेक्टर के आदेश का पालन करना मुनासिब नहीं समझा। इस संबंध में अपर कलेक्टर मार्कण्डेय ने बताया की कलेक्टर साहब के निर्देश पर उनके द्वारा जारी किए गए पत्र का जवाब निगम की ओर से अभी तक प्राप्त हुआ है या नहीं उसकी जानकारी मुझे नहीं है।

करोड़ों का फ्यूल लेकिन डभोई-कर्जन ब्रॉड गेज लाइन पर कोई सुविधा नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। सरकार और रेलवे प्रशासन विकास के बड़े-बड़े दावे करते हैं, लेकिन असलियत यह है कि करोड़ों रुपये की भारी लागत से तैयार प्रोजेक्ट आज लोगों के लिए सजावट के सामान साबित हो रहे हैं। ऐसा ही एक ताज़ा मामला डभोई-कर्जन रेलवे रूट पर सामने आया है, जहाँ गेज बदलने पर जनता का करोड़ों का पैसा खर्च होने के बावजूद यात्रियों की सुविधाओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इस रूट पर नई ट्रेनें न होने से यात्रियों, छात्रों और मज़दूरों को बहुत परेशानी हो रही है। कर्जन-डभोई रेल लाइन को ब्रॉड गेज में बदले हुए काफ़ी समय हो गया है। स्थानीय नागरिकों को उम्मीद थी कि इस लाइन के खुलने से उन्हें तेज़, सुरक्षित और किफ़ायती सफ़र का फ़ायदा मिलेगा। लेकिन रेलवे एडमिनिस्ट्रेशन की बड़ी लापरवाही की वजह से, इस पूरे रूट पर अभी सिर्फ़ एक ही ट्रेन चलाई जा रही है। सबसे बड़ी हैरानी की बात यह है कि इस एक ट्रेन की टाइमिंग इतनी मुश्किल है कि आम मज़दूर, स्टूडेंट या रोज़ाना काम पर जाने वाले लोगों के लिए इसका कोई फ़ायदा नहीं है। सरकार के करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी, प्रोजेक्ट का असली मकसद पूरा नहीं हुआ है और ऐसी हालत पैदा हो गई है कि जनता का पैसा पानी में बह गया है।यात्रियों को हो रही भारी परेशानी और पैसे के बोझ को ध्यान में रखते हुए, 'वेस्टर्न रेलवे पैसेंजर्स एंड पास होल्डर्स वेलफ़ेयर एसोसिएशन' ने इस मुद्दे पर कड़ा रुख़ अपनाया है। वेस्टर्न रेलवे के जनरल मैनेजर और वडोदरा डिवीज़नल रेलवे मैनेजर को लिखे एक लेटर में, एसोसिएशन के प्रेसिडेंट मोहम्मद हबीब लोखंडवाला ने करजन-डभोई रूट पर तुरंत नई ट्रेनें शुरू करने की ज़ोरदार अपील की है।



वडोदरा की M.S. यूनिवर्सिटी कॉमर्स फैकल्टी का बड़ा फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। वडोदरा में दुनिया भर में मशहूर महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी यूनिवर्सिटी) की कॉमर्स फैकल्टी ने स्टूडेंट्स की अटेंडेंस और आने वाले इंटरनल एग्जाम को लेकर एक बहुत ही ज़रूरी और सख्त फैसला लिया है। यह नया नियम फैकल्टी अधिकारियों ने स्टूडेंट्स में पढ़ाई के प्रति गंभीरता लाने और अनुशासन बनाए रखने के मकसद से लागू किया है। मिली जानकारी के मुताबिक, फैकल्टी में एडमिशन लेते समय पहले साल के लिए 75' और दूसरे साल और तीसरे साल के स्टूडेंट्स के लिए 50' अटेंडेंस ज़रूरी कर दी गई थी। हालांकि, शुरू में, पहले टेस्ट के दौरान किसी भी स्टूडेंट का एकेडमिक साल खराब न हो, इस नेक इरादे से अधिकारियों ने सभी स्टूडेंट्स को एग्जाम में बैठने की खास इजाज़त दी थी। लेकिन अब फैकल्टी एडमिनिस्ट्रेशन इस मामले पर सख्त रवैया अपना रहा है। ज़ीरो परसेंट अटेंडेंस वाले स्टूडेंट्स के लिए दरवाज़े बंद कॉमर्स फैकल्टी के डीन ने यह साफ़ करते हुए कहा है कि जिन स्टूडेंट्स ने एडमिशन लेने के बाद आज तक कॉलेज का चेहरा नहीं देखा, क्लासरूम में नहीं आए, पहला इंटरनल टेस्ट या प्रेजेंटेशन भी नहीं दिया और जिनकी अटेंडेंस बिल्कुल ज़ीरो परसेंट (0') है, उन्हें किसी भी हालत में अगले दूसरे इंटरनल टेस्ट में बैठने की इजाज़त नहीं दी जाएगी। दूसरी ओर, उन स्टूडेंट्स के लिए राहत की खबर है जिनकी अटेंडेंस तय परसेंटेज (75' या 50') से कम है, लेकिन उन्होंने पहला इंटरनल टेस्ट और प्रेजेंटेशन दे दिया है। इन स्टूडेंट्स को अगले सेमेस्टर में नियमों के मुताबिक अपनी अटेंडेंस पूरी करने की लिखित अंडरटेकिंग देने के बाद ही दूसरे इंटरनल एग्जाम में बैठने की इजाज़त दी जाएगी। अधिकारियों के इस फ़ैसले से उन स्टूडेंट्स में भारी हंगामा मच गया है जो रेगुलर कॉलेज नहीं आते और अपनी पढ़ाई को हल्के में लेते हैं, जबकि रेगुलर आने वाले स्टूडेंट्स और पेरेंट्स ने इस सख्त फ़ैसले का स्वागत किया है।



मेहसाणा के 'मिनी पावागढ़' पर एक्टिवा फिसलने से पति-पत्नी की मौत!

माताजी के दर्शन करने गए कपल पर आई कुदरती आफत



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा / सतलासना। माताजी के दर्शन करके घर लौट रहे एक बुजुर्ग कपल पर मौत का काला बादल मंडरा गया। मेहसाणा ज़िले के सतलासना तालुका में मशहूर धार्मिक जगह उमरेचा 'मिनी पावागढ़' पहाड़ी से लौटते समय एक्टिवा गाड़ी के अचानक फिसलने से एक बहुत ही चौंकाने वाला जानलेवा हादसा हुआ है। इस भयानक हादसे में एक्टिवा सवार पति-पत्नी दोनों की मौके पर ही मौत हो गई और पूरे इलाके में गहरा मातम और सन्नाटा छा गया है।

मिनी पावागढ़ की पहाड़ी से लौटते समय काल का ग्रास

मिली जानकारी के मुताबिक, रमनजी ठाकोर और उनकी पत्नी माताजी के दर्शन करने के लिए मेहसाणा ज़िले के सतलासना तालुका के उमरेचा गांव में आस्था के प्रतीक 'मिनी पावागढ़' की पहाड़ी पर गए थे। दर्शन और रस्में पूरी करने के बाद, कपल अपनी एक्टिवा गाड़ी से अपने होमटाउन लौट रहे थे। पहाड़ी से उतरते समय और घुमावदार सड़क पर, ड्राइवर ने अचानक गाड़ी पर से कंट्रोल खो दिया और एक्टिवा फिसलकर गंभीर रूप से गिर गई। हादसा इतना भयानक था कि कपल के सिर और शरीर पर गंभीर जानलेवा चोटें आईं। पति-पत्नी की मौके पर ही दर्दनाक मौत: परिवार दुख में रो पड़ा घटना का पता चलते ही, आस-पास के लोग और राहगीर तुरंत मदद के लिए दौड़े और 108 एम्बुलेंस और पुलिस को सूचित किया गया। हालांकि, गंभीर चोटों और ज़्यादा खून बहने के कारण, रमनजी ठाकोर और चंद्रिकाबेन ठाकोर दोनों की अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। एक ही परिवार के मुखिया और एक ही परिवार की पत्नी की अचानक और असमय मौत से परिवार और पूरे गांव में बहुत दुख है। लोकल पुलिस ने इस एक्सीडेंटल मौत के मामले में कानूनी कार्रवाई की है और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। धार्मिक स्थल पर दर्शन करने गए हंसते-खेलते जोड़े के इस तरह काल के गाल में समा जाने से पूरे इलाके में गहरा दुख फैल गया है।

क्या नारोल में एक मासूम बच्चे की बलि के बाद सिस्टम अपनी नींद से जागेगा? राज्य में 24 हज़ार से ज़्यादा लिफ्ट लाइसेंस अधर में लटके हैं!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के पूर्वी इलाके में स्थित नारोल में हाल ही में एक लिफ्ट में मैकेनिकल खराबी के कारण एक मासूम बच्चे की मौत ने पूरे गुजरात को हिलाकर रख दिया है। स्कूल से लौट रहे एक बच्चे की लिफ्ट में हुई दुखद मौत से लोगों में भारी गुस्सा है। इस जानलेवा हादसे के बाद, 'गुजरात लिफ्ट और इलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट' और एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम की बड़ी लापरवाही और कानूनी अंधेपन पर कई गंभीर और ज्वलंत सवाल उठे हैं। जांच और सरकारी दफ्तरों से सामने आई चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, सिस्टम के अनाड़ी एडमिनिस्ट्रेशन और पर्याप्त स्टाफ की भारी कमी के कारण लाइसेंस रिन्यूअल का काम कछुए की चाल से चल रहा है। अभी पूरे गुजरात राज्य में 24,000 से ज़्यादा लिफ्ट के लाइसेंस रिन्यू नहीं हुए हैं! यानी, लाखों लोग हर दिन अपनी जान जोखिम में डालकर कानूनी तौर पर बिना जांच वाली और खतरनाक लिफ्ट में सफर करने को मजबूर हैं। सात हज़ार लिफ्ट का रिन्यूअल पेंडिंग: अकेले अहमदाबाद शहर में 7,000 से ज़्यादा लिफ्ट का लाइसेंस रिन्यूअल पेंडिंग है। 5,000 से ज़्यादा लिफ्ट की एक्सपायरी डेट पूरी: शहर की मल्टी-स्टोरी बिल्डिंग और फ्लैट में 5,000 से ज़्यादा लिफ्ट अपनी तय उम्र (लाइफस्पैन) पूरी कर चुकी हैं, जो कभी भी बड़ी मुसीबत खड़ी कर सकती हैं। 3200 लिफ्ट पूरी तरह से बिना इजाज़त के: अहमदाबाद में 3200 लिफ्ट बिना किसी लाइसेंस या सरकारी इजाज़त के चल रही हैं! एक तरफ लिफ्ट और इंस्पेक्शन करने के लिए काफ़ी इंस्पेक्टर या टेक्निकल स्टाफ़ नहीं है, और दूसरी तरफ अहमदाबाद समेत पूरे गुजरात राज्य में हर साल 7000 से 8000 नई लिफ्टें लगाई जा रही हैं।

खेड़ा जिले में क्रूरता की सारी हदें पार: पत्नी के कैरेक्टर पर शक होने पर पति ने उसे 'नैनो यूरिया' पिलाया, मौत के बाद उसकी बॉडी खिड़की से लटकाकर सुसाइड का ड्रामा रचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। गुजरात में इंसानी रिश्तों को कलंकित करने वाली और दिल दहला देने वाली एक बहुत ही चौंकाने वाली घटना खेड़ा जिले से सामने आई है। पता चला है कि एक बेरहम पति, जिसे अपनी पत्नी के कैरेक्टर पर अंधा शक था, उसने अपनी पत्नी को जिंदा मारने के लिए खेती में इस्तेमाल होने वाला जहरीला पदार्थ 'नैनो यूरिया' पिला दिया। इतना ही नहीं, इस पाप को छिपाने के लिए पति और उसके परिवार वालों ने मृतका की बॉडी को खिड़की से लटकाकर सुसाइड करने की शर्मनाक कोशिश की, लेकिन खेड़ा पुलिस की तेज और गहन जांच ने इन सभी दागदार चेहरों को बेनकाब कर दिया है। पत्नी के कैरेक्टर पर शक के चलते रोज़ाना टॉर्चर और आखिर में जानलेवा कदम मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी पति काफी समय से अपनी पत्नी के कैरेक्टर पर बेबुनियाद शक रखता था और इस बात को लेकर घर में अक्सर उससे लड़ाई-झगड़ा और मारपीट करता था। इस मेंटल और फिजिकल टॉर्चर की हद तब पार हो गई जब उसने अपनी पत्नी की आवाज़ हमेशा के लिए दबाने का फैसला किया। आरोपी ने अपनी पत्नी को खेती में इस्तेमाल होने वाला ज़हरीला 'नैनो यूरिया लिक्विड' ज़बरदस्ती या चुपके से पिला दिया। नैनो यूरिया के ज़हरीले असर से पीड़िता की तड़प-तड़पकर मौत हो गई। हत्या के बाद भी इस वहशी पति और उसके ससुराल वालों की बेरहमी नहीं रुकी। पुलिस और कानून की आंखों में धूल झोंकने के लिए उन्होंने एक खतरनाक प्लान बनाया। लड़की की लाश को घर की खिड़की से रस्सी या फंदे से लटका दिया, ताकि पुलिस और दुनिया को लगे कि पत्नी ने खुद सुसाइड कर लिया है।



शुरू में इस मामले में पुलिस के सामने सुसाइड का ड्रामा पेश किया गया। पुलिस की साइंटिफिक और गहरी जांच से खुला राज: पति समेत 4 ससुराल वालों को जेल भेजा गया घटना की गंभीरता को देखते हुए खेड़ा पुलिस ने इस अप्राकृतिक मौत के मामले में पूरी जांच की। PM रिपोर्ट, फोरेंसिक जांच और परिवार के बयानों के आधार पर जब सही बातें सामने आईं, तो पुलिस भी हैरान रह गई। यह साफ साबित हो गया कि यह सुसाइड नहीं बल्कि पहले से प्लान किया गया और बेरहमी से किया गया मर्डर था।

नशे में रिक्शा पलटा! लोगों के पकड़ने की कोशिश करते ही काले चेहरे वाला ड्राइवर फरार हो गया! अकोटा पुलिस के काम पर गंभीर सवाल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सांस्कृतिक शहर वडोदरा में सड़क हादसों की घटनाएं दिन-ब-दिन खतरनाक रूप से बढ़ रही हैं। जहां लापरवाह गाड़ियां हर दिन लोगों की जान ले रही हैं, वहीं आज वडोदरा के सबसे व्यस्त और पॉश इलाके चकली सर्कल पर एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। नशे में धुत एक ऑटो-रिक्शा ड्राइवर स्टीयरिंग व्हील से कंट्रोल खो बैठा और रिक्शा बीच सड़क पर पलट गया। मिली जानकारी के मुताबिक, एक ऑटोरिक्शा बहुत व्यस्त चकली सर्कल से तेज रफ्तार से गुजर रहा था। इसी बीच, नशे में धुत्त रिक्शा ड्राइवर ने अचानक कंट्रोल खो दिया और रिक्शा पलट गया। एक्सीडेंट होते ही आस-पास के लोगों और ड्राइवरों की सांसें थम सी गईं। हालांकि, खुशकिस्मती से इस भयानक घटना में कोई भी बेकसूर नागरिक या यात्री गंभीर रूप से घायल या मारा नहीं गया, जिससे एक बड़ा एक्सीडेंट टल गया। एक्सीडेंट के बाद जब स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े, तो पता चला कि रिक्शा ड्राइवर नशे में था। अगर जान चली जाती तो कौन ज़िम्मेदार होता? लोगों के लिए यह एक ज्वलंत सवाल है! इस घटना के बाद, मौके पर जमा लोगों में बहुत गुस्सा था। स्थानीय नागरिक और चश्मदीद यह सवाल उठा रहे हैं, 'खुशकिस्मती से, आज कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई और लोग बच गए। लेकिन अगर कोई बेकसूर पैदल यात्री, गाड़ी चलाने वाला या बच्चा मारा जाता, तो उस मौत का ज़िम्मेदार कौन होता? यह नशे में धुत रिक्शा ड्राइवर या सोती हुई पुलिस? पुलिस को देखते ही नशे में धुत रिक्शा ड्राइवर मौके से भाग गया एक्सीडेंट के बाद, स्थानीय लोगों ने बुरी तरह नशे में धुत रिक्शा ड्राइवर को पकड़कर खड़ा रखने की कोशिश की। लेकिन चालाक और क्रिमिनल माइंडेड रिक्शा ड्राइवर लोगों की नज़रों से बचकर मौके से भागने में कामयाब हो गया। अकोटा पुलिस के काम पर सवालों



की झड़ी! 'ड्रिंक एंड ड्राइव' कब रुकेगा? इस घटना के बाद, मौके पर मौजूद अकोटा पुलिस स्टेशन के काम और पेट्रोलिंग पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। गांधी के गुजरात में शराबबंदी के दावों के बीच, वडोदरा जैसे शहरों में शराबी बड़ी सड़कों पर लापरवाही से गाड़ी चला रहे हैं पुलिस शहर में 'ड्रिंक एंड ड्राइव' के मामलों के खिलाफ सख्त अभियान कब चलाएगी? क्या पुलिस किसी बेगुनाह की बलि दिए जाने का इंतज़ार कर रही है?

तमिलनाडु BJP के पूर्व प्रेसिडेंट के. अन्नामलाई का दिल्ली पुलिस के खिलाफ खुला मोर्चा- CJP नेताओं की गिरफ्तारी को 'बहुत गलत' बताया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चेन्नई/नई दिल्ली। तमिलनाडु BJP के पूर्व प्रेसिडेंट और जोशीले नेता के. अन्नामलाई के एक धमाकेदार बयान ने पॉलिटिकल गलियारों में बड़ी हलचल मचा दी है। अन्नामलाई 'कोकरोच जनता पार्टी' के नेताओं के खिलाफ दिल्ली पुलिस की सख्त और कठोर कार्रवाई के खिलाफ खुलकर सामने आ गए हैं। उन्होंने दिल्ली पुलिस की इस कार्रवाई का कड़े शब्दों में विरोध जताते हुए अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है, जिससे पॉलिटिकल गर्मी चरम पर पहुंच गई है। दिल्ली पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ अन्नामलाई का कड़ा हमला 'कानून अपने हाथ में लिया जा रहा है रिपोर्टर्स से बातचीत में के. अन्नामलाई काफी आक्रामक तेवर में दिखे। अन्नामलाई ने CJP के टॉप नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका की दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तारी और उसके बाद उन्हें लगातार ज्यूडिशियल कस्टडी में रखने के फैसले को 'बहुत गलत और गलत' बताया। पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, 'दिल्ली पुलिस कानून अपने हाथ में ले रही है। जिस तरह से प्रोटेस्टर्स को जेल में डाला जा रहा है और उन पर सख्त एक्शन लिया जा रहा है, उससे देश में 'कानून के राज' पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। ' . अन्नामलाई ने अपनी बात बिल्कुल साफ करते हुए कहा कि भले ही वह पर्सनली CJP के प्रोटेस्ट के स्टाइल, तरीके या उसके कुछ एक्शन से सहमत नहीं हैं, लेकिन वह CJP द्वारा उठाए जा रहे बेसिक मुद्दों और सवालों का पूरे दिल से सपोर्ट करते हैं। उन्होंने अधिकारियों पर निशाना साधते हुए कहा, 'अगर डेमोक्रेसी में कोई पार्टी या ऑर्गनाइजेशन सवाल पूछता है, तो इन सवालों का सही और संतोषजनक जवाब देना सरकार की पहली और नैतिक जिम्मेदारी है। अन्नामलाई ने एडमिनिस्ट्रेशन को धमकी देते हुए कहा कि CJP नेताओं को जेल में डालने या उन्हें फिजिकली और मेंटली परेशान करने से उनकी आवाज नहीं दबेगी। इसके उलट, ऐसी दबाने वाली नीतियां प्रदर्शनकारियों को और मज़बूत बनाएंगी और उनकी आवाज़ और बुलंद होगी। तमिलनाडु BJP के पूर्व अध्यक्ष जैसे सीनियर नेता द्वारा दिल्ली पुलिस और सरकार के रुख की खुली आलोचना ने दिल्ली से लेकर दक्षिण भारत कि अन्नामलाई के इस घातक रुख के बाद दिल्ली पुलिस या सत्ताधारी CJP नेताओं पर क्या रुख अपनाते हैं।

सरकारी शराब बैन के खोखले दावों के बीच, पाटन में देसी शराब का बड़ा भंडाफोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाटन / सरस्वती। एक और बहुत चिंताजनक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है कि गांधी के गुजरात में शराब बैन सिर्फ कागजों पर ही असरदार था और असल में शराब तस्करों के लिए खुली लाइन लगी हुई थी। पाटन जिले के सरस्वती तालुका के ऊंटवाड़ा गांव में बेरोकटोक चल रही देसी शराब की भट्टियों से ज़हरीली देसी शराब पीने से एक लोकल आदमी की शक के घेरे में मौत होने के शक ने पूरे इलाके में बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया है। लोकल सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सरस्वती तालुका के ऊंटवाड़ा गांव और उसके आस-पास के इलाकों में काफी समय से गैर-कानूनी देसी शराब की भट्टियां चल रही थीं। लोकल लोगों ने इस गैर-कानूनी काम के बारे में कई बार एडमिनिस्ट्रेशन और पुलिस को बताया था, लेकिन उगाही और पता नहीं क्यों, लोकल पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन ने कोई सख्त एक्शन नहीं लिया। पुलिस के इसी सपोर्ट और ढीले रवैये की वजह से शराब तस्कर शराबबंदी के नियमों को तोड़कर बेलगाम हो गए थे और गांव के कई युवाओं और बुजुर्गों को शराब की लत में धकेल रहे थे। देसी शराब पीने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और पल भर में उसकी मौत हो गई! गांव में हुई इस चौंकाने वाली घटना में, मरने वाले ने इसी धड़ल्ले से चल रही देसी शराब फैक्ट्री से शराब पी थी। शराब पीने के कुछ देर बाद ही उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उसे गंभीर शारीरिक दिक्कतें होने लगीं। इससे पहले कि उसके घरवाले उसे तुरंत इलाज के लिए ले जा पाते, शक के दायरे में उसकी दुखद मौत हो गई।घटना का पता चलते ही गांव वाले इकट्ठा हो गए और सीधा आरोप लगाया गया है कि इस मौत के लिए जहरीली या केमिकल मिक्सचर वाली देसी शराब जिम्मेदार है। जनता के तीखे सवाल अब तो जागो, अधिकारियों पर कब्ज़ा करने वाले! इस भयानक घटना के बाद पाटन ज़िले के लोगों और स्थानीय लोगों में पुलिस सिस्टम के खिलाफ़ काफ़ी गुस्सा है:



1. क्या पाटन पुलिस और सरस्वती थाने के अधिकारियों को ऊंटवाड़ा गांव में चल रही देसी शराब की भट्टियों के बारे में पता नहीं था?

2. क्या पुलिस तब जागेगी जब एक बेगुनाह नागरिक की जान चली जाएगी? क्या किसी बड़ी 'लट्ठा घटना' का इंतज़ार किया जा रहा था?

3. क्या इन गैर-कानूनी भट्टियों को चलाने वाले असामाजिक तस्करों और उन्हें पनाह देने वाले ज़िम्मेदार पुलिसवालों के खिलाफ़ हत्या का मामला दर्ज करके सख्त कार्रवाई की जाएगी?

जैसे ही पुलिस टीम को पदार्थों के सैंपल और PM रिपोर्ट की जानकारी मिली, पुलिस का काफ़िला मौके पर पहुंच गया। बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने और मौत की असली वजह जानने के लिए विसरा लैब भेजने का प्लान बनाया गया है। दूसरी ओर, घटना के बाद ऊंटवाड़ा गांव और आस-पास के इलाकों में शराब के अड्डों पर छापेमारी का ड्रामा शुरू हो गया है। लेकिन जनता अब सिर्फ़ स्टैटिस्टिकल पेपर्स से संतुष्ट होने के मूड में नहीं है; उनकी ज़ोरदार मांग है कि इन जगहों को हमेशा के लिए बंद कर दिया जाए और दोषियों को जेल में डाल दिया जाए।

ट्रीट पोल बदलने के 'बहाने' पर लोगों की मेहनत की कमाई की लूट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एक बहुत ही चौंकाने वाला और हैरान करने वाला मामला सामने आया है कि कैसे अहमदाबाद जैसे बड़े शहर में सरकारी बाबुओं और हुक्मरानों द्वारा 'स्मार्ट' स्कीम बनाकर लोगों के टैक्स के पैसे की लूट की जा रही है। अहमदाबाद शहर में इस बात को लेकर बहुत हंगामा मचा हुआ है कि नए 'स्ट्रीट पोल' लगाने और मॉडर्न 'वन स्विच ब्लैकआउट' सिस्टम लागू करने के बहाने करोड़ों रुपये का एक बड़े पैमाने पर संगठित भ्रष्टाचार और घोटाला किया जा रहा है। 'स्मार्ट प्रोजेक्ट' के नाम पर जनता की जेब पर बड़ी डाका? शहर में मज़बूत स्ट्रीट लाइट के खंभे मौजूद हैं और वे एकदम सही हालत में हैं, फिर भी सिर्फ़ छोटी-मोटी राजनीति और कमीशनखोरी के लिए नए खंभे लगाने के जल्दबाज़ी में फ़ैसले लेने की बात हो रही है।दूसरी तरफ़, पूरे शहर की लाइटें एक ही कंट्रोल रूम या स्विच से चालू और बंद करने के लिए 'वन स्विच ब्लैकआउट' टेक्नोलॉजी लाने के नाम पर करोड़ों रुपये का भारी-भरकम बजट दिया जा रहा है। लेकिन असलियत यह है कि कागज़ों पर मॉडर्नाइज़ेशन की तस्वीरें खींचकर, जनता के टैक्स के करोड़ों रुपये सीधे एजेंसियों और भ्रष्ट ठेकेदारों की जेब में डालने का एक सुनियोजित खेल रचा गया है। क्या यह खंभे बदलने का चल रहा क्रेज़ है या कमीशन का असली खेल? जिन इलाकों में स्ट्रीट लाइट और खंभे एकदम सही और अच्छी हालत में काम कर रहे हैं, वहाँ फिर से नए स्ट्रीट पोल लगाने का असली मकसद और ज़रूरत क्या है? 'वन स्विच ब्लैकआउट' सिस्टम के लिए जो करोड़ों रुपये के टेंडर जारी किए गए हैं, उनमें टेक्निकल क्वालिटी, ज़मीनी हकीकत और लागत के हिसाब-किताब को लेकर पूरी तरह से पारदर्शिता की कमी क्यों है?

डभोई में अंबावाड़ी रोड पर नगर पालिका की बड़ी लापरवाही

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। आम लोग एक बार फिर डभोई नगर पालिका की नाकाबिलियत, पॉलिसी में लापरवाही और बड़ी बेपरवाही का शिकार हो रहे हैं। डभोई शहर के बहुत ज़रूरी और चहल-पहल वाले अंबावाड़ी इलाके की ओर जाने वाली मुख्य पब्लिक सड़क में दरार आने के बाद नगर पालिका ने मरम्मत के लिए गड्ढे खोदा था। लेकिन, बदकिस्मती की बात यह है कि इस गड्ढे को खोदे हुए पूरा एक महीना (30 दिन) बीत जाने के बाद भी, नगर पालिका ने इसकी ठीक से मरम्मत या मेंटेनेंस करने की ज़हमत नहीं उठाई है। नगर पालिका अधिकारियों की इस नींद से स्थानीय निवासियों, व्यापारियों और पैदल चलने वालों में भारी गुस्सा है। इस पूरे मामले में सबसे गंभीर और चिंता की बात यह है कि हेल्थ डिपार्टमेंट का एक बड़ा सरकारी हॉस्पिटल, जहाँ यह बड़ा गड्ढे खोदकर खुला छोड़ा गया है, उसके बहुत पास है। डभोई शहर और आस-पास के तालुका से हर दिन हज़ारों मरीज़, प्रेग्नेंट औरतें और बुजुर्ग यहाँ इलाज के लिए आते हैं। इमरजेंसी के समय, इमरजेंसी एम्बुलेंस, मरीज़ों की गाड़ियों और रिश्तेदारों से भरी इस मेन रोड पर खुले काले मुँह वाले गड्ढे की वजह से हर दिन ट्रैफिक जाम और एक्सीडेंट का डर बना रहता है। खासकर रात के अंधेरे में, किसी भी गाड़ी चलाने वाले के लिए जानलेवा साबित होने से पहले इस गड्ढे को पक्का करना बहुत ज़रूरी हो गया है। पिछले एक महीने से सड़क के बीच में बने इस खतरनाक गड्ढे की वजह से सड़क बहुत पतली हो गई है, और इससे गुज़रना गाड़ी चलाने वालों के लिए रोज़ का सिरदर्द बन गया है। लोग सड़क से उड़ते धूल के गुबार, सड़क पर बिखरे पत्थरों और रुकावटों के बीच से अपनी जान जोखिम में डालकर गुज़रने को मजबूर हैं।



जोधपुर में पंचायत चुनाव के पहले चरण की तैयारी पूरी, गुरुवार को 6 पंचायत समितियों में मतदान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। जिले में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव के पहले चरण के मतदान को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। गुरुवार को जिले की छह पंचायत समितियों में मतदान होगा। मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए पोलिंग पार्टियों को प्रशिक्षण देने के बाद गुरुवार को मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। पहले चरण में पंचायत समिति सदस्यों के साथ जिला परिषद के नौ वार्डों के लिए भी मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। चुनाव को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां की गई हैं और मतदान दलों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस बार जोधपुर जिले में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के साथ पंच और सरपंच के चुनाव दो चरणों में कराए जाएंगे। पहले चरण में शेरगढ़, चाबा, आगोलाई, चामू, सेखाला और बालेसर पंचायत समितियों में मतदान होगा। इन छह पंचायत समितियों में कुल 2 लाख 74 हजार 416 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। इन क्षेत्रों में पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए करीब 233 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। पहले चरण में जिला परिषद के नौ वार्डों में भी मतदान कराया जाएगा। ये वार्ड शेरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में आने वाले वार्ड संख्या 2 से 10 तक हैं। इन वार्डों में करीब 3 लाख 62 हजार 654 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इस तरह पहले चरण में पंचायत समिति और जिला परिषद के चुनावों पर राजनीतिक दलों तथा प्रत्याशियों की नजर रहेगी। चुनाव में स्थानीय स्तर पर जनसमर्थन हासिल करने के लिए प्रत्याशियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में प्रचार और जनसंपर्क किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत से जुड़े मुद्दे और स्थानीय विकास की जरूरतें मतदाताओं के फैसले में अहम भूमिका निभा सकती हैं। पहले चरण के चुनाव में शेरगढ़ पंचायत समिति के वार्ड संख्या 15 से कांग्रेस प्रत्याशी गंगा सिंह की निर्विरोध जीत तय बताई गई है। ऐसे में इस वार्ड में मुकाबले की स्थिति नहीं रहेगी। वहीं अन्य वार्डों में प्रत्याशियों के बीच चुनावी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। जिले में पंचायत चुनाव दो चरणों में कराए जा रहे हैं। प्रत्येक चरण में मतदाताओं को दो पदों के लिए मतदान करना होगा।



त्योहारों पर यात्रियों को मिलेगी अतिरिक्त सुविधा, 23 अक्टूबर को निर्माण कार्यों के चलते दो ट्रेनें आंशिक रद्द और दो का बदलेगा मार्ग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। दीपावली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे की ओर से त्योहार स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को जोधपुर-गोरखपुर और बाड़मेर-हरिद्वार स्पेशल ट्रेनें रवाना होंगी। इन रेल सेवाओं से उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी। त्योहारों के दौरान नियमित ट्रेनों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों की आवाजाही सुगम बनाने के लिए विशेष रेल सेवाओं की व्यवस्था की है। जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि त्योहारों के दौरान ट्रेनों में अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए जोधपुर मंडल से अलग-अलग त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इन ट्रेनों के संचालन से यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त विकल्प मिलेंगे। ट्रेन संख्या 04829 जोधपुर-गोरखपुर स्पेशल गुरुवार को जोधपुर से शाम 4:15 बजे रवाना होगी और अगले दिन शुक्रवार को शाम 8:30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इस ट्रेन का संचालन 26 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार को किया जाएगा। इस रेल सेवा का मेड़ता रोड, डेगाना, डीडवाना, रतनगढ़, चूरू, सादुलपुर, रेवाड़ी, गुरुग्राम, दिल्ली, मुरादाबाद, बरेली, गोंडा और बस्ती सहित विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव निर्धारित किया गया है। इन स्टेशनों से यात्रा करने वाले यात्रियों को भी त्योहार के दौरान अतिरिक्त रेल सुविधा मिल सकेगी। ट्रेन संख्या 04811 बाड़मेर-हरिद्वार स्पेशल गुरुवार को बाड़मेर से सुबह 4:15 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन अगले दिन शुक्रवार को सुबह 4:10 बजे हरिद्वार पहुंचेगी। रेलवे के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इस ट्रेन का संचालन 30 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को किया जाएगा इस ट्रेन का बालोतरा, समदड़ी, लूनी, जोधपुर, मेड़ता रोड, नागौर, बीकानेर, सूरतगढ़, हनुमानगढ़, बठिंडा, अंबाला और सहारनपुर सहित विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव रहेगा। उत्तराखंड की ओर जाने वाले यात्रियों को लाभ मिलेगा। त्योहारों के दौरान लंबी दूरी की यात्रा करने वालों के लिए यह सेवा उपयोगी विकल्प होगी।



स्कूल जा रही दो महिला शिक्षकों की स्कूटी को स्विफ्ट कार ने मारी टक्कर, एक गंभीर

महानगर मेट्रो ब्यूर

जोधपुर। जिले के झंवर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह स्कूल जा रही दो महिला शिक्षकों की स्कूटी को तेज टक्कर मारने से भीषण सड़क हादसा हो गया। झंवर से धवा जाने वाले मार्ग पर सुबह करीब 10 बजे एक स्विफ्ट कार और स्कूटी के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि कार का अगला हिस्सा भी टूट गया। हादसे में स्कूटी सवार दोनों महिला शिक्षक घायल हो गईं। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद मार्ग से गुजर रहे लोगों ने घायलों को संभाला और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद दोनों शिक्षकों को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से एक शिक्षिका की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर उपचार के लिए जोधपुर रेफर किया गया। हादसे की सूचना मिलने पर घायलों के परिजनों को भी जानकारी दी गई। जानकारी के अनुसार, दोनों महिला शिक्षक राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत स्कूल, पुरोहितों की ढाणी, धवा में पढ़ाती हैं। बुधवार सुबह दोनों स्कूटी से स्कूल जा रही थीं। इसी दौरान झंवर से धवा जाने वाले रास्ते पर उनकी स्कूटी की स्विफ्ट कार से टक्कर हो गई। भिड़ंत के बाद दोनों शिक्षिकाएं सड़क पर गिर गईं और घायल हो गईं। टक्कर की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि स्कूटी बुरी तरह टूट गई और कार के अगले हिस्से को भी भारी नुकसान पहुंचा। हादसे के बाद कार चालक के मौके से भाग जाने से घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने घायलों की मदद कर उन्हें अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया। झंवर थाने के एसआई मनोज कुमार के अनुसार, हादसे में घायल शिक्षिका इमरती पत्नी रमेश विश्नोई, निवासी पटाऊ, थाना पचपदरा हैं। दूसरी शिक्षिका का नाम चित्रा बताया गया है। दोनों को हादसे के बाद अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से इमरती की हालत गंभीर होने पर उन्हें जोधपुर रेफर किया गया। पुलिस ने घायलों के परिजनों को सूचना दे दी है। हादसे के बाद दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है। हादसे के बाद स्विफ्ट कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।



दशहरा उत्सव के बाद सजी कवि सम्मेलन की महफिल, संदीप भोला के राजनीतिक कटाक्षों पर खूब जमे श्रोता; प्रेम रस से सामाजिक विसंगतियों तक रचनाओं ने बांधा समां

माउंट आबू में देर रात तक गूंजे कविता, हास्य और व्यंग्य के स्वर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। दशहरा उत्सव के बाद मंगलवार को माउंट आबू में देर रात तक कवि सम्मेलन की महफिल सजी रही। देश के जाने-माने कवियों और कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को प्रेम, हास्य, भावनाओं और तीखे व्यंग्य के विविध रंगों से रूबरू कराया। किसी ने प्रेम रस की कविताओं से दिलों को छुआ, तो किसी ने राजनीति, बॉलीवुड, भ्रष्ट व्यवस्था और सोशल मीडिया पर रील बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर व्यंग्यात्मक प्रहार किए। कवियों की प्रस्तुतियों के बीच श्रोता साहित्य और हास्य के रंग में रंगे नजर आए। कवि सम्मेलन में कवयित्री अंशु प्रिया, संदीप भोला, राजकुमार बादल, अशोक चारण, सुरेंद्र शर्मा, अनु सपन और प्रियांशु गजेंद्र ने अपनी रचनाओं से समां बांधा। कार्यक्रम की शुरुआत में एसीजेएम श्याम सुंदर बिश्नोई, एसडीएम राहुल श्रीवास्तव और पालिका अध्यक्ष चुनीलाचार्य सहित अन्य अतिथियों ने कवियों का स्वागत किया। इसके बाद मंच पर काव्य पाठ का सिलसिला शुरू हुआ, जो देर रात तक चलता रहा। कवयित्री अंशु प्रिया ने प्रेम रस से ओतप्रोत रचनाएं प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावनाओं की दुनिया से जोड़ा। उनकी कविताओं में प्रेम और संवेदनाओं की अभिव्यक्ति देखने को मिली। उन्होंने अपनी रचनाओं के बारे में बताया कि उनकी कविताएं ऐसी हैं, जिन्हें परिवार के साथ बैठकर भी सुना जा सकता है। उनकी प्रस्तुतियों ने सम्मेलन में साहित्यिक संवेदनाओं का रंग घोला और श्रोताओं को भावनात्मक अनुभव से जोड़ा। वहीं, प्रियांशु गजेंद्र ने मंच संचालन के साथ पैरोडी सुनाकर कार्यक्रम को रोचक बनाए रखा। उनकी प्रस्तुति ने कवि सम्मेलन के माहौल में हास्य का रंग भरा। अलग-अलग विषयों पर प्रस्तुत कविताओं ने कार्यक्रम को विविधता प्रदान की। कवि संदीप भोला ने अपनी व्यंग्यात्मक रचनाओं के माध्यम से राजनीति, बॉलीवुड और जेनरेशन जेड से जुड़े विषयों को उठाया। उनकी प्रस्तुतियों में समकालीन सामाजिक प्रवृत्तियों पर कटाक्ष देखने को मिला। मोबाइल और सोशल मीडिया पर रील बनाने की संस्कृति तथा इंटरनेट पर बढ़ती अश्लीलता को लेकर प्रस्तुत उनकी रचना ने श्रोताओं का ध्यान खींचा। उन्होंने अपनी व्यंग्यात्मक शैली में कहा, 'यह देश वीरांगनाओं का था, जब से 6 इंच का मोबाइल आ गया है, रिलांगनाओं का ज्यादा बन गया है।' इस कटाक्ष के जरिए उन्होंने सोशल मीडिया पर तेजी से बढ़ती रील संस्कृति पर व्यंग्य किया। उनकी रचनाओं में हास्य के साथ सामाजिक चिंताओं की झलक भी दिखाई दी। राजनीति और मनोरंजन जगत से जुड़े विषयों को व्यंग्य के अंदाज में प्रस्तुत कर उन्होंने श्रोताओं को समसामयिक मुद्दों पर सोचने का अवसर दिया। राजकुमार बादल और अशोक चारण ने अपनी कविताओं के माध्यम से भ्रष्ट व्यवस्था तथा सोशल मीडिया पर बाबाओं की रील बनाने की प्रवृत्ति पर निशाना साधा। उनकी रचनाओं में सामाजिक विसंगतियों, बदलती जीवनशैली और मौजूदा दौर की प्रवृत्तियों पर व्यंग्य देखने को मिला। हास्य के साथ किए गए कटाक्षों ने कार्यक्रम को रोचक बनाए रखा। वहीं, अनु सपन और सुरेंद्र शर्मा ने भी अपनी कविताओं से श्रोताओं को काव्य रस का आनंद दिलाया।



बागरा में विजयादशमी पर आरएसएस का पथ संचलन, पुष्प वर्षा से स्वयंसेवकों का स्वागत

जलंधर नाथ महादेव मंदिर से निकला संचलन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागरा। विजयादशमी के अवसर पर मंगलवार को बागरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से पथ संचलन निकाला गया। इस दौरान स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में अनुशासित ढंग से कदमताल करते हुए नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरे। जगह-जगह ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। पथ संचलन के माध्यम से सामाजिक एकता, अनुशासन, राष्ट्रीय भावना और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्टेशन रोड स्थित जलंधर नाथ महादेव मंदिर परिसर से हुआ। यहां आरएसएस के पदाधिकारी, स्वयंसेवक और ग्रामीण एकत्रित हुए। जयघोष के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसके बाद संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने स्वयंसेवकों को संबोधित किया। संबोधन के



बाद स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में घोष की धुन पर कदमताल करते हुए पथ संचलन के लिए रवाना हुए। पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवक अनुशासन और एकजुटता के साथ आगे बढ़े। घोष की धुन के बीच स्वयंसेवकों की कदमताल आकर्षण का केंद्र रही। नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरते संचलन का ग्रामीणों ने स्वागत किया और पुष्प वर्षा कर उत्साह व्यक्त किया। विजयादशमी के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में अनुशासन, सामाजिक समरसता और राष्ट्र के प्रति समर्पण जैसे विषयों पर जोर दिया गया। संचलन के जरिए समाज में एकता की भावना मजबूत करने और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया गया। जलंधर नाथ महादेव मंदिर परिसर से शुरू हुआ पथ संचलन भीनमाल रोड, पंचायत गली, स्टेशन रोड, गांधी चौक, विश्वकर्मा मंदिर गली, जालोर रोड, बस स्टैंड, मुख्य बाजार, आम चौहट्टा, पोस्ट ऑफिस गली, जागनाथ महादेव मंदिर रोड और घाचियों चौहट्टा से होकर गुजरा। इसके बाद संचलन स्टेशन रोड होते हुए मंदिर चौराहे तक पहुंचा। नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरने के दौरान ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का अभिनंदन किया। विजयादशमी पर आयोजित इस पथ संचलन में स्वयंसेवकों ने अनुशासन और सामूहिकता का परिचय देते हुए कार्यक्रम को संपन्न किया।

कोटा नहर हादसा: 18 घंटे बाद मिले चारों युवकों के शव, दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान पलटी थी नाव

हादसे में सात लोग बह गए थे, महिला, नाविक और एक अन्य व्यक्ति तैरकर निकले बाहर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोटा। शहर के कोटड़ी क्षेत्र में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान मंगलवार शाम नहर में नाव पलटने से हुए हादसे में डूबे चारों युवकों के शव बुधवार सुबह बरामद कर लिए गए। करीब 18 घंटे तक चले बचाव अभियान के बाद चारों के शव घटनास्थल से लगभग 100 मीटर दूर मिले। हादसे के बाद से ही एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें युवकों की तलाश में जुटी थीं। स्थानीय मछुआरों, नाविकों और गोताखोरों ने भी बचाव अभियान में सहयोग किया। जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 5:30 बजे दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान नहर में नाव पलट गई थी। हादसे के समय सात लोग पानी में बह गए थे। इनमें से चार युवक डूब गए, जबकि एक महिला, नाविक और एक अन्य व्यक्ति किसी तरह तैरकर बाहर निकल आए। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचे और लापता युवकों की तलाश शुरू की गई। मंगलवार रात करीब 10:30 बजे तक नहर में तलाशी अभियान



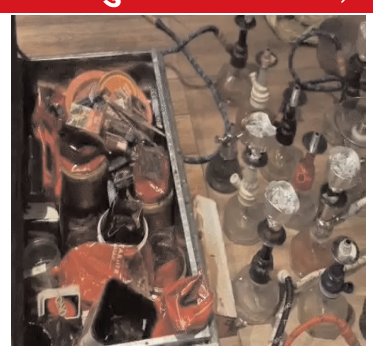
चलाया गया, लेकिन अंधेरा होने के कारण इसे रोकना पड़ा। बुधवार सुबह करीब 5:30 बजे एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने दोबारा रेस्क्यू अभियान शुरू किया। सुबह सबसे पहले विकास वर्मा उर्फ सुमन (22) और सूरज सिंह (22) के शव बरामद किए गए। दोनों शवों को एमबीएस अस्पताल के पोस्टमॉर्टम कक्ष में भिजवाया गया। इसके बाद स्थानीय लोगों, मछुआरों और गोताखोरों की मदद से यश जोशी उर्फ येशू (19) का शव तलाश लिया गया। कुछ समय बाद रेस्क्यू टीम ने राहुल जोशी (18) का शव भी बरामद कर लिया। यश और राहुल चचेरे भाई थे। चारों युवकों के शव मिलने के बाद तलाश अभियान पूरा हुआ। एसडीआरएफ की प्रभारी एकता हाड़ा के अनुसार, हादसे वाली जगह से करीब 100 मीटर आगे खेड़ा रसूलपुर (रामपुर) निवासी विकास वर्मा उर्फ सुमन और रोड नंबर-2 निवासी सूरज सिंह के शव मिले। बुधवार सुबह नहर में उम्मेदगंज तक तलाशी अभियान चलाया गया। अभियान में कुल छह रेस्क्यू नावें लगाई गई थीं, जिनमें तीन एनडीआरएफ और तीन एसडीआरएफ की थीं। अलग-अलग स्थानों पर टीमें तैनात कर नहर में तलाश की गई। एडीएम विकास मल्होत्रा ने बताया कि चारों युवकों के शव निकाल लिए गए हैं। मंगलवार शाम हादसे के बाद से ही एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें बचाव कार्य में जुटी थीं। स्थानीय गोताखोरों और नहर में मछली पकड़ने वाले नाविकों ने भी लापता युवकों को खोजने में मदद की।वर्मा उर्फ सुमन (22) के रूप में हुई है।

राजापार्क में 26 युवक-युवतियां हुक्का पीते मिले, चार प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई; बड़ी संख्या में हुक्के, पाइप और फ्लेवर पैकेट जब्त

जयपुर में अवैध हुक्का बार पर पुलिस का शिकंजा, चार कैफे-रेस्टोरेंट में दबिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजधानी में कैफे, रेस्टोरेंट और क्लब की आड़ में संचालित हो रहे कथित अवैध हुक्का बार के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। प्रतिबंध के बावजूद युवाओं को फ्लेवर हुक्का परोसे जाने की शिकायतों के बाद पुलिस ने पिछले कुछ दिनों में अलग-अलग प्रतिष्ठानों पर दबिश दी। इन कार्रवाइयों में बड़ी संख्या में हुक्के, चिलम, पाइप और फ्लेवर के पैकेट जब्त किए गए हैं। वहीं, संबंधित प्रतिष्ठानों के मैनेजरों और अन्य लोगों के खिलाफ सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा एक्ट) के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस की कार्रवाई राजापार्क स्थित नाइंस बीस कैफे, अजमेर रोड स्थित ब्रूलिसियस रेस्टोरेंट एंड बार, जनपथ स्थित हैरो कैफे और जेएलएन मार्ग स्थित 3डी रेस्टोरेंट एंड बार में हुई। पुलिस अब ऐसे प्रतिष्ठानों के खिलाफ संबंधित विभागों और नगर निगम के माध्यम से आगे की कार्रवाई कराने की तैयारी कर रही है। नियमों के तहत आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर संबंधित प्रतिष्ठानों को सीज कराने की दिशा में भी कदम उठाए जा सकते हैं 20 अक्टूबर को सीएसटी ने राजापार्क स्थित नाइंस बीस कैफे पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान मौके पर 26 युवक-



युवतियां हुक्का पीते मिले। पुलिस ने कैफे से 20 हुक्के और 60 पाइप जब्त किए। मामले में कैफे मैनेजर विक्रम सिंह के खिलाफ कोटपा एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। इस कार्रवाई के बाद शहर में कैफे और रेस्टोरेंट की आड़ में हुक्का परोसने वाले प्रतिष्ठानों को लेकर पुलिस की निगरानी और सख्ती चर्चा में है। पुलिस ऐसे मामलों में प्रतिष्ठानों के प्रबंधन की जिम्मेदारी तय करने पर जोर दे रही है। ससस अजमेर रोड के रेस्टोरेंट से 23 हुक्के बरामद 16 अक्टूबर को विधायकपुरी थाना पुलिस और जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने अजमेर रोड स्थित ब्रूलिसियस रेस्टोरेंट एंड बार पर कार्रवाई की। पुलिस ने इस मामले में मैनेजर समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया। मौके से 23 हुक्के, 23 चिलम, 23 रबर पाइप और फ्लेवर के 20 पैकेट जब्त किए गए। कार्रवाई के दौरान मिले उपकरणों और फ्लेवर पैकेट के आधार पर पुलिस ने मामले में कानूनी कार्रवाई की। इस घटना ने शहर के रेस्टोरेंट और बार में हुक्का परोसने की गतिविधियों पर निगरानी की जरूरत को फिर सामने ला दिया है। 13 अक्टूबर को श्याम नगर थाना पुलिस और डीएसटी ने जनपथ स्थित हैरो कैफे पर दबिश दी। इस कार्रवाई में कैफे मैनेजर आफ्ताब को गिरफ्तार किया गया। इससे पहले 8 अक्टूबर को जेएलएन मार्ग स्थित 3डी रेस्टोरेंट एंड बार में पुलिस ने कार्रवाई की थी। यहां से मैनेजर को गिरफ्तार किया गया, जबकि हुक्का पी रहे चार लोगों के चालान किए गए। लगातार हुई इन कार्रवाइयों से स्पष्ट है कि पुलिस शहर के अलग-अलग इलाकों में हुक्का परोसने वाले प्रतिष्ठानों पर नजर रख रही है। डीसीपी साउथ राजर्षि राज के अनुसार, ऐसे मामलों में कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस संचालकों और मैनेजरों की जिम्मेदारी तय करते हुए उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज कर रही है। इसके साथ ही संबंधित एजेंसियों और नगर निगम को भी कार्रवाई के लिए लिखने की रणनीति बनाई जा रही है, ताकि नियमानुसार संबंधित प्रतिष्ठानों को सीज कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके।

माउंट आबू में विजयदशमी पर जला रावण का पुतला, बुराई पर अच्छाई की जीत का दिया संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। पर्यटन नगरी माउंट आबू के पोलो ग्राउंड में मंगलवार देर शाम विजयदशमी पर्व पर रावण दहन का आयोजन किया गया। इस दौरान मेघनाद, कुंभकरण और रावण के पुतलों का दहन किया गया। कार्यक्रम को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पोलो ग्राउंड पहुंचे। रावण दहन के साथ ही मैदान में मौजूद लोगों ने बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक विजयदशमी पर्व का उत्साहपूर्वक आनंद लिया। कार्यक्रम से पहले रामलीला मंडली के पोलो ग्राउंड पहुंचने पर उपखंड अधिकारी राहुल श्रीवास्तव, नगर पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य सहित अधिकारियों और अतिथियों ने मंडली का स्वागत किया। इसके बाद रामलीला के प्रसंगों के तहत भगवान श्रीराम और रावण के बीच युद्ध का मंचन किया गया। युद्ध के मंचन ने कार्यक्रम को धार्मिक और सांस्कृतिक रंग प्रदान किया। विजयदशमी के अवसर पर आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में सबसे पहले मेघनाद के पुतले का दहन किया गया। इसके बाद कुंभकरण और अंत में रावण का पुतला जलाया गया। पुतलों के दहन के दौरान पोलो ग्राउंड में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। लोगों ने इस आयोजन के माध्यम से विजयदशमी पर्व की परंपरा और बुराई पर अच्छाई की जीत के संदेश को याद किया। रामलीला के दौरान राम और रावण के युद्ध का मंचन भी आकर्षण का केंद्र रहा। धार्मिक प्रसंगों पर आधारित इस आयोजन ने उपस्थित लोगों को रामायण की कथा से जोड़ा। विजयदशमी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय लोगों के साथ विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अतिथियों की मौजूदगी रही।



राजस्थान में पहले चरण के पंचायत चुनाव कल, 85 लाख से अधिक मतदाता करेंगे मतदान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव के पहले चरण में 22 अक्टूबर को 16 जिला परिषदों और 104 पंचायत समितियों में मतदान होगा। पहले चरण में कुल 85 लाख 7 हजार 306 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों का चुनाव करेंगे। इस चरण में कुल 6,926 उम्मीदवारों की किस्मत मतदाताओं के फैसले पर निर्भर करेगी। मतदान को लेकर राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की निगाहें मतदाताओं के रुख पर टिकी हैं। पहले चरण के चुनाव में मतदाताओं को दो अलग-अलग पदों के लिए मतदान करना होगा। इसके लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर दो ईवीएम की व्यवस्था रहेगी। मतदाता एक ईवीएम के माध्यम से जिला परिषद सदस्य के लिए अपना वोट डालेंगे, जबकि दूसरी ईवीएम से पंचायत समिति सदस्य का चुनाव करेंगे। इस तरह एक ही मतदान केंद्र पर मतदाता दो पदों के लिए अलग-अलग मतदान प्रक्रिया पूरी करेंगे। पंचायती राज संस्थाओं के इन चुनावों में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला माना जा रहा है। दोनों प्रमुख दल अपने-अपने उम्मीदवारों के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की कोशिश में हैं। जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य के चुनाव स्थानीय स्तर पर राजनीतिक प्रभाव और जनसमर्थन का आकलन करने के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं हालांकि, चुनावी मुकाबला केवल भाजपा और कांग्रेस तक सीमित नहीं है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों में भारतीय ट्राइबल पार्टी (बीटीपी) का प्रभाव भी चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। वहीं, कई क्षेत्रों में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) और निर्दलीय उम्मीदवार भी मुकाबले में अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

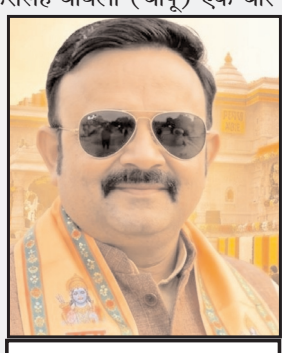




सम्पादकीय

गुजरात कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति में बड़ा धमाका!

क्या शंकरसिंह वाघेला की 'घर वापसी' रुक गई है या रोक दी गई है?



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

गांधीनगर/दिल्ली गुजरात की राजनीति के ढाई दशक पुराने भीष्म पितामह और पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला (बापू) एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ गए हैं। अपने राजनीतिक जीवन में अनगिनत उतार-चढ़ाव देखने वाले और BJP से कांग्रेस और यहां तक कि अपनी अलग पार्टियां बनाकर सत्ता और संगठन के समीकरण बदलने वाले शंकरसिंह वाघेला ने हाल ही में कांग्रेस पार्टी में फिर से शामिल होने (घर वापसी) की सार्वजनिक इच्छा जताई है। लेकिन, यहां बड़ा ट्विस्ट यह है कि बापू कांग्रेस के दरवाजे पर खड़े हैं, लेकिन दिल्ली में बैठे कांग्रेस के सुप्रीम लीडर राहुल गांधी के पास उनसे मिलने या उन्हें हरी झंडी देने का समय नहीं है!

बापू का इशारा साफ है: लेकिन दिल्ली दरबार में 'नो एंट्री'?

गुजरात में कांग्रेस की खराब हालत और लगातार खराब परफॉर्मेंस के बीच, शंकरसिंह वाघेला जैसे अनुभवी और जुझारू नेता की कांग्रेस में वापसी को कभी विपक्ष के लिए संजीवनी माना जा रहा था। बापू ने पब्लिकली और अपने सर्कल में इशारा किया है कि वे BJP के खिलाफ आक्रामक मोर्चा खोलने के लिए कांग्रेस में लौटने को तैयार हैं।

लेकिन सच तो यह है कि हफ्ते और महीने बीत जाने के बावजूद, राहुल गांधी या दिल्ली हाईकमान की तरफ से बापू से मिलने का कोई साफ समय नहीं दिया गया है। इस देरी ने गुजरात से लेकर दिल्ली तक के पॉलिटिकल गलियारों में कई बहस और चर्चाओं को हवा दी है।

गुजरात कांग्रेस के राज्य नेताओं के बीच कानाफूसी और अंदरूनी विरोध?

सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी के पास समय न होने के लिए सिर्फ दिल्ली की व्यस्तता ही जिम्मेदार नहीं है, बल्कि खुद गुजरात कांग्रेस के कुछ सीनियर राज्य स्तर के नेताओं का छिपा हुआ विरोध भी है। गुजरात कांग्रेस के मौजूदा नेताओं को डर है कि अगर शंकरसिंह वाघेला जैसा बड़ा, असरदार और आक्रामक चेहरा पार्टी में लौटता है, तो राज्य संगठन पर उसका दबदबा फिर से कायम हो जाएगा और राज्य के मौजूदा नेताओं की पॉलिटिकल पोजीशन खतरे में पड़ जाएगी।

इसीलिए राज्य के कुछ नेता दिल्ली हाईकमान को रिपोर्ट कर रहे हैं कि बापू की वापसी से पार्टी में अंदरूनी गुटबाजी का बड़ा खतरा है, जिसका फायदा पार्टी को मिलेगा।

पिछला अनुभव या नई स्ट्रैटेजी?

दूसरी तरफ, अगर दिल्ली कांग्रेस और राहुल गांधी के ऑफिस का रवैया देखें, तो पहले भी शंकरसिंह वाघेला ने 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस से अलग होकर पार्टी को बड़ा झटका दिया था। उस समय कांग्रेस जीत की कगार पर थी, और बापू की बगावत से पार्टी की इमेज बदल गई थी। शायद अतीत के ये कड़वे अनुभव हाईकमान के दिमाग में भी चल रहे हों।

बाप के लिए पॉलिटिकल टर्न: 'बापू' आगे क्या करेंगे?

शंकरसिंह वाघेला अपनी तेज पॉलिटिक्स और अचानक लिए गए फैसलों के लिए जाने जाते हैं। अगर राहुल गांधी को उनसे मिलने का समय नहीं मिलता और कांग्रेस हाईकमान इसी तरह ठंडे तरीके से जवाब देता रहा, तो क्या क्षत्रिय और असरदार नेता माने जाने वाले बापू यह बेइज्जती सहेंगे या कोई नया पॉलिटिकल धमाका करके अपने पत्ते खोलेंगे? क्या बापू दूसरे रीजनल ऑप्शन या तीसरे फ्रंट पर विचार करेंगे या कांग्रेस आखिरी मिनट में अपनी स्ट्रैटेजी बदलकर बापू का पार्टी में स्वागत करेगी? यह सवाल इस समय गुजरात की पॉलिटिक्स में चर्चा का सबसे बड़ा टॉपिक बन गया है।

विकास की धुंध में दम घुटता शहर

दिल्ली



आज का राशिफल

(गुरुवार)22 अक्टूबर 2026

मेष आज कामकाज में उत्साह बना रहेगा। रुके हुए कार्य पूरे करने का अवसर मिल सकता है। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें और परिवार को समय दें।

वृषभ आज रचनात्मक विचारों से लाभ मिल सकता है। मित्रों या सहकर्मियों से उपयोगी सुझाव मिलेंगे। किसी बड़े खर्च या महत्वपूर्ण निर्णय से पहले बजट और परिस्थितियों का आकलन करें

मिथुन आज का दिन धैर्य और समझदारी से आगे बढ़ने का है। नौकरी में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखें और रिश्तों में मधुरता बनाए रखें।

कर्क आज भावनाओं के साथ व्यावहारिक सोच बनाए रखना जरूरी होगा। कामकाज में निरंतर प्रयास से आगे बढ़ सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा; अपनी दिनचर्या और स्वास्थ्य पर ध्यान दें

सिंह आज नई योजनाओं पर काम शुरू करने की प्रेरणा मिलेगी। मित्रों और सहकर्मियों का सहयोग मिल सकता है। बातचीत में संयम रखें और जल्दबाजी से बचें।

कन्या आज जिम्मेदारियों को व्यवस्थित ढंग से निभाने का दिन है। कार्यक्षेत्र में धैर्य से आगे बढ़ें। परिवार के साथ बातचीत के लिए समय निकालें और आराम की अनदेखी न करें

तुला आज पारिवारिक मामलों में सकारात्मकता बनाए रखने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र में मेहनत का लाभ मिल सकता है। अनावश्यक चिंता से बचें और स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक आज नए विचार और योजनाएं उत्साह बढ़ा सकती हैं। पढ़ाई और करियर से जुड़े मामलों में ध्यान केंद्रित रखें। आर्थिक लेन-देन में सावधानी बरतें और समय का सही उपयोग करें

धनु आज आत्मविश्वास के साथ काम करने से अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। करियर में नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। महत्वपूर्ण फैसले लेने से पहले सभी पहलुओं पर विचार करें

मकर आज मेहनत और एकाग्रता से कामकाज में प्रगति हो सकती है। पुराने अधूरे कार्यों को पूरा करने पर ध्यान दें। किसी भी विवाद में प्रतिक्रिया देने से पहले सोचें।

कुंभ आज योजनाबद्ध तरीके से काम करना लाभदायक रहेगा। नौकरी और कारोबार में छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दें। धन संबंधी निर्णय सावधानी से लें और परिवार की बात सुनें।

मीन आज रिश्तों में तालमेल बनाए रखना प्राथमिकता रहेगी। कार्यक्षेत्र में किसी नए अवसर पर विचार कर सकते हैं। खर्च और बचत के बीच संतुलन बनाकर चलें

अल नीनो का बढ़ता असर: भारत में सूखे की मार, दुनिया के कई हिस्सों में मौसम का कहर

भारत समेत दुनिया के कई हिस्सों में मौसम के बदलते मिजाज का असर दिखाई देने लगा है। कमजोर मानसून, जलाशयों में घटते जलस्तर और कई क्षेत्रों में सूखे जैसे हालात ने खेती-किसानी के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। दक्षिण और पश्चिम भारत के कई राज्यों में पानी की कमी के कारण फसलों की पैदावार प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। दूसरी ओर, दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जंगलों की आग, शक्तिशाली तूफान, बाढ़ और भूस्खलन जैसी घटनाएं भी चिंता बढ़ा रही हैं। इन परिस्थितियों के बीच अल नीनो की भूमिका पर चर्चा हो रही है, हालांकि विशेषज्ञों के अनुसार दुनिया में हो रही हर मौसमी घटना के लिए केवल अल नीनो को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। कमजोर मानसून का सबसे गंभीर असर दक्षिण भारत के कई राज्यों में दिखाई दे रहा है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना के बड़े हिस्सों में सूखे जैसे हालात बनने से कृषि गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। खेती के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिलने का सीधा असर किसानों की आजीविका, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्यान्न उत्पादन पर पड़ सकता है।

कर्नाटक में स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक बताई गई है। राज्य के 240 तालुकों में से 226 को सूखाग्रस्त बताया गया है। करीब 33 प्रतिशत फसल बर्बाद होने का अनुमान है। इतनी बड़ी मात्रा में फसलों को नुकसान पहुंचने से किसानों की आमदनी पर दबाव बढ़ सकता है। सिंचाई के लिए जल उपलब्धता कम होने से आगामी कृषि गतिविधियों को लेकर भी अनिश्चितता पैदा हो रही है।आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में भी सूखे का दायरा काफी बड़ा बताया गया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, आंध्र प्रदेश के 56.4 प्रतिशत और महाराष्ट्र के 86.4 प्रतिशत तालुकों में सूखे की स्थिति दर्ज की गई है। तेलंगाना में करीब 45.6 प्रतिशत मंडलों को सूखाग्रस्त घोषित किए जाने की जानकारी दी गई है। इन आंकड़ों से पता चलता है कि पानी की कमी कई राज्यों के कृषि क्षेत्रों को प्रभावित कर रही है।

तमिलनाडु के कावेरी डेल्टा क्षेत्र में पानी की कमी का असर धान की खेती पर पड़ रहा है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिलने के कारण धान की खेती का रकबा एक लाख एकड़ से अधिक घट गया है। कृषि क्षेत्र में पानी की कमी का प्रभाव केवल खेतों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे किसानों की आय, कृषि मजदूरों के रोजगार और स्थानीय बाजारों की गतिविधियां भी प्रभावित हो सकती हैं। धान की पैदावार प्रभावित होने से चावल की कुछ किस्मों की कीमतों में भी तेजी दर्ज की गई है। कुछ किस्मों के दाम 50 प्रतिशत तक बढ़ने की जानकारी सामने आई है। यदि खेती और आपूर्ति पर दबाव बना रहता है, तो इसका असर उपभोक्ताओं के घरेलू बजट पर भी पड़ सकता है। हालांकि, कीमतों में वृद्धि की वास्तविक सीमा अलग-अलग किस्मों, बाजारों और आपूर्ति की परिस्थितियों पर निर्भर करती है।महाराष्ट्र में सूखे, फसल खराब होने और कर्ज के दबाव के बीच किसानों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। दी गई जानकारी के अनुसार, सात दिनों के भीतर चार किसानों की आत्महत्या के मामले सामने आए हैं। ये घटनाएं कृषि संकट और किसानों पर पड़ने वाले आर्थिक दबाव की गंभीरता को सामने लाती हैं। हालांकि, आत्महत्या के मामलों के कारणों का निर्धारण प्रत्येक मामले के तथ्यों के आधार पर ही किया जा सकता है। फसल खराब होने पर किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसके साथ बीज, खाद, सिंचाई और अन्य कृषि कार्यों पर किए गए खर्च की भरपाई करना भी मुश्किल हो सकता है। बारिश की अनिश्चितता और पानी की कमी के



बीच खेती पर निर्भर परिवारों की आर्थिक चुनौतियां और बढ़ जाती हैं।

खेती और पेयजल की जरूरतों के लिए जलाशयों में पर्याप्त पानी होना बेहद जरूरी है। लेकिन उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, देश के 178 प्रमुख जलाशयों में जलस्तर उनकी कुल क्षमता से 31 प्रतिशत कम रह गया है। जल भंडारण में कमी का असर सिंचाई, पेयजल आपूर्ति और अन्य जरूरतों पर पड़ सकता है। जिन क्षेत्रों में भूजल और अन्य जल स्रोतों पर पहले से दबाव है, वहां स्थिति अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

यह दावा कि राज्य सरकारें 2029 तक पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए तैयार हैं, क्या इससे 7 लाख करोड़ रुपये बचेंगे या यह सिर्फ एक 'पॉलिटिकल झुनझुना' है?

नई दिल्ली पिछले कुछ समय से भारतीय डेमोक्रेसी में सबसे ज़्यादा चर्चित और विवादित कॉन्सेप्ट बन चुके 'वन नेशन, वन इलेक्शन' के कॉन्सेप्ट को हकीकत में बदलने के लिए अब केंद्र सरकार और कमेटियां पूरी कोशिश कर रही हैं। देश में दावा किया जा रहा है कि अगर यह मिशन सफल रहा तो साल 2029 तक लोकसभा और सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जा सकेंगे। इतना ही नहीं, यह भी दावा किया जा रहा है कि इस सिस्टम को लागू करने से देश को लगभग 7 लाख करोड़ रुपये की बचत होगी। लेकिन, इन बड़े-बड़े दावों के सामने, पूर्व इलेक्शन कमिश्नरों और विपक्षी नेताओं ने कड़े सवाल उठाए हैं और इस प्रपोज़ल पर बड़े सवालिया निशान लगाए हैं। 7 लाख करोड़ की बचत का दावा: क्या सच में खर्च कम होगा? सरकार और सपोर्टर्स को दी गई रिपोर्ट्स का मानना है कि भारत में हर साल कहीं न कहीं चुनाव होते हैं, जिसकी वजह से मॉडल कोड ऑफ़ कंडक्ट सिक्योरिटी फोर्सेज़ पर भारी खर्च, सरकारी मशीनरी की खराब हालत और अरबों रुपये के ब्लैक मनी का लेन-देन होता है। अगर 2029 तक 'वन नेशन, वन इलेक्शन' लागू हो जाता है, तो एक साथ चुनाव कराने से सरकारी खजाने के लगभग 7 लाख करोड़ रुपये बचेंगे, जिसका इस्तेमाल देश के डेवलपमेंट, एजुकेशन और हेल्थ के लिए किया जा सकता है। सपोर्टर्स का तर्क है कि बार-बार चुनाव होने से देश के डेवलपमेंट के कामों में भी लंबा ब्रेक लगता है, जिसे इस सिस्टम से दूर किया जाएगा। पूर्व इलेक्शन कमिश्नर का पलटवार: 'क्या कोई जादू की छड़ी है?' इन सभी बड़े दावों पर देश के अनुभवी और पुराने इलेक्शन कमिश्नर्स की तरफ से बेहद तीखी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। एक चर्चा के दौरान, पूर्व चुनाव कमिश्नर ने कड़े शब्दों में सवाल उठाते हुए कहा: 'चुनाव करवाना कोई बच्चों का खेल या बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन नहीं है। क्या आपके पास कोई जादू की छड़ी है जिससे आप रातों-रात देश की सभी राज्य सरकारों का टर्म छोटा या बड़ा कर सकें और एक ही तारीख को चुनाव करा सकें? अगर किसी राज्य में अचानक सरकार गिर जाए या प्रेसिडेंट रूल लग जाए, तो क्या आप उस राज्य में अगले पांच साल के लिए चुनाव टाल देंगे या पूरा सिस्टम फिर से गिर जाएगा? '

उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि संवैधानिक नियमों में बड़े बदलाव किए बिना और सभी राजनीतिक पार्टियों को भरोसे में लिए बिना इतनी बड़ी क्रांति लाना नामुमकिन और खतरनाक साबित हो सकता है।

संवैधानिक और प्रैक्टिकल मुश्किलों का पहाड़

इस बड़े प्लान के खिलाफ जमीनी हकीकत में कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं

1. सुरक्षा बलों और श्रद्धूरूकी कमी: एक ही दिन में देश भर में करोड़ों वोटरों के लिए लाखों पोलिंग स्टेशन बनाना और पूरी सुरक्षा देना सुरक्षा एजेंसियों के लिए लोहे के दाने चबाने जैसा है। 2. क्षेत्रीय मुद्दों को दबाना: पॉलिटिकल एनालिस्ट का मानना ??है कि एक साथ चुनाव कराने से नेशनल मुद्दे सामने आएंगे और लोकल या क्षेत्रीय समस्याएं दब जाएंगी, जो फेडरलिज्म के स्ट्रक्चर पर सीधा झटका है। जनता और पॉलिटिक्स में गर्मी: 2029 की लड़ाई अभी से रोमांचक है! एक तरफ सरकार इस बड़े प्रोजेक्ट से निपटने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा रही है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष और कानूनी जानकार इसे डेमोक्रेसी के बेसिक स्ट्रक्चर पर हमला बता रहे हैं। यह तो वक्त ही बताएगा कि क्या भारत 2029 में सच में एक साथ वोट करेगा या यह प्रपोजल सिर्फ कागजों पर ही रहेगा। लेकिन इस मुद्दे ने देश की पॉलिटिक्स में एक बड़ा भूचाल जरूर ला दिया है।

गुजरात के गौरव

खाकी का खौफ, डैशिंग अंदाज और जनसेवा: अहमदाबाद जोन-6 के डीसीपी भागीरथ टी. गढ़वी की दबंग और आक्रामक कार्यशैली

गुजरात के आर्थिक रूप से धमकते और अति व्यस्त महानगर अहमदाबाद में कानून और व्यवस्था की स्थिति को सुदृढ़ बनाए रखना किसी भी उच्च पुलिस अधिकारी के लिए किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। उसमें भी यदि बात पूर्वी अहमदाबाद के अत्यंत संवेदनशील और घनी आबादी वाले जोन-6 की की जाए, तो यहाँ की भौगोलिक परिस्थितियाँ, सामाजिक ताना-बाना और अपराध के तौर-तरीके पूरी तरह अलग और जटिल हैं। ऐसे अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील जोन की कमान जब आईपीएस अधिकारी और साहसी व्यक्तित्व के धनी भागीरथ टी. गढ़वी जैसे निष्ठावान अधिकारी के हाथों में आती है, तब वास्तविक अर्थों में कानून का राज किसे कहते हैं, उसका जीवंत उदाहरण देखने को मिलता है। उनके कार्यभार संभालने के बाद से ही जोन-6 के अपराधियों की नींद हराम हो चुकी है और आम जनता ने चैन की सांस ली है। अपराधियों में कंपकंपी और आम जनता में निर्भयता का अहसास डीसीपी भागीरथ गढ़वी की कार्यशैली खाकी वर्दी की वास्तविक ताकत और न्यायप्रियता का सटीक प्रमाण देती है। अपराधी, कुख्यात तत्व और असामाजिक माफियाओं के लिए उनकी खाकी काल बनकर टूटती है, तो दूसरी तरफ आम नागरिक, छोटे व्यापारी, श्रमिक वर्ग और पशुपालक उनके लिए हमेशा सुलभ



और आश्वस्त करने वाले रहे हैं। पूर्वी अहमदाबाद के कई क्षेत्रों में जहाँ पहले डर का माहौल रहता था, वहीं गढ़वी ने अपनी निरंतर ग्राउंड विजिट (स्थलीय निरीक्षण) और कड़क फैसलों के माध्यम से जनता के मन से पुलिस का भय दूर कर एक मजबूत और सकारात्मक भरोसा पैदा किया है।

जोन-6 में आक्रामक और सटीक कार्रवाई के प्रमुख मोर्चे:

डीसीपी भागीरथ गढ़वी के कुशल मार्गदर्शन में जोन-6 पुलिस ने अपराध पर नकेल कसने के लिए जिन रणनीतियों को अपनाया है, वे अत्यंत सराहनीय रही हैं:

युवा पीढ़ी को बर्बाद करने वाले ड्रग्स और नशे के सौदागरों पर शिकंजा: आज की युवा पीढ़ी को नशे के दलदल में धकेलने वाले ड्रग्स पैडलर्स और सप्लायर्स के खिलाफ जोन-6 पुलिस ने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। कई कुख्यात तस्करों को धर दबोचकर सलाखों के पीछे भेजा गया है, जिससे नशे के इस अवैध नेटवर्क की कमर टूट गई है।

बुलेटेघरों और जुए के अड्डों पर ताबड़तोड़ प्रहार: अवैध गतिविधियों, देशी-विदेशी शराब के अड्डों और जुए के ठिकानों पर पुलिस ने लगातार और अचानक छापे (रेड्स) मारकर लाखों रुपए का माल-सामान जब्त किया है। अवैध धंधे चलाने वालों में अब पुलिस के नाम मात्र से ही खौफ व्याप्त है।

संवेदनशील क्षेत्रों में प्रीवेंटिव (निवारक) पुलिसिंग: त्योहारों, सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील अवसरों, धार्मिक उत्सवों या सार्वजनिक आयोजनों के दौरान कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में रहे, इसके लिए पहले से ही पुख्ता व्यूहरचना तैयार की जाती है। असामाजिक तत्वों, कुख्यात हिस्ट्रीशीटरों और सिरफिरे बदमाशों के खिलाफ पासा तथा तड़ीपार जैसी सख्त कानूनी कार्रवाई कर क्षेत्र में शांति और भाईचारा स्थापित किया गया है। रात्रि कॉम्बिंग और सघन गश्त (पेट्रोलिंग): क्षेत्र में रात के समय असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर लगाम कसने के लिए पुलिस का बेड़ा लगातार सड़कों पर मुस्तैद रहता है। नाइट कॉम्बिंग, सघन वाहन चेकिंग और संवेदनशील हॉटस्पॉट इलाकों पर लगातार नजर रखने के कारण व्यापारी और महिलाएँ अब देर रात को भी पूरी तरह सुरक्षित महसूस करती हैं।

जनसंपर्क, संवाद और मानवीय दृष्टिकोण सिर्फ दफ्तर या एसी केबिन में बैठकर हुक्म जारी करने के बजाय जमीनी स्तर पर उतरकर काम करना डीसीपी भागीरथ गढ़वी की सबसे बड़ी विशेषता है। जोन-6 के विभिन्न इलाकों के स्थानीय गणमान्य नागरिकों, व्यापारी मंडलों, युवाओं और आम जनता के साथ निरंतर बैठकें आयोजित करना, उनकी समस्याएँ रूबरू सुनना और उनका त्वरित समाधान करना उनकी कार्यपद्धति का अहम हिस्सा है। वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा की बात हो या किसी आपात स्थिति से निपटना, उनकी टीम हमेशा जनता की मदद के लिए तत्पर खड़ी रहती है।

'महानगर मेट्रो' की विशेष टिप्पणी

'महानगर मेट्रो' का यह स्पष्ट मानना है कि समाज में कानून का राज और जनसुरक्षा मजबूत बनाए रखने के लिए डीसीपी भागीरथ टी. गढ़वी जैसे डैशिंग, निष्ठावान और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों की बेहद आवश्यकता है। उन्होंने अपनी दूरदृष्टि और अथक मेहनत से जोन-6 की तस्वीर बदलकर रख दी है। उनकी यह सराहनीय और दबंग कार्यशैली न केवल अहमदाबाद पुलिस, बल्कि पूरे गुजरात पुलिस बल के लिए एक अनुकरणीय मिसाल है। तंत्र में जब ऐसे अधिकारी होते हैं, तभी सही मायनों में जनता भयमुक्त जीवन जी सकती है।

रिश्ते अचानक नहीं टूटते... पहले तो भावनाओं का मौन गहराने लगता है

जीवन में रिश्ते एक ही दिन में नहीं टूट जाते। इसकी शुरुआत तो तब होती है, जब बातचीत कम होने लगती है, भावनाएँ व्यक्त होना बंद हो जाती हैं और एक-दूसरे की मौजूदगी के बावजूद मन के बीच दूरियाँ बढ़ने लगती हैं। बाहर से सब कुछ सामान्य दिखाई देता है, लेकिन भीतर ही भीतर रिश्तों की गर्माहट धीरे-धीरे कम होती जाती है।

एक समय था, जब इंसान किसी की आवाज़ सुनने के लिए उत्सुक रहता था। छोटी-सी बात में खुशी मिलती थी, थोड़ी-सी नाराज़गी में भी प्यार छिपा होता था और दिनभर की थकान के बाद किसी एक व्यक्ति से बात करके मन हल्का हो जाता था। आज मोबाइल में अनगिनत संपर्क हैं, सोशल मीडिया पर हजारों दोस्त हैं, फिर भी दिल खोलकर बात की जा सके, ऐसा व्यक्ति ढूँढ़ना मुश्किल हो गया है।

आखिर ऐसा क्यों? शायद हमने रिश्ते निभाने के बजाय रिश्तों से अपेक्षाएँ रखना अधिक सीख लिया है। हम चाहते हैं कि सामने वाला हमें समझे, हमारी भावनाओं की कद्र करे और हमारी मुश्किलों में हमारा साथ दे; लेकिन जब सामने वाले को हमारी जरूरत होती है, तब उसकी बात सुनने के लिए भी हमारे पास समय नहीं होता।

रिश्ते केवल साथ रहने का नाम नहीं हैं। रिश्ते का अर्थ है एक-दूसरे को समझने की कोशिश करना, गलती होने पर माफ करने की उदारता रखना और मुश्किल समय में एक-दूसरे का हाथ थामे रखने का साहस दिखाना।

एक ही छत के नीचे रहने वाले लोगों के बीच भी दूरियाँ पैदा हो सकती हैं। जब एक ही मेज पर भोजन करने वाले परिवार के सदस्य एक-दूसरे की आँखों में देखने के बजाय मोबाइल की स्क्रीन में खो जाते हैं, तो समझ लेना चाहिए कि घर में सुविधाएँ तो बढ़ रही हैं, लेकिन आपसी संवाद की गर्माहट कहीं कम होती जा रही है।

याद रखना चाहिए कि रिश्तों को जीवंत बनाए रखने के लिए महँगे उपहारों की नहीं, बल्कि एक-दूसरे को सच्चा समय देने की जरूरत होती है। कोई दुखी हो, तो उसकी बात शांति से सुनना, किसी से गलती हो जाए, तो उसे समझने का अवसर देना और कोई अपनी भावनाएँ व्यक्त करे, तो उसे उसकी कमजोरी न समझना–ये छोटी-छोटी बातें ही रिश्तों को मजबूत बनाती हैं।

हर रिश्े में मतभेद होते हैं। कभी शब्द कड़वे हो जाते हैं, कभी अहंकार बीच में आ जाता है और कभी गलतफहमियाँ मन में घर कर लेती हैं। लेकिन किसी रिश्ते की असली कसौटी यह नहीं है कि उसमें कभी विवाद हुआ या नहीं; असली कसौटी यह है कि विवाद के बाद भी दोनों व्यक्ति उस रिश्ते को बचाने की इच्छा रखते हैं या नहीं

अक्सर हम किसी रिश्ते के टूट जाने के बाद ही उसकी कीमत समझते हैं। जिस व्यक्ति की मौजूदगी को हम सामान्य मानकर चलते थे, उसकी अनुपस्थिति जीवन में एक बड़ा खालीपन पैदा कर देती है। तब एहसास होता है कि कुछ लोग जीवन में केवल साथ देने के लिए नहीं आते, बल्कि हमारे अस्तित्व का एक खूबसूरत हिस्सा बन जाते हैं। इसीलिए, यदि कोई रिश्ता आपके लिए महत्वपूर्ण है, तो उसे अहंकार की आग में जलने मत दीजिए। एक फोन कर लीजिए, प्यार के दो शब्द बोल लीजिए और मन में पल रही गलतफहमियों को दूर कर लीजिए। हर बार सामने वाला ही पहल करे, ऐसी अपेक्षा रखने के बजाय कभी आप भी पहल कीजिए।

क्योंकि जीवन बहुत छोटा है और समय किसी का इंतजार नहीं करता। आज जो व्यक्ति आपके साथ है, उसकी मौजूदगी को कल के लिए मत टालिए। कभी-कभी एक छोटा-सा संवाद टूटते हुए रिश्ते को बचा सकता है और एक सच्चा शब्द किसी के मन में फिर से विश्वास जगा सकता है।

अंत में बस इतना ही समझना जरूरी है कि रिश्तों की खूबसूरती इस बात में नहीं है कि हम कितने



रूपेश सोलंकी

वर्षों से साथ हैं, बल्कि इस बात में है कि इतने वर्षों बाद भी एक-दूसरे के दिल में हमारे लिए कितनी जगह बाकी है।* क्योंकि रिश्ते शब्दों से नहीं, संवेदनाओं से जीवंत रहते हैं; और जहाँ संवेदनाएँ जीवित होती हैं, वहाँ मौन भी कभी-कभी प्रेम की भाषा बन जाता है।

पीलीभीत में 13,150 मतदाताओं के नाम बदलने का आरोप, कांग्रेस ने चुनाव आयोग से मांगी जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची को लेकर कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी नेताओं का दावा है कि पीलीभीत सदर विधानसभा क्षेत्र में 13,150 मतदाताओं के नाम बदल दिए गए, जबकि उनके मतदाता पहचान पत्र के क्रमांक पहले जैसे ही हैं। कांग्रेस ने इसे गंभीर मामला बताते हुए जांच की मांग की है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और इस मामले में चुनाव आयोग का पक्ष सामने आना बाकी है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि पार्टी मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों का मुद्दा उठा रही है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर भी सवाल उठाए। गौतम के अनुसार, उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद 10 अप्रैल को प्रारूप मतदाता सूची जारी की गई थी। उन्होंने दावा किया कि जुलाई से सितंबर के बीच पीलीभीत सदर विधानसभा क्षेत्र में 13,150 मतदाताओं के नाम बदल दिए गए। कांग्रेस नेताओं के अनुसार, क्षेत्र में 804 मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए, जबकि करीब 2,600 ऐसे मतदाताओं के नाम जोड़े गए, जिनके संबंधित इलाके में रहने पर पार्टी ने सवाल उठाए हैं। गौतम ने राशिद नाम के एक व्यक्ति का उदाहरण देते हुए आशंका जताई कि यदि मतदाता सूची में उसका नाम बदल गया है, तो मतदान के समय उसे परेशानी हो सकती है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अराधना मिश्रा मोना ने भी पीलीभीत के मतदाताओं के नाम बदलने के आरोपों को गंभीर बताते हुए जांच की मांग की। पार्टी नेताओं का कहना है कि मतदाता पहचान पत्र का क्रमांक समान रहने के बावजूद नामों में बदलाव होने से मतदाताओं की पहचान और मतदान के अधिकार को लेकर सवाल खड़े होते हैं। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने दावा किया कि पीलीभीत सदर विधानसभा क्षेत्र में कुल 3,48,937 मतदाता हैं।



दशहरे मेले में फटा गुब्बारे का सिलेंडर, 2 साल की बच्ची समेत 4 घायल- VIDEO

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में मंगलवार रात दशहरा मेले के दौरान गुब्बारों में गैस भरने वाले सिलेंडर में अचानक विस्फोट हो गया। हादसे में 2 साल की बच्ची और उसके पिता समेत 4 लोग घायल हो गए। धमाके के बाद मेले में अफरा-तफरी मच गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें विस्फोट के बाद आसपास धुआं फैलता दिखाई दे रहा है। यह घटना नौबस्ता थाना क्षेत्र के धरीपुरवा स्थित रामलीला मैदान में मंगलवार रात करीब 11:30 बजे हुई। दशहरा मेले में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। इसी दौरान गुब्बारे बेच रहे रामू के पास रखे गैस सिलेंडर में अचानक विस्फोट हो गया। धमाके की चपेट में आने से गुब्बारे खरीद रही 2 साल की बच्ची और उसके पिता समेत 4 लोग घायल हो गए। गुब्बारे बेचने वाला रामू भी घायल हो गया। सिलेंडर फटते ही मौके पर धुएं का गुबार फैल गया। अचानक हुए तेज धमाके से मेले में मौजूद लोग घबरा गए और इधर-उधर भागने लगे। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने तत्काल स्थिति संभाली और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। गुब्बारे बेचने वाले रामू की हालत गंभीर होने पर उसे हैलट अस्पताल रेफर किया गया। अन्य घायलों का भी उपचार कराया गया। मौके पर समय रहते पुलिस के पहुंचने से स्थिति को नियंत्रित करने में मदद मिली। सिलेंडर में विस्फोट की घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में धमाके के बाद आसपास धुआं फैलता दिखाई दे रहा है। विस्फोट के तुरंत बाद मेले में मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी मच जाती है। डीसीपी दीपेंद्र नाथ चौधरी के मुताबिक, नौबस्ता क्षेत्र के दशहरा मेले में गुब्बारे बेचने वाले के सिलेंडर में विस्फोट हुआ था। हादसे में 2 साल की बच्ची समेत 4 लोग घायल हुए हैं। गुब्बारे बेचने वाले को हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।



अलीगढ़ के स्कूल बैग से निकले अवैध हथियार और कारतूस, 2 साल पुराना वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक स्कूल के छात्रों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। वीडियो में 2 छात्र अपने स्कूल बैग से अवैध हथियार और कारतूस निकालकर दिखाते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन ने मामले का संज्ञान लिया और घटना से जुड़ी जानकारी जुटानी शुरू कर दी। हालांकि, पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह वीडियो करीब 2 साल पुरानी घटना का है। उस समय स्कूल प्रशासन ने दोनों छात्रों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें विद्यालय से निष्कासित कर दिया था। यह मामला अलीगढ़ के थाना क्वार्सी क्षेत्र स्थित नेशनल इंटर कॉलेज से जुड़ा है। वायरल वीडियो में छात्र स्कूल बैग से हथियार और कारतूस निकालकर उनका प्रदर्शन करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो अब सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। स्कूल परिसर में इस तरह हथियार दिखाई देने की घटना ने विद्यार्थियों की सुरक्षा और शिक्षण संस्थानों में निगरानी व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाने के लिए कॉलेज प्रशासन से संपर्क किया। डीएसपी सर्वम सिंह ने कॉलेज के प्रधानाचार्य से बातचीत कर घटना के संबंध में जानकारी ली। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि वीडियो हाल का नहीं, बल्कि करीब 2 साल पहले हुई घटना का है। उस समय भी मामला स्कूल प्रशासन के संज्ञान में आया था और दोनों छात्रों को विद्यालय से निष्कासित कर दिया गया था। पुलिस के अनुसार, पुराने वीडियो के दोबारा वायरल होने के बाद घटना से संबंधित तथ्यों को समझने का प्रयास किया जा रहा है। वीडियो में दिखाई दे रहे छात्रों और घटना की परिस्थितियों के संबंध में उपलब्ध जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी देख रही है कि वीडियो किस समय बनाया गया था और इसके प्रसारित होने से जुड़े पहलू क्या हैं। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डीएसपी सर्वम सिंह के अनुसार, कॉलेज के प्रधानाचार्य से मिली जानकारी में बताया गया कि घटना करीब 2 साल पुरानी है। उस समय संबंधित दोनों छात्रों के खिलाफ स्कूल प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए उन्हें निष्कासित कर दिया था। हालांकि, वीडियो के अब दोबारा सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाने की प्रक्रिया शुरू की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले घटना से जुड़े तथ्यों की जांच करना आवश्यक है। स्कूलों को विद्यार्थियों की शिक्षा और सुरक्षित वातावरण से जोड़कर देखा जाता है।



इंदौर में गरबा पंडाल के पास खूनी संघर्षः रास्ता मांगने पर हुआ विवाद, रिटायर्ड फौजी ने सर्विस पिस्टल से मारी गोली, युवक की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में गरबा कार्यक्रम के रास्ते को लेकर शुरू हुआ विवाद गोलीबारी तक पहुंच गया। एमआईजी थाना क्षेत्र की कृष्णबाग कॉलोनी में हुए विवाद के दौरान एक सेवानिवृत्त सैनिक ने अपनी सर्विस पिस्टल से गोली चला दी। गोली लगने से घायल हुए रक्षित नामक युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव और सनसनी का माहौल बन गया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी पूर्व सैनिक नीरज रहाणे और उसके बेटे केशव को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच के दौरान घायल युवक पर हमले के मामले में हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज किया गया था, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत होने के बाद मामले में हत्या की धारा जोड़ दी गई। पुलिस के अनुसार, घटना सोमवार देर रात



कृष्णबाग कॉलोनी में आयोजित गरबा कार्यक्रम के दौरान हुई। आरोपी नीरज रहाणे का बेटा केशव पुणे की एक सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी में काम करता है और नवरात्रि की छुट्टियों में इंदौर आया हुआ था। बताया जा रहा है कि वह गरबा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचा था। इसी दौरान पंडाल के रास्ते में कुछ महिलाएं और युवतियां कुर्सियां डालकर बैठी हुई थीं, जिससे रास्ते से निकलने में परेशानी हो रही थी। केशव ने वहां से गुजरने के लिए रास्ता मांगा और महिलाओं से हटने का अनुरोध किया। इसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते तीखी बहस में बदल गई। पुलिस के मुताबिक, विवाद के बाद केशव नाराज होकर घर लौट गया और उसने अपने पिता नीरज को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। बेटे से विवाद की बात सुनने के बाद नीरज भी गुस्से में आ गया। आरोप है कि वह अपनी पिस्टल लेकर दोबारा कृष्णबाग कॉलोनी पहुंचा, जहां पहले विवाद हुआ था। मौके पर पहुंचने के बाद उसकी वहां मौजूद लोगों से बहस होने लगी। इसी दौरान उसने अपनी पिस्टल से फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि घटनास्थल पर विवाद के दौरान आरोपी ने 2 से 3 राउंड फायर किए। इसी बीच एक गोली वहां मौजूद रक्षित नामक युवक को लग गई। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे तत्काल उपचार के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसका इलाज शुरू किया। हालांकि, गंभीर हालत के चलते मंगलवार को उपचार के दौरान रक्षित की मौत हो गई। युवक की मौत की खबर सामने आने के बाद घटना ने गंभीर रूप ले लिया और क्षेत्र में लोगों के बीच नाराजगी फैल गई। घटना के बाद आरोपी द्वारा पिस्टल लहराने और स्थानीय लोगों को धमकाने का कथित वीडियो भी सोशल मीडिया पर प्रसारित होने लगा। इस वीडियो को लेकर भी इलाके में चर्चा रही। पुलिस वीडियो और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है, ताकि पूरे घटनाक्रम की पुष्टि की जा सके और यह स्पष्ट हो सके कि वारदात के दौरान क्या परिस्थितियां बनी थीं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मुख्य आरोपी नीरज रहाणे करीब 12 साल पहले सेना से सेवानिवृत्त हुआ था। बताया गया है कि वह वर्तमान में एक बैंक में सुरक्षाकर्मी के रूप में काम कर रहा था। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है।

हेल्थ मेडिकल सेंटर के सामने संदिग्ध बक्से में मिले शव से मचा हड़कंप, शरीर पर चोटों के निशान; एसओजी टीम जांच में जुटी,

उन्नाव में हाईवे किनारे बक्से में मिला 25 वर्षीय अज्ञात युवक का शव, हत्या की आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में अचलगंज से उन्नाव जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर मंगलवार रात एक संदिग्ध बक्से में युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। हाईवे किनारे हेल्थ मेडिकल सेंटर के सामने पड़े बक्से की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। बक्से को खोलकर देखा गया तो उसके अंदर करीब 25 वर्षीय अज्ञात युवक का शव मिला। मृतक के शरीर पर चोटों के निशान पाए गए हैं। ऐसे में पुलिस हत्या की आशंका सहित विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, मंगलवार रात करीब 10 बजे हाईवे किनारे एक संदिग्ध बक्सा पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और बक्से की जांच की। बक्से के अंदर युवक के शव के साथ कुछ कपड़े और कंबल भी मिले। शव पर चोटों के निशान दिखाई देने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी। घटना



की जानकारी मिलने पर स्थानीय पुलिस के साथ विशेष अभियान समूह (एसओजी) की टीम भी मौके पर पहुंची। घटनास्थल ललऊ खेड़ा पुलिस चौकी से करीब 300 मीटर की दूरी पर बताया जा रहा है। हाईवे जैसे व्यस्त मार्ग पर संदिग्ध बक्से में शव मिलने की जानकारी फैलते ही इलाके में चर्चा शुरू हो गई। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बक्सा वहां कब और किसके द्वारा रखा गया था। साथ ही, घटनास्थल के आसपास आने-जाने वाले लोगों और वाहनों की गतिविधियों की जानकारी भी जुटाई जा रही है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। पहचान के लिए आसपास के थानों और दूसरे जिलों से गुमशुदा लोगों से संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक कौन था, कहां का रहने वाला था और वह किन परिस्थितियों में इस स्थान तक पहुंचा। पहचान होने के बाद जांच को आगे बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव और क्षेत्राधिकारी सदर विनी सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मौके की परिस्थितियों का जायजा लिया और जांच से जुड़े पहलुओं की जानकारी ली। पुलिस आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि संदिग्ध बक्से को वहां लाने वाले व्यक्ति या वाहन के बारे में कोई सुराग मिल सके। क्षेत्राधिकारी सदर विनी सिंह के अनुसार, पुलिस मामले के सभी पहलुओं पर बारीकी से जांच कर रही है। घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाने के लिए विशेष टीमें लगाई गई हैं।

भोपाल में रॉन्ग साइड को लेकर विवाद, बाइक सवारों पर चाकू से हमला कर फरार हुए 3 आरोपी

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में यातायात नियमों को लेकर शुरू हुआ विवाद चाकूबाजी तक पहुंच गया। मोती मस्जिद चौराहे के पास बैरिकेडिंग के नजदीक गलत दिशा से निकलने को लेकर बाइक सवारों और कुछ युवकों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोप है कि 3 युवकों ने बाइक सवारों पर चाकू से हमला कर दिया। घटना में बाइक सवार घायल हो गए। वारदात के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। दिनदहाड़े यातायात नियमों को लेकर शुरू हुए विवाद के हिंसक रूप लेने की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर तलैया थाना पुलिस ने मौके से जुड़े तथ्यों की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, यह घटना भोपाल के तलैया थाना क्षेत्र में मोती मस्जिद चौराहे के पास हुई। यहां सड़क पर बैरिकेडिंग के नजदीक गलत दिशा से निकलने को लेकर बाइक सवारों और कुछ युवकों के बीच विवाद हुआ था। शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, लेकिन कुछ ही देर में मामला बढ़ गया। आरोप है कि इसी दौरान तीन युवकों ने बाइक सवारों पर चाकू से हमला कर दिया। अचानक हुई इस वारदात से आसपास



मौजूद लोगों में हलचल मच गई। हमले में बाइक सवार घायल हो गए, जबकि आरोपी वारदात के बाद वहां से भाग निकले। बताया जा रहा है कि विवाद की शुरुआत सड़क पर गलत दिशा से निकलने को लेकर हुई थी। हालांकि, मामूली कहासुनी के बाद मामला चाकूबाजी तक कैसे पहुंचा और विवाद के दौरान क्या-क्या हुआ, इसकी विस्तृत जानकारी पुलिस जांच के बाद ही सामने आएगी। फिलहाल पुलिस घटना में शामिल लोगों की पहचान करने और हमले से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल करने में जुटी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद तलैया थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस का मुख्य प्रयास अब तीनों आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करना है। इसके लिए घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वारदात के समय मौके पर कौन-कौन मौजूद था और हमला करने के बाद आरोपी किस दिशा में भागे। सीसीटीवी फुटेज की मदद से घटना के घटनाक्रम को समझने के साथ-साथ संदिग्धों की गतिविधियों की जानकारी भी जुटाई जा रही है। पुलिस आसपास के मार्गों पर लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच कर रही है, ताकि आरोपियों के आने-जाने के रास्ते और उनकी पहचान से जुड़े सुराग मिल सकें। इसके अलावा, मामले में उपलब्ध अन्य साक्ष्यों के आधार पर भी जांच आगे बढ़ाई जा रही है। तलैया थाना पुलिस के सामने फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती फरार आरोपियों तक पहुंचना है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि विवाद के समय दोनों पक्षों के बीच क्या बातचीत हुई थी और हमला किन परिस्थितियों में किया गया। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद घटना से जुड़ी परिस्थितियों और विवाद की वास्तविक वजह के बारे में अधिक जानकारी मिलने की उम्मीद है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि मोती मस्जिद के पास बैरिकेडिंग के नजदीक गलत दिशा से निकलने को लेकर बाइक सवारों के बीच विवाद हुआ था।

खरगोन में बीजेपी नेता साहेबराम चौहान की हत्या, बदमाशों ने चाकू गोदकर उतारा मौत के घाट

24 घंटे के भीतर दोनों आरोपी गिरफ्तार, थाने का घेराव कर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में भाजपा नेता साहेबराम चौहान की हत्या के बाद इलाके में तनाव और आक्रोश का माहौल बन गया। भीकनगांव थाना क्षेत्र के रामपुरा गांव में भाजपा सेवरी धाम मंडल के सोशल मीडिया प्रभारी साहेबराम चौहान की चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद परिजनों, ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं में नाराजगी फैल गई। गुस्साए लोगों ने भीकनगांव थाने का घेराव कर प्रदर्शन किया और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, हत्या के पीछे पारिवारिक विवाद और पुरानी रंजिश सामने आई है। पुलिस जांच के मुताबिक, मुख्य आरोपी सुभाष नायक का अपने पिता के साथ जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। बताया गया कि सुभाष अक्सर गांव आकर अपने पिता से झगड़ा करता था। कुछ समय



पहले साहेबराम चौहान ने उसे पिता के साथ विवाद नहीं करने और आपसी मामला शांतिपूर्वक सुलझाने की समझाइश दी थी। इसके बाद सुभाष के पिता ने उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज करवाया था। आरोपी इस कार्रवाई के लिए साहेबराम को जिम्मेदार मानता था और तभी से उनसे नाराज चल रहा था। पुलिस के अनुसार, इसी रंजिश के चलते उसने अपने साथी के साथ मिलकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, 19 अक्टूबर को मुख्य आरोपी सुभाष अपने साथी महेश उर्फ मोहन नायक के साथ इंदौर से रामपुरा गांव पहुंचा। दोनों ने साहेबराम चौहान को बातचीत करने के बहाने घर से बुलाया और मोटरसाइकिल पर बैठाकर मुख्य सड़क से बोरूठ रोड की ओर ले गए। वहां पहले की बातों को लेकर विवाद फिर बढ़ गया। आरोप है कि इसी दौरान दोनों ने साहेबराम पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर चोटों के कारण उनकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी शव को मोटरसाइकिल पर ले गए और सनावद-भीकनगांव मुख्य मार्ग पर रामपुरा में एक दुकान के सामने छोड़कर फरार हो गए। घटना की जानकारी सामने आने के बाद गांव में सनसनी फैल गई। साहेबराम की हत्या की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। इसके बाद मामले को लेकर लोगों में आक्रोश बढ़ने लगा और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग उठने लगी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अलग-अलग पुलिस टीमें गठित की गईं।

विदिशा का अनोखा दशहरा, रावण की सेना राम दल पर करती है पत्थरों की बरसात; एक को भी नहीं आती खरोंच

महानगर मेट्रो ब्यूर

विदिशा। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में दशहरा मनाने की एक अनोखी परंपरा है, जो देश के अन्य हिस्सों से बिल्कुल अलग है। जहां अधिकांश स्थानों पर दशहरे के दिन रावण के पुतले का दहन किया जाता है, वहीं लटेरी तहसील के कालादेव गांव में रावण का दहन नहीं होता। यहां राम और रावण की सेना के बीच पत्थरों से प्रतीकात्मक युद्ध होता है। इस अनूठे आयोजन को देखने के लिए आसपास के गांवों के साथ दूर-दराज के क्षेत्रों से भी लोग पहुंचते हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान रावण की सेना राम दल पर पत्थर बरसाती है, लेकिन किसी को चोट नहीं लगती। यही विशेषता इस परंपरा को चर्चा का विषय बनाती है। कालादेव गांव में दशहरे के अवसर पर रावण की विशाल स्थायी प्रतिमा के सामने राम और रावण की सेनाओं के बीच प्रतीकात्मक युद्ध आयोजित किया जाता है। इस आयोजन में रावण की सेना की भूमिका निभाने वाले लोग गोफन की मदद से राम दल की ओर पत्थर फेंकते हैं। गोफन पत्थर फेंकने का एक पारंपरिक साधन है। जैसे ही राम दल के लोग मैदान में लगे विजय ध्वज को छूने के लिए आगे बढ़ते हैं, दूसरी ओर से पत्थर फेंकने शुरू हो जाते हैं। इस परंपरा में विजय ध्वज को छूना राम दल की जीत का प्रतीक माना जाता है। आयोजन के दौरान दोनों पक्षों की भूमिका पहले से तय रहती है और पूरा कार्यक्रम स्थानीय परंपरा के अनुसार संपन्न होता है। ग्रामीणों के लिए यह केवल दशहरा उत्सव नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। स्थानीय लोगों और परंपरा के जानकारों के अनुसार, रावण की सेना का प्रतिनिधित्व आसपास के आदिवासी और बंजारा समाज के लोग करते हैं। इन्हें गोफन चलाने में कुशल माना जाता है। आयोजन से पहले रावण की प्रतिमा के पास पत्थर एकत्र किए जाते हैं। इसके बाद प्रतीकात्मक युद्ध की प्रक्रिया शुरू होती है और राम दल विजय ध्वज की ओर बढ़ता है। स्थानीय मान्यताओं में इस आयोजन से जुड़ी सबसे खास बात यह बताई जाती है कि पत्थरों की बौछार के बावजूद राम दल के किसी व्यक्ति को चोट नहीं लगती। ग्रामीण इसे अपनी पुरानी परंपरा और आस्था से जोड़कर देखते हैं।



ISBT पर डीआरआई ने दबोच लिया, सलवार सूट में मिली 7.32 करोड़ की ड्रग्स

महानगर मेट्रो ब्यूर

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में राजस्व खुफिया निदेशालय ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दिल्ली से बस में आए एक यात्री को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को अंतरराज्यीय बस टर्मिनल पर की गई कार्रवाई के दौरान यात्री के दो ट्रॉली बैग से 9.139 किलोग्राम क्रिस्टल मेथामफेटामाइन बरामद की गई। जब्त नशीले पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कीमत करीब 7.32 करोड़ रुपये आंकी गई है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने नशीले पदार्थ को सलवार-सूट के पैकेटों में छिपा रखा था। बरामदगी के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। राजस्व खुफिया निदेशालय के अधिकारियों के मुताबिक, टीम को दिल्ली से भोपाल लाई जा रही नशीले पदार्थों की खेप के संबंध में खुफिया जानकारी मिली थी। सूचना के आधार पर अधिकारियों ने मंगलवार तड़के भोपाल के अंतरराज्यीय बस टर्मिनल पर निगरानी शुरू की। दिल्ली से आने वाली बस के टर्मिनल पर पहुंचते ही टीम ने संदिग्ध यात्री को रोक लिया। इसके बाद उसके सामान की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान यात्री के पास मौजूद दो मध्यम आकार के ट्रॉली बैग अधिकारियों के संदेह के दायरे में आए। अधिकारियों ने दोनों ट्रॉली बैग की बारीकी से तलाशी ली तो उनमें सलवार-सूट के पैकेटों के भीतर छिपाकर रखे गए नशीले पदार्थ के 11 प्लास्टिक पैकेट मिले। प्रारंभिक जांच में पदार्थ क्रिस्टल मेथामफेटामाइन पाया गया। मौके पर उपलब्ध जांच किट से परीक्षण करने पर भी नशीले पदार्थ होने की पुष्टि होने की जानकारी दी गई। इसके बाद अधिकारियों ने पूरी खेप जब्त कर ली। जांच के दौरान बरामद पदार्थ का कुल वजन 9.139 किलोग्राम बताया गया है। इसकी अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में अनुमानित कीमत करीब 7.32 करोड़ रुपये आंकी गई है। कपड़ों के पैकेटों में नशीला पदार्थ छिपाकर ले जाने का तरीका सामने आने के बाद अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आगे की जांच शुरू कर दी है।ष आरोपी की गिरफ्तारी के बाद राजस्व खुफिया निदेशालय की टीम उससे पूछताछ कर रही है। जांच का प्रमुख उद्देश्य यह पता लगाना है कि नशीले पदार्थ की खेप दिल्ली में कहां से प्राप्त की गई थी, इसे भोपाल में किसे सौंपा जाना था और इसके पीछे तस्करी का कौन-सा नेटवर्क सक्रिय है। अधिकारियों को आशंका है कि खेप की आपूर्ति और वितरण से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी हो सकती है। हालांकि, इस संबंध में पूरी जानकारी जांच आगे बढ़ने के बाद ही स्पष्ट होगी। जांच एजेंसी आरोपी के यात्रा मार्ग, सामान और खेप से जुड़े संपर्कों की जानकारी जुटाने में लगी है। यदि पूछताछ में अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आती है, तो उनके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल जब्त नशीले पदार्थ और आरोपी से संबंधित साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। यह कार्रवाई अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के प्रयासों के तहत की गई है। केंद्र सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाना है।



mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (गुरुवार)
22 अक्टूबर 2026

पार्क में बैठे युवक पर चाकुओं से हमला, दिल्ली के सीलमपुर में खौफनाक वारदात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में पुलिस थाने के ठीक सामने स्थित सेंट्रल पार्क में 21 वर्षीय युवक पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पार्क में बैठे सुभान पर कई बार चाकू से वार किए गए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में हलचल मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को उपचार के लिए जग प्रवेश चंद्र अस्पताल पहुंचाया गया। वहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हमले के पीछे की वजह का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, घटना सीलमपुर पुलिस थाने के सामने स्थित सेंट्रल पार्क की है। यहां 21 वर्षीय सुभान पर अचानक चाकू से हमला कर दिया गया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को अस्पताल भिजवाया गया। चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार किया जा रहा है। घटना को लेकर एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि इलाके में बच्चों और युवकों के बीच आपसी विवाद को लेकर अक्सर झगड़े होते रहते हैं। उसके अनुसार, सुभान पर भी आपसी लड़ाई के चलते हमला किए जाने की आशंका है। हालांकि, हमले की वास्तविक वजह की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। वारदात की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। मामले की जांच के लिए अपराध जांच दल और विधि-विज्ञान प्रयोगशाला की टीम को बुलाया गया। दोनों टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई की। पुलिस का प्रयास है कि घटनास्थल से मिले सुरागों के आधार पर हमले में शामिल लोगों की पहचान की जा सके। जांच दल घटनास्थल की परिस्थितियों और उपलब्ध साक्ष्यों का अध्ययन कर रहा है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि घटना के समय पार्क में कौन-कौन मौजूद था और हमले से पहले युवक का किसी के साथ विवाद हुआ था या नहीं। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है। इसके जरिए हमलावरों की पहचान करने और वारदात से पहले तथा बाद की गतिविधियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी किस रास्ते से घटनास्थल पर पहुंचे और वारदात के बाद किस दिशा में गए।



दिल्ली में बेटे को बचाने पहुंची मां की चाकूबाजी में मौत, झगड़े के दौरान हुआ हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के नजफगढ़ इलाके में दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। पुराने रोशनपुरा इलाके में बेटे को बचाने के लिए बीच-बचाव करने पहुंची मां की चाकू लगने से मौत हो गई। घटना 15 अक्टूबर की रात की है, जब सतीश लांबा और ध्रुव ऋषि के बीच विवाद के बाद हाथापाई हो गई थी। इसी दौरान ध्रुव के माता-पिता भी मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि झगड़े के बीच चाकू से हमला किए जाने पर ध्रुव की मां सीमा ऋषि गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 17 अक्टूबर को उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में सतीश लांबा को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, झड़प के दौरान सतीश पर हमला करने के आरोप में ध्रुव और उसके 2 दोस्तों के खिलाफ भी अलग से मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, 15 अक्टूबर की रात करीब 11:15 बजे पुराने रोशनपुरा इलाके में रहने वाले सतीश लांबा और ध्रुव ऋषि के बीच विवाद हुआ था। बताया गया कि सतीश एक चौक पर खड़ा था, तभी ध्रुव अपने दोस्तों अफजल और देव बक्शी के साथ मोटरसाइकिल से वहां पहुंचा। आरोप है कि ध्रुव ने सतीश के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद दोनों के बीच कहासुनी बढ़ गई और मामला हाथापाई तक पहुंच गया। पुलिस में दर्ज जानकारी के मुताबिक, झगड़े के दौरान ध्रुव ने सतीश की बाईं जांघ पर चाकू से वार कर दिया। स्थिति बिगड़ने पर ध्रुव के एक दोस्त ने उसके माता-पिता कमल ऋषि और सीमा ऋषि को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद दोनों घटनास्थल पर पहुंचे। उनका घर मौके से करीब 50 मीटर की दूरी पर बताया गया है। जब वे वहां पहुंचे, तब तक सतीश ने ध्रुव से चाकू छीन लिया था। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच फिर हाथापाई हुई। आरोप है कि इसी दौरान सतीश ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे ध्रुव के माता-पिता घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल सीमा ऋषि को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन 17 अक्टूबर को उन्होंने दम तोड़ दिया। मां की मौत के बाद मामला और गंभीर हो गया तथा पुलिस ने हत्या से संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई आगे बढ़ाई।



दिल्ली-एनसीआर में वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, 2 आरोपी गिरफ्तार; 5 कारें बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली और एनसीआर में महंगी गाड़ियां चुराने वाले गिरोह के खिलाफ सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की एएटीएस टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की 5 कारें बरामद की हैं। इनमें 4 क्रेटा और 1 स्विफ्ट डिजायर शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शमशेर और रिंकू के रूप में हुई है। दोनों को पंजाब के अमृतसर क्षेत्र से पकड़ा गया। डीसीपी रोहित राजवीर सिंह के अनुसार, गिरोह दिल्ली-एनसीआर से महंगी गाड़ियां चोरी करने के बाद उन पर फर्जी नंबर प्लेट लगाता था और फिर उन्हें पंजाब ले जाकर ठिकाने लगाता था। मामले की शुरुआत राजेंद्र नगर इलाके से क्रेटा कार चोरी होने की शिकायत मिलने के बाद हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आगे की कार्रवाई की जिम्मेदारी एएटीएस टीम को सौंपी। एसीपी पदम सिंह राणा की देखरेख में एएटीएस प्रभारी संदीप डबास के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी निगरानी और सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों का पता लगाने का प्रयास किया। जांच के दौरान पुलिस टीम पंजाब पहुंची और अमृतसर क्षेत्र में कार्रवाई की। यहां से शमशेर को बेगमपुर इलाके से चोरी की गई क्रेटा कार के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के आधार पर उसके सहयोगी रिंकू को भी गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र से चोरी हुई क्रेटा कार बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे आधी रात के समय दिल्ली और एनसीआर के अलग-अलग इलाकों से गाड़ियां चुराते थे। इसके बाद वाहनों पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर उन्हें पंजाब ले जाते और अपने संपर्कों के जरिए ठिकाने लगाते थे। पुलिस ने आगे की जांच के दौरान अन्य वाहन भी बरामद किए। बरामद कारें दिल्ली के राजेंद्र नगर, बेगमपुर, जनकपुरी, राजौरी गार्डन और नेताजी सुभाष प्लेस क्षेत्रों से चोरी की गई थीं। पुलिस अब गिरोह के अन्य संभावित सदस्यों और चोरी की गाड़ियों को ठिकाने लगाने में मदद करने वाले संपर्कों के संबंध में जांच कर रही है।



18 महीने की मासूम को छठी मंजिल से धकेलने का आरोप, मुंबई में 10 साल की पड़ोसी बच्ची के खिलाफ हत्या की FIR दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के गोरेगांव इलाके में 18 महीने की मासूम बच्ची की मौत का मामला सामने आने के बाद सनसनी फैल गई है। डिंडोशी पुलिस ने इस मामले में मृत बच्ची की 10 साल की पड़ोसी बच्ची के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। बच्ची की मां की शिकायत के आधार पर घटना के चार दिन बाद रविवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। मां ने आरोप लगाया है कि पड़ोस में रहने वाली बच्ची उनकी बेटी को इशारा करके अपने पास बुलाकर ले गई और इसके बाद उसे छठी मंजिल से सीढ़ियों की ओर धकेल दिया। मां ने अपने आरोपों के समर्थन में इमारत में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का हवाला दिया है। हालांकि, घटना की वास्तविक परिस्थितियों का पता पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। यह दर्दनाक घटना 14 अक्टूबर को गोरेगांव स्थित एक इमारत में हुई थी। जानकारी के अनुसार, 18 महीने की बच्ची छठी मंजिल पर अपने घर के बाहर गलियारे में एक बिल्ली के साथ खेल रही थी।



परिवार को उस समय अंदाजा भी नहीं था कि कुछ ही देर बाद बच्ची के साथ ऐसा हादसा हो जाएगा। कुछ समय बाद जब मां को बच्ची गलियारे में दिखाई नहीं दी तो उन्होंने आसपास तलाश शुरू की। बच्ची का पता लगाने के लिए मां ने अपने 12 वर्षीय बेटे को भी भेजा। घर और आसपास तलाश करने के दौरान बेटे की नजर सीढ़ियों के नीचे पड़ी अपनी छोटी बहन पर गई। बच्ची को इस हालत में देखकर वह घबरा गया और परिवार को इसकी जानकारी दी। इसके बाद इमारत में रहने वाले लोग तुरंत बच्ची को लेकर एक सरकारी अस्पताल पहुंचे। परिजनों को उम्मीद थी कि चिकित्सक मासूम की जान बचा लेंगे, लेकिन अस्पताल में जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महज 18 महीने की बच्ची की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घटना के बाद परिवार ने पूरे मामले की जांच की मांग की और पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए इमारत में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सहित अन्य तथ्यों की जांच शुरू की। मृत बच्ची की मां ने पुलिस को दिए बयान में दावा किया कि इमारत में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में 10 साल की पड़ोसी बच्ची उनकी बेटी को इशारा करके लिफ्ट की तरफ बुलाती दिखाई दी। मां का आरोप है कि इसके बाद पड़ोसी बच्ची ने उनकी बेटी को उठाया और सीढ़ियों से नीचे धकेल दिया। शिकायत के मुताबिक, घटना के बाद वह वहां से चली गई। मां ने पुलिस के सामने इन परिस्थितियों का जिक्र करते हुए मामले में कार्रवाई की मांग की। इसके बाद डिंडोशी पुलिस ने उनकी शिकायत के आधार पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज की। हालांकि, इस मामले में सामने आए आरोपों को जांच के निष्कर्ष के रूप में नहीं देखा जा सकता। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर घटना की परिस्थितियों की पुष्टि करनी होगी। बच्ची की मौत किन हालात में हुई और शिकायत में लगाए गए आरोपों की वास्तविकता क्या है, इन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मामले में एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि आरोपित बताई जा रही बच्ची की उम्र महज 10 साल है। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने उसे किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश किया था। बोर्ड ने बच्ची की काउंसलिंग कराने के निर्देश दिए और इसके लिए एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) को जिम्मेदारी सौंपी। इसके बाद बच्ची को उसके माता-पिता की देखरेख में छोड़ दिया गया। कम उम्र के बच्चों से जुड़े ऐसे मामलों में किशोर न्याय से संबंधित निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जाती है। इस मामले में भी आगे की कार्रवाई संबंधित प्रक्रिया और जांच के निष्कर्षों के आधार पर होगी। सूत्रों के मुताबिक, घटना के बाद आरोपी बताई जा रही बच्ची का परिवार हाउसिंग सोसाइटी छोड़कर अपने रिश्तेदारों के यहां रहने चला गया है।

काली घटा स्वीट्स, भीखाराम चांदमल और अमन मिठाईवाला की निर्माण इकाइयों में मिलीं कमियां

फेस्टिव सीजन में मिठाई की दुकानों में मिलीं कई गड़बड़ियां, जांच के लिए भेजे गए सैंपल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। त्योहारों के सीजन में मिठाइयों की बढ़ती मांग के बीच दिल्ली सरकार के खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिठाई बनाने वाली इकाइयों और दुकानों के खिलाफ जांच अभियान चलाया। इस दौरान कई प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई, खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण, कर्मचारियों की कार्यशैली और पैकेजिंग से जुड़े नियमों में कमियां सामने आईं। कुछ स्थानों पर भंडारण क्षेत्र में कीट पाए गए, जबकि कहीं कर्मचारी बिना दस्तानों के खाद्य पदार्थों को संभालते मिले। विभाग ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से खोया, रसभरी, बर्फी और मिल्क केक सहित कई खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे हैं। अब प्रयोगशाला से रिपोर्ट आने के बाद संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। त्योहारी दिनों में मिठाइयों की मांग बढ़ने के साथ उनकी गुणवत्ता और शुद्धता को लेकर भी लोगों की चिंता बढ़ जाती है। ऐसे में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों ने मिठाई निर्माताओं और विक्रेताओं के यहां पहुंचकर खाद्य पदार्थों को



तैयार करने, रखने और पैक करने की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। जांच के दौरान यह देखा गया कि निर्माण इकाइयों में सफाई की व्यवस्था कैसी है, कच्चे माल और तैयार मिठाइयों को किस तरह रखा जा रहा है तथा कर्मचारी खाद्य पदार्थों को संभालते समय निर्धारित स्वच्छता नियमों का पालन कर रहे हैं या नहीं। निरीक्षण में मिली कमियों को खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन से जुड़ा गंभीर विषय माना जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि त्योहारों की खुशियों के बीच लोगों की सेहत से किसी तरह का समझौता नहीं होने दिया जाएगा। खाद्य कारोबार से जुड़े सभी प्रतिष्ठानों को स्वच्छता, सुरक्षित भंडारण और खाद्य पदार्थों को संभालने के निर्धारित मानकों का पालन करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना आवश्यक है। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से चलाए जा रहे अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि त्योहारों के दौरान बाजार में बिकने वाली मिठाइयां निर्धारित मानकों के अनुरूप हों। हस्तसाल के विद्या बिहार औद्योगिक क्षेत्र स्थित काली घटा स्वीट्स की निर्माण इकाई में निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई की व्यवस्था असंतोषजनक मिली। खाद्य पदार्थों को तैयार करने और पैक करने से जुड़ी व्यवस्थाओं में भी कमियां सामने आईं। त्योहारों के समय बड़ी मात्रा में मिठाइयों का उत्पादन और बिक्री होने के कारण निर्माण इकाइयों में स्वच्छता बनाए रखना महत्वपूर्ण है। विभाग की टीम ने यहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर खाद्य सुरक्षा से संबंधित पहलुओं की जांच की। इसी तरह, चांदनी चौक स्थित भीखाराम चांदमल प्राइवेट लिमिटेड में भी स्वच्छता संबंधी कमियां पाई गईं। जांच के दौरान विभाग ने यहां से खोया और रसभरी के नमूने लिए।

साकीनाका के स्क्रैप गोदाम में 6 घंटे से अधिक समय तक धधकती रही आग, 60 से 70 व्यावसायिक इकाइयां

मुंबई में दशहरे की रौनक के बीच भीषण अग्निकांड, गोदाम से मिले 2 शव; 4 लोग झुलसे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। दशहरे के त्योहार के बीच मुंबई के अंधेरी इलाके के साकीनाका में मंगलवार शाम भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। खैरानी रोड स्थित अब्दुल राशिद कंपाउंड के एक स्क्रैप गोदाम में लगी आग ने देखते ही देखते आसपास के क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भीषण थी कि इसे बुझाने के लिए दमकल विभाग की टीमों को कई घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। आग पर काबू पाने के बाद घटनास्थल से 2 शव बरामद हुए, जबकि 4 लोग झुलस गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 6:18 बजे साकीनाका के अब्दुल राशिद कंपाउंड स्थित स्क्रैप गोदाम में आग लगी। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई टीमें मौके पर पहुंचीं और बचाव एवं आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग तेजी से फैलने के कारण



आसपास की व्यावसायिक इकाइयों और चॉल तक लपटें पहुंच गईं। घटनास्थल पर मौजूद ज्वलनशील सामान के कारण आग बुझाने में परेशानी हुई। दमकलकर्मियों ने लगातार प्रयास करते हुए बुधवार रात करीब 12:30 बजे आग पर काबू पाया। इस तरह आग बुझाने की कार्रवाई में 6 घंटे से अधिक समय लगा। आग शांत होने के बाद जब घटनास्थल की जांच की गई तो वहां से 2 शव बरामद हुए। बताया गया कि गोदाम में एयरोसोल के खाली कंटेनर भी मौजूद थे। आग की तीव्रता के कारण दोनों शवों की पहचान नहीं हो सकी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए राजावाड़ी अस्पताल भेजा गया है। पुलिस मृतकों की पहचान करने के साथ ही हादसे से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। इस अग्निकांड में 4 अन्य लोग भी झुलस गए। इनमें करीब 20 वर्ष की उम्र के 2 युवक शामिल हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, घायलों के शरीर के 10 से 80 प्रतिशत तक झुलसने की बात सामने आई है। सभी घायलों को राजावाड़ी अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। हादसे के बाद प्रभावित क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और दमकल विभाग की टीमों ने आग को आसपास के हिस्सों में फैलने से रोकने के लिए प्रयास किए। दमकल विभाग के अनुसार, आग करीब 4,000 वर्गफुट क्षेत्र में फैल गई थी। इसकी चपेट में लगभग 60 से 70 व्यावसायिक इकाइयां और चॉल भी आ गईं। आग से बिजली की तारों, कपड़ों के भंडार, प्लास्टिक के दानों, स्क्रैप सामग्री, लकड़ी के फर्नीचर, एयरोसोल के खाली कंटेनरों, एलपीजी सिलेंडरों और मशीनरी को नुकसान पहुंचा।

एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री बनने की राह में जो आएगा, उसे हटा देंगे... गुलाबराव पाटिल के बयान पर संजय राउत ने फडणवीस को घेरा

दशहरा रैली में मंत्री के बयान से महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में दशहरे के मौके पर आयोजित शिवसेना की रैलियों के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की दशहरा रैली में राज्य के मंत्री गुलाबराव पाटिल ने दावा किया कि एकनाथ शिंदे फिर से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनेंगे। उन्होंने यहां तक कहा कि शिंदे के मुख्यमंत्री बनने के रास्ते में जो भी बाधा बनेगा, उसे हटा दिया जाएगा। उनके इस बयान पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने तीखी प्रतिक्रिया दी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की चुप्पी पर सवाल उठाए। दशहरे के अवसर पर एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने अलग-अलग रैलियां आयोजित कीं। इन रैलियों में दोनों गुटों ने अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने की कोशिश की। इसी दौरान जलगांव में आयोजित रैली में मंत्री गुलाबराव पाटिल के बयान ने महाराष्ट्र की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी। पाटिल ने अपने भाषण में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व की तारीफ करते हुए उनके दोबारा



मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जताई और कहा कि उन्हें इस पद पर पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता। जलगांव में आयोजित दशहरा रैली को संबोधित करते हुए गुलाबराव पाटिल ने कहा कि उन्होंने माता जगदंबा के चरणों में प्रार्थना की है कि आने वाले दिनों में एकनाथ शिंदे फिर से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनें। उन्होंने कहा कि शिंदे मुख्यमंत्री बनकर किसानों के जीवन में खुशहाली लाएंगे। पाटिल ने शिंदे के नेतृत्व, जनकल्याणकारी योजनाओं और राजनीतिक रणनीति की भी प्रशंसा की। अपने भाषण के दौरान पाटिल ने कहा कि अगली बार जब वह यहां बोलेंगे, तब एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री होंगे। उन्होंने दावा किया कि शिंदे को कोई नहीं रोक सकता। साथ ही, उन्होंने कहा कि उनके मुख्यमंत्री बनने के रास्ते में जो भी रोड़ा बनेगा, उसे हटा दिया जाएगा। उनके इस बयान को महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद को लेकर जारी राजनीतिक चर्चाओं से जोड़कर देखा जा रहा है। गुलाबराव पाटिल के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को निशाने पर लिया। राउत ने कहा कि शिंदे को मुख्यमंत्री बनाने की राह में आने वाले व्यक्ति को हटाने की बात धमकी जैसी है। उन्होंने सवाल उठाया कि राज्य सरकार के एक मंत्री इस तरह का बयान दे रहे हैं, तो मुख्यमंत्री और गृह विभाग की ओर से क्या प्रतिक्रिया दी जा रही है। राउत ने आरोप लगाया कि इस तरह की भाषा का इस्तेमाल गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का उल्लेख करते हुए सवाल किया कि क्या महाराष्ट्र सरकार ऐसे बयानों को गंभीरता से ले रही है। उन्होंने देवेंद्र फडणवीस से पूछा कि उनके मंत्रिमंडल और राज्य में आखिर क्या चल रहा है संजय राउत ने अपने बयान में देवेंद्र फडणवीस की गृह मंत्री के रूप में भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि यदि मंत्री गुलाबराव पाटिल के बयान को धमकी के रूप में देखा जा रहा है, तो इस पर सरकार क्या कदम उठाएगी।

महाराष्ट्र के इस इलाके में रावण की बजाय शूर्पनखा दहन, महिलाओं की असुरी शक्तियों के खिलाफ आंदोलन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

संभाजीनगर। विजयदशमी के अवसर पर जहां देशभर में बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में रावण दहन किया गया, वहीं महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले के वालुज में एक अलग ही नजारा देखने को मिला। यहां पत्नी पीड़ित पुरुष आश्रम की ओर से रावण की जगह शूर्पणखा के पुतले का दहन कर अनोखा आंदोलन किया गया। संगठन ने इस प्रतीकात्मक प्रदर्शन के जरिए पुरुष आयोग की स्थापना की मांग उठाई और पुरुषों के साथ कथित अन्याय का मुद्दा सरकार तक पहुंचाने की कोशिश की। संगठन का कहना है कि महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों के लिए जिस तरह अलग-अलग संस्थागत व्यवस्थाएं मौजूद हैं, उसी तरह पुरुषों की शिकायतों को सुनने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए भी स्वतंत्र आयोग बनाया जाना चाहिए। वालुज में आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान संगठन ने पुरुषों के अधिकारों, पारिवारिक विवादों और कानूनी प्रक्रिया में पुरुषों की समस्याओं को लेकर अपनी बात रखी। पत्नी पीड़ित पुरुष आश्रम का दावा है कि कई पुरुष वैवाहिक विवादों के दौरान मानसिक, सामाजिक और कानूनी परेशानियों का सामना करते हैं। संगठन के मुताबिक, ऐसे मामलों में पुरुषों का पक्ष भी निष्पक्ष तरीके से सुना जाना चाहिए, ताकि किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय न हो। इसी मांग को प्रमुखता से उठाने के लिए विजयदशमी के दिन शूर्पणखा दहन को आंदोलन का प्रतीक बनाया गया। छत्रपति संभाजीनगर के वालुज में स्थित पत्नी पीड़ित पुरुष आश्रम पिछले करीब 10 वर्षों से पुरुषों के अधिकारों और उनकी समस्याओं को लेकर काम कर रहा है। आश्रम के अध्यक्ष भारत फुलारे के अनुसार, संगठन पिछले एक दशक से विजयदशमी के अवसर पर शूर्पणखा दहन के माध्यम से अपनी मांगों को सामने रखता आ रहा है। उनका कहना है कि दशहरे पर रावण दहन को बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इसी तरह संगठन महिलाओं में मौजूद कथित बुरी प्रवृत्तियों और पुरुषों के साथ होने वाले अन्याय के विरोध को प्रतीकात्मक रूप से सामने लाने के लिए शूर्पणखा दहन करता है। भारत फुलारे का कहना है कि संगठन का उद्देश्य पुरुषों की समस्याओं को सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा बनाना और सरकार का ध्यान उनकी शिकायतों की ओर आकर्षित करना है।



15 दिन में कार्रवाई के आश्वासन का दावा, पुलिस शिकायत और आधिकारिक बयान का इंतजार



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर स्थित वाठोडा के सिम्बायोसिस लॉ यूनिवर्सिटी में एक प्रोफेसर पर छात्रा को कथित तौर पर अश्लील और आपत्तिजनक संदेश भेजने का मामला सामने आया है। छात्रा के परिजनों का आरोप है कि संदेशों में अश्लील बातों के साथ धार्मिक रीति-रिवाजों को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई थीं। मामला सामने आने के बाद कॉलेज परिसर में विरोध शुरू हो गया। विश्व हिंदू परिषद (VHP) और अन्य संगठनों ने संबंधित प्रोफेसर के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कॉलेज प्रशासन से शिक्षक को निलंबित करने और मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के अनुसार, अब तक पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज होने की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस की ओर से भी इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। जानकारी के मुताबिक, मामले की जानकारी मिलने के बाद छात्रा के पिता बुधवार को कॉलेज परिसर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने संबंधित प्रोफेसर से छात्रा को कथित तौर पर भेजे गए आपत्तिजनक संदेशों के बारे में जवाब मांगा। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद होने की बात सामने आई है। घटनाक्रम को लेकर यह भी दावा किया गया कि छात्रा के पिता ने प्रोफेसर को थप्पड़ मार दिया था। हालांकि, इस घटनाक्रम की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। छात्रा के परिजनों का आरोप है कि प्रोफेसर की ओर से भेजे गए संदेशों में अश्लील सामग्री के साथ धार्मिक रीति-रिवाजों को लेकर भी आपत्तिजनक बातें लिखी गई थीं। इन आरोपों के सामने आने के बाद मामला कॉलेज परिसर से बाहर भी चर्चा का विषय बन गया। फिलहाल, कथित संदेशों की वास्तविक सामग्री, पूरे घटनाक्रम की परिस्थितियों और आरोपों की पुष्टि को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है।मामले में आरोपों के घेरे में आए प्रोफेसर की शैक्षणिक पृष्ठभूमि को लेकर भी जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से शिक्षा हासिल की है और इससे पहले हैदराबाद के एक निजी कॉलेज में कार्यरत थे। वर्तमान में वह नागपुर के वाठोडा स्थित सिम्बायोसिस लॉ यूनिवर्सिटी में प्राध्यापक के पद पर कार्यरत बताए जा रहे हैं। हालांकि, उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि या पूर्व में किसी संस्थान में काम करने की जानकारी का आरोपों की सत्यता से सीधा संबंध नहीं है। मामले में संबंधित प्रोफेसर का पक्ष और उनकी प्रतिक्रिया सामने आना अभी बाकी है।

बच्चों के टैलेंट को मंच देगा 'किड्स फेस्टिव बाजार'

रविवार को श्याम पैलेस में होगा आयोजन, शॉपिंग स्टॉल, गेम्स और टैलेंट शो रहेंगे आकर्षण

इंदौर बच्चों की रचनात्मकता और हुनर को मंच देने के लिए 25 अक्टूबर को 'दीवाली फेस्टिवल-किड्स फेस्टिव बाजार' का आयोजन किया जाएगा। क्रिएटिव कोच राधिका लड्ढा की ओर से आयोजित यह फेस्टिवल फूटी कोठी स्थित श्याम पैलेस में होगा। आयोजन में प्रवेश निःशुल्क रहेगा। रविवार को सुबह 11 से शाम 7 बजे तक होने वाले इस फेस्टिवल में बच्चों द्वारा लगाए जाने वाले शॉपिंग स्टॉल, फूड स्टॉल, मनोरंजक खेल और टैलेंट शो आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसके जरिए बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ खेल-खेल में कारोबार और उद्यमिता की बारीकियां सीखने का अवसर मिलेगा। परिवारों के लिए भी यहां खरीदारी, मनोरंजन और रचनात्मक गतिविधियों का अनुभव रहेगा। आयोजक राधिका लड्ढा ने बताया कि फेस्टिवल का उद्देश्य बच्चों को अपनी प्रतिभा पहचानने, नए विचारों को सामने लाने और आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर देना है। उन्होंने शहरवासियों से परिवार के साथ आयोजन में शामिल होकर बच्चों का उत्साह बढ़ाने की अपील की। राधिका बच्चों को वैदिक गणित, फॉनेटिक्स और स्पेलिंग की कक्षाओं के साथ समर कैंप के माध्यम से भी सीखने और रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

त्योहारों के सीजन में नकदी मांग में तेजी, आरबीआई की वीआरआर नीलामी में मजबूत भागीदारी की उम्मीद

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक की बुधवार को होने वाली ओवरनाइट वेरिएबल रेट रीपो नीलामी में बैंकों की मजबूत भागीदारी की उम्मीद है। इसकी मुख्य वजह यह है कि त्योहारों के मौसम में नकदी की निकासी में तेजी आई है, जिससे बैंकों में अतिरिक्त नकदी में कमी आई है और ओवरनाइट ब्याज दरों में वृद्धि हुई है। सोमवार को भारित औसत कॉल दर (डबल्यूएसीआर) 5.66 फीसदी पर पहुंच गई थी, जो मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी दर के करीब है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक रविवार को शुद्ध नकदी अधिशेष 1.85 लाख करोड़ रुपए था। आरबीआई ने सोमवार को 1 लाख करोड़ रुपए की वीआरआर नीलामी की थी, जो तीन महीने में पहली नीलामी थी। इस नीलामी में बैंकों ने 1.51 लाख करोड़ रुपए की बोली लगाई थी, जिसमें केंद्रीय बैंक ने 5.52 फीसदी की भारित औसत दर पर 1 लाख करोड़ रुपए की बोली स्वीकार की। यह दर कॉल रेट से काफी नीचे और 5.50 फीसदी की नीतिगत रीपो रेट से थोड़ा ऊपर थी। अब आरबीआई बुधवार को अगली नीलामी में 50,000 करोड़ रुपए की पेशकश करेगा। एक सरकारी बैंक के डीलर ने बताया कि त्योहारों के सीजन में धन की निकासी के कारण अक्सर बैंकों की नकदी में गिरावट आती है, यह एक अस्थायी कमी है और आरबीआई वीआरआर जारी रखेगा। नकदी के रुख में हाल के समय में तेज बदलाव आया है। 29 जुलाई को अपनी पिछली वीआरआर नीलामी के बाद से, आरबीआई 6 अगस्त से लगातार नकदी खींचने का रुख अपना रहा था। इसकी वजह यह थी कि आरबीआई की रियायती स्वैप सुविधा के तहत एफसीएनआर-बी जमा से अतिरिक्त नकदी काफी बढ़ गई थी। आरबीआई ने 16 अक्टूबर से कड़े किए गए दैनिक नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) की जरुरत की वजह से भी अधिशेष नकदी घटी है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता के करीब पहुंचे, अब तक किए समझौतों से यह अलग होगा- ट्रंप

नई दिल्ली।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा कि भारत और अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के काफी करीब पहुंच गए हैं। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत दौरे पर हैं। रुबियो ने अपने दौरे में दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की, जिसमें व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, रक्षा और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना जैसे प्रमुख मुद्दे शामिल थे। ट्रंप ने एक सवाल के जवाब में कहा कि वे समझौता करना चाहते हैं। हम भी समझौता करेंगे। हां, हम इसके काफी करीब हैं।÷ यह समझौता अब तक किए गए हमारे समझौतों से काफी अलग तरह का होगा। इस महीने की शुरुआत में भारत के केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीयर से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं ने मिल्वॉकी और वाशिंगटन में व्यापार समझौते की बारीकियों पर गहन चर्चा की थी। बता दें भारत और अमेरिका ने इसी साल फरवरी में द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण की रूपरेखा को अंतिम रूप देने की घोषणा की थी। हालांकि इसके बाद अमेरिका में आयात शुल्क से जुड़े नियमों और परिस्थितियों में कुछ बदलाव हुए।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 143, निफ्टी 77 अंक गिरा

मुम्बई

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी चौतरफा बिकवाली हावी रहने से आई है।

इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 143.21 अंक टूटकर 73,709.69 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 77.60 अंक नीचे आकर 22,811.35 पर बंद हुआ।

आज निफ्टी पर सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयरों में बजाज फाइनेंस, आयशर मोटर्स, एटरनल, ट्रेंट और मारुति सुजुकी शामिल रहे। वहीं इंफोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में उछला आया। पहले हाफ में जहां बाजार में तेजी रही। वहीं दूसरे हाफ में ये नीचे आया।

सेक्टर के हिसाब से देखें तो आईटी इंडेक्स में बढ़त रही जबकि ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एनर्जी, मीडिया, मेटल, फार्मा, रियल्टी और प्राइवेट बैंक सेक्टर में गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स, दोनों में ही गिरावट आई।

आज ब्रॉडर मार्केट में, मिड-कैप सूचकांकों के साथ ही स्मॉल-कैप सूचकांकों में भी गिरावट रही। वहीं सेक्टोरल मोर्चे पर, केवल



पांच सूचकांक ही बढ़त पर बंद हुए। आज कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के साथ ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में अमेरिका और ईरान के बीच एक-दूसरे पर हमले करने से भी बाजार में गिरावट आई। इससे निवेशकों में घबराट से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला।

जिससे सेंसेक्स 74,500 के स्तर को पार कर गया, जबकि निफ्टी 50 ने 23,000 का आंकड़ा छू लिया हालांकि समय के साथ बाहर में बिकवाली हावी होने लगी।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली।

त्योहारी सीजन में सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है है। बुधवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर इन दोनों ही बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में एक बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जिसने ग्राहकों में उत्साह है। आज के कारोबार में, सोने की कीमतों में 0.31त्न की उल्लेखनीय कमी देखी गई। 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना, जो कल तक 1,46,630 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा था, वह आज 451 रुपए की गिरावट के साथ 1,46,179 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है।

यह उन निवेशकों और उपभोक्ताओं के लिए निश्चित रूप से राहत की बात है, जो लंबे समय से शुभ मुहूर्त का इंतज़ार कर रहे थे। देश के प्रमुख महानगरीय केंद्रों जैसे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, पटना और लखनऊ में 24 कैरेट सोने का भाव एक समान रूप से 1,46,179 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया, जो पूरे देश में एक ही बाजार रुझान को प्रतिबिंबित करता है।

यह मूल्य में गिरावट उन व्यक्तियों के लिए एक शानदार अवसर प्रस्तुत करती है जो आभूषण खरीदने या अपनी बचत को सोने में निवेश करने की योजना बना रहे थे। वहीं सोने के साथ-साथ, चांदी की कीमतों में भी आज नरमी का रुख बना रहा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर, कल 2,10,480.00 रुपए प्रति किलोग्राम पर उपलब्ध चांदी की कीमत में 0.26 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इस ताज़ा गिरावट के बाद, चांदी आज 545 रुपए सस्ती होकर 2,09,935 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है।

एचडी फायर प्रोटेक्ट के शेयरों की धमाकेदार एंट्री, हर लॉट पर 3,520 का मुनाफा

नई दिल्ली।

शेयर बाजार में एचडी फायर प्रोटेक्ट के शेयरों की धमाकेदार एंट्री हुई, जिससे निवेशकों को हर लॉट पर 3,520 रुपए तक का मुनाफा हुआ। कंपनी का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 271 रुपए के इश्यू प्राइस के मुकाबले 23.61फीसदी प्रीमियम के साथ 335 रुपए पर लिस्ट हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर यह 334.40 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ, जो इश्यू प्राइस से 23.39फीसदी ज्यादा था। आईपीओ में निवेशकों को प्रति लॉट 55 शेयर आवंटित किए गए थे, जिससे लिस्टिंग के दिन ही उन्हें 3,520 रुपए का मुनाफा मिला।

हालांकि, शुरुआती उछाल के बाद बीएसई पर शेयर ऊपरी स्तरों से टूटकर सुबह 10 बजकर 13 मिनट के आसपास 305 रुपए के करीब कारोबार कर रहा था। एचडी फायर प्रोटेक्ट का आईपीओ 13 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक खुला था और इसे निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। आईपीओ करीब 130.81 गुना भरकर बंद हुआ था, जिसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का हिस्सा 256.65 गुना, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 202.73 गुना और रिटेल निवेशकों के लिए आरक्षित हिस्सा 28.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

कर्मचारियों के लिए आरक्षित हिस्सा भी 22.86 गुना भरा था। इस इश्यू के जरिए कंपनी ने लगभग 712 रुपए करोड़ जुटाने का लक्ष्य रखा था। इसका प्राइस बैंड 258 रुपए से 271 रुपए प्रति शेयर तय किया गया था। यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल था, जिसका मतलब है कि मौजूदा शेयरधारकों ने अपने शेयर बेचे और जुटाई गई रकम सीधे कंपनी को नहीं मिली।

देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई में निकली एआई विशेषज्ञों की भर्ती

55 साल तक की उम्र के उम्मीदवार कर सकेंगे आवदेन, अंतिम तिथि 19 नवंबर

नई दिल्ली।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अब एआई और डेटा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विशेषज्ञ की तलाश कर रहा है। बैंक ने स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर (एससीओ) के पदों पर संविदा यानी कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर भर्ती निकाली है, जिसमें चीफ एआई ऑफिसर, डिप्टी जनरल मैनेजर और एआई आर्किटेक्ट जैसे कई अहम पदों को शामिल किया हैं। यह भर्ती सामान्य बैंकिंग पदों से हटकर आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों पर केंद्रित है। खास बात यह है कि कुछ वरिष्ठ पदों के लिए 55 साल तक के अनुभवी उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक एसबीआई ने जनरल मैनेजर एवं चीफ एसआई ऑफिसर, डिप्टी जनरल मैनेजर, एआई सॉल्यूशन आर्किटेक्ट और एंटरप्राइज एआई आर्किटेक्ट जैसे पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। चीफ एआई ऑफिसर पद के लिए न्यूनतम आयु 40 साल और अधिकतम 55 साल तय की गई है। इन पदों के लिए कंप्यूटर साइंस, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी शाखाओं में बीई, बीटेक या एमटेक की डिग्री या स्टैटिस्टिक्स या कंप्यूटर साइंस में एमएससी, एमए, एम स्टैट या एमसीए की डिग्री और संबंधित क्षेत्र में जरुरी पेशेवर अनुभव अनिवार्य है। डिप्टी जनरल मैनेजर के पदों के लिए आयु सीमा 35 से 50 साल, जबकि एआई आर्किटेक्ट पदों के



लिए 30 से 45 साल रखी है। सभी पदों के लिए संबंधित तकनीकी विषयों में स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री के साथ पर्याप्त अनुभव होना भी जरुरी है।

चयन प्रक्रिया में उम्मीदवारों की योग्यता और अनुभव के आधार पर शॉर्टलिस्टिंग की जाएगी, जिसके बाद इंटरव्यू होंगे। इंटरव्यू कुल 100 अंकों का होगा और इसके आधार पर अंतिम मेरिट सूची तैयार की जाएगी। कुछ वरिष्ठ पदों के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को 10 मिनट का प्रेजेंटेशन भी देना होगा, जिसमें उन्हें अपने अनुभव और परियोजनाओं के बारे में जानकारी देनी होगी। सफल उम्मीदवारों के लिए सीटीसी नेगोशिएशन का चरण भी होगा, क्योंकि ये नियुक्तियां तय अवधि के कॉन्ट्रैक्ट पर आधारित हैं। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार एसबीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर 19 नवंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

एसबीआई पर साइबर हमला-हजारों ग्राहकों का डेटा डार्क वेब पर लीक

मुंबई।

भारत के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), ने पुष्टि की है कि एक साइबर हमले के कारण उसके हजारों ग्राहकों का निजी डेटा डार्क वेब पर लीक हुआ है। एसबीआई बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि उन्हें संदेह है कि 3,897 ग्राहकों की व्यक्तिगत पहचान से जुड़ी जानकारी (पीआईएफ) चोरी हुई है।

लीक हुई जानकारी में ग्राहकों के पंजीकृत मोबाइल नंबर, जन्म तिथि, नाम, लिंग, ईमेल पता और घर का पता शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, ब्रांच और कस्टमर इंफॉर्मेशन फाइल के आइडेंटिफायर, लीड आईडी, और लोन व लीड रिकॉर्ड्स से जुड़े मेटाडेटा भी प्रभावित हुए हैं। एसबीआई को डेटा लीक के बारे में पहली जानकारी 16 अक्टूबर को थ्रेट इंटेलिजेंस सर्विस प्रोवाइडर, डिफेंस साइबर एजेंसी और इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सीईआरटी-इन) से मिली थी। डार्क वेब पर मिले रिकॉर्ड्स की शुरुआती जांच में 3,897 इसतरह के ग्राहकों का डेटा सामने आया, जिसमें उनकी संवेदनशील निजी जानकारी शामिल थी।

हालांकि, एसबीआई ने आश्वस्त किया है कि इस घटना का बैंक के मुख्य कामकाज, वित्तीय प्रदर्शन या व्यावसायिक निरंतरता पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। बैंक के कोर ऑपरेशन बिना किसी रुकावट के सामान्य रूप से चल रहे हैं।

बैंक ने तुरंत अपने साइबर इंसिडेंट रिस्पॉन्स और बचाव प्रोटोकॉल को सक्रिय किया है। एसबीआई ने कहा कि वह लीक हुए डेटा की सत्यता और पूर्णता की जांच करने, इसके स्रोत का पता लगाने, डेटा लीक के दायरे को समझने और ग्राहकों व बैंक के लिए जोखिमों का आकलन करने के लिए विस्तृत जांच कर रहा है। सबसे पहले 19 अक्टूबर को इस संभावित डेटा लीक की रिपोर्ट दी थी। एसबीआई स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और 3,897 ग्राहकों के डेटा से जुड़े मामले की जांच जारी है। बैंक ने कहा है कि इस दौरान नियमों के अनुसार उचित कदम उठाए जाएंगे।

एसआईपी में निवेशक अब सीधे निवेश का विकल्प,परिसंपत्तियों का हिस्सा दोगुना से ज्यादा

नई दिल्ली।

सितंबर 2026 तक डायरेक्ट प्लान के तहत पांच साल से ज्यादा समय से निवेशित म्युचुअल फंडों के सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की परिसंपत्तियों का हिस्सा दोगुना से ज्यादा हो गया है। सितंबर 2021 में यह 6.9 फीसदी था जो बढ़कर 16.6 फीसदी पर पहुंच गया है। यह आंकड़ा इस बात का संकेत हैं कि निवेशक अब सीधे निवेश करने और कम खर्च वाले विकल्पों की तरफ झुक रहे हैं। हालांकि, इस श्रेणी में अभी भी रेग्युलर प्लान का दबदबा बरकरार है, जहां कुल 5.73 रुपए लाख करोड़ की एसआईपी परिसंपत्तियों में से 4.77 लाख करोड़ रुपए रेग्युलर प्लान के हैं। डायरेक्ट प्लान से जुड़े निवेशकों को बिना किसी मध्यस्थ के निवेश करने की सुविधा मिलती है और इनमें खर्च अनुपात कम होता है। इसके विपरीत, रेग्युलर प्लान व्यक्तिगत एजेंटों, बैंकों और वेल्थ मैनेजरों के जरिए बेचे जाते हैं और ये अक्सर लंबे समय तक चलते हैं क्योंकि इनमें निवेशकों को पेशेवर सलाह का लाभ मिलता है। अन्य अवधियों में भी डायरेक्ट प्लान की हिस्सेदारी में लगातार बढ़ोतरी हुई है, जिससे इनकी बढ़ती लोकप्रियता साफ झलकती है।

त्यौहारी सीजन में चीनी का कड़वा स्वाद-21 राज्यों में महंगाई चरम पर

कम बारिश की वजह से गन्ने के उत्पादन में आई कमी

नई दिल्ली।

त्यौहारी सीजन के दौरान देश में चीनी की बढ़ती कीमतों ने आम जनता की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर 2026 में देश के 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 21 में चीनी की खुदरा महंगाई दर 30 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई है। देशभर में चीनी की खुदरा महंगाई दर अगस्त 2026 के 24.27 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 29.80 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो जनवरी 2026 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। गौरतलब है कि अप्रैल 2026 में चीनी की खुदरा महंगाई दर महज 1.44 प्रतिशत थी, जिसमें लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, ओडिशा ऐसा राज्य रहा जहां चीनी की कीमतों में सबसे ज्यादा उछाल आया और सालाना महंगाई दर 37.48 प्रतिशत तक पहुंच गई। वहीं, राजस्थान एकमात्र ऐसा राज्य रहा जहां कि सितंबर में चीनी की महंगाई दर में मामूली कमी देखी, जो अगस्त के 25.65 प्रतिशत से घटकर 25.15 प्रतिशत रह गई। चीनी के दामों में लगातार हो रही बढ़ोतरी का मुख्य कारण गन्ने के उत्पादन में कमी और इस साल कम बारिश होना माना जा रहा है। देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों, जैसे महाराष्ट्र और कर्नाटक, में अपर्याप्त बारिश के कारण चीनी के उत्पादन और बाजार में उसकी उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।खुदरा बाजार के विपरीत, थोक बाजार (डब्ल्यूपीआई) में चीनी की महंगाई दर में सितंबर महीने के दौरान कुछ गिरावट दर्ज की गई।

बैंक बंद-22 अक्टूबर को सिक्किम में अवकाश,अन्य राज्यों में भी लंबी छुट्टियों की कतार

नई दिल्ली।

गुरुवार, 22 अक्टूबर को सिक्किम राज्य में बैंक बंद रहने वाले है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के अवकाश कैलेंडर के अनुसार, दुर्गा पूजा और दशैन पर्व के उपलक्ष्य में छुट्टी घोषित की गई है। इस दिन सिक्किम में सभी सरकारी और निजी क्षेत्र के बैंक, जैसे भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक आदि, अपनी सेवाएं निलंबित रहेंगी। दुर्गा पूजा (दशैन) सिक्किम के नेपाली हिंदू समुदाय का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है, जो देवी दुर्गा की महिषासुर पर विजय और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस मौके पर देवी दुर्गा की पूजा की जाती है, और परिवार के बड़े सदस्यों द्वारा छोटों को माथे पर टीका लगाकर आशीर्वाद दिया जाता है।

सिक्किम में बैंक 23 अक्टूबर (शुक्रवार) को भी दुर्गा पूजा/दशैन के कारण बंद रहने वाले है। इसके बाद, देश भर में 24 अक्टूबर (चौथा शनिवार) और 25 अक्टूबर (रविवार) को साप्ताहिक अवकाश के कारण बैंक बंद रहने वाले है। जिससे कई राज्यों में लगातार छुट्टियों की स्थिति बन जाएगी।

अक्टूबर माह में अन्य प्रमुख बैंक अवकाशों में 26 अक्टूबर (सोमवार) को चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर और त्रिपुरा में लक्ष्मी पूजा, एक्सेशन डे और महर्षि वाल्मीकि जयंती के कारण बैंक बंद रहने वाले है। वहीं, 29 अक्टूबर (गुरुवार) को करवा चौथ के मौके पर हिमाचल प्रदेश में बैंक शाखाएं बंद रहेंगी, और 31 अक्टूबर (बुधवार) को सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के कारण गुजरात में बैंक बंद रहने वाले है।

हालांकि, बैंक शाखाएं बंद रहने के बावजूद ग्राहकों के लिए ऑनलाइन बैंकिंग सेवाएं हमेशा की तरह चालू रहेंगी। इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और यूपीआई के माध्यम से आप धनराशि हस्तांतरित कर सकते है। एटीएम से नकदी निकालने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

जीयो आईपीओ का लक्ष्य मजबूत कारोबार और निवेशकों के लिए सतत मूल्य बढ़ाना है

आकाश बोले- जियो का फोकस एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग, ब्रॉडबैंड सेवाओं के विस्तार पर

नई दिल्ली।

रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश अंबानी ने जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ के खुदरा निवेशकों के लिए खुलने के अवसर पर कंपनी की भविष्य की रणनीति का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि जियो का लक्ष्य सिर्फ सूचीबद्ध होना नहीं, बल्कि लंबे समय तक एक मजबूत कारोबार बनाना और निवेशकों के लिए सतत मूल्य बढ़ाना है। एक इंटरव्यू में आकाश अंबानी ने बताया कि जियो का फोकस एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग, ब्रॉडबैंड और अन्य डिजिटल सेवाओं का विस्तार करने पर रहेगा। कंपनी केवल टैरिफ बढ़ाकर कमाई बढ़ाने की बजाय, नई सेवाओं और ग्राहकों द्वारा डेटा के बढ़ते इस्तेमाल पर जोर देगी। उन्होंने रिटेल निवेशकों से जियो को एक दीर्घकालिक व्यवसाय के रूप में देखने का आग्रह किया। अंबानी के मुताबिक जियो ने पिछले दस सालों में अपने नेटवर्क, सॉफ्टवेयर और डिजिटल सेवाओं



को विकसित करने पर काम किया है। अब शेयर बाजार में आने के बाद, कंपनी की जिम्मेदारी पारदर्शिता बनाए रखने, बेहतर गवर्नेंस अपनाने और कारोबार को सही दिशा में आगे बढ़ाने की होगी। जियो का नेटवर्क मजबूत माना जाता है, लेकिन कंपनी का औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता कुछ प्रतिस्पर्धी कंपनियों से कम है। इस पर आकाश अंबानी ने कहा कि नेटवर्क से कमाई बढ़ाने का मतलब सिर्फ डेटा की कीमत बढ़ाना नहीं है। कंपनी होम ब्रॉडबैंड, फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस और उद्यमों को दी जाने वाली डिजिटल सेवाओं के विस्तार पर काम करेगी। इसके साथ ही ओटीटी वीडियो, संगीत, क्लाउड स्टोरेज और एआई-आधारित उत्पादों जैसी वैल्यू-एडेड सेवाओं पर भी ध्यान दिया जाएगा।

सोने में गिरावट फिर भी गोल्ड ईटीएफ में निवेशकों की दिलचस्पी, 4,451 करोड़ का निवेश आया

नई दिल्ली।

सोने की कीमतों में हाल में आई गिरावट के बावजूद गोल्ड ईटीएफ में निवेशकों की दिलचस्पी बनी हुई है। सितंबर 2026 में गोल्ड ईटीएफ में 4,451 करोड़ रुपए का निवेश आया, जो अगस्त के 2,597 करोड़ रुपए के मुकाबले 71.4 फीसदी ज्यादा है। यह बढ़ोतरी तब हुई है जब सोने की कीमतें जनवरी 2026 के शिखर (5,595 डॉलर प्रति औंस) से लगभग 25 फीसदी टूटकर 4,200 डॉलर प्रति औंस पर आ गई हैं। दिवाली नजदीक आने के साथ त्योहारी मांग से सोने में निवेशकों की दिलचस्पी और बढ़ सकती है।

हालांकि, करीब 17 म्युचुअल फंड कंपनियों ने गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने वाली फंड ऑफ फंड्स योजनाओं में नए निवेश पर अस्थायी रोक लगा दी है। कोटक म्युचुअल फंड में ईटीएफ के फंड मैनेजर को उम्मीद है कि त्योहारी सीजन में गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड फंड में निवेश बढ़ सकता है। हालिया गिरावट के बाद कीमतें कम होने से उन निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ सकती है, जो सोने में निवेश के लिए बेहतर कीमत का इंतजार कर रहे थे। वहीं, निप्पॉन इंडिया म्युचुअल फंड में कमोडिटीज के हेड और फंड मैनेजर का मानना है कि भौतिक सोने की मांग कमजोर रहने के बावजूद त्योहारी सीजन में गोल्ड ईटीएफ में नया निवेश बढ़ सकता है, जैसा कि अतीत में भी देखा गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल इस उम्मीद में निवेश का फैसला नहीं करना चाहिए कि सोने की कीमतें अब सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई हैं। निवेशक मौजूदा कीमतों पर धीरे-धीरे सोना खरीदना शुरू कर सकते हैं, जैसे गोल्ड ईटीएफ या गोल्ड फंड के जरिए किस्तों में निवेश करने से खरीद की औसत कीमत को संतुलित करने में मदद मिलती है। उनका मानना है कि अगर सोने में निवेश का मकसद जोखिम को बांटना है, न कि कम समय में मुनाफा कमाना, तो पोर्टफोलियो में सोने के लिए कुछ हिस्सा तय करने का शायद ही कोई गलत समय होता है। सोने को छोटी अवधि में खरीद-बिक्री करने के बजाय मध्यम और लंबी अवधि में निवेश में विविधता लाने के लिए ज्यादा उपयुक्त माना जाता है।



इतिहास और प्रेम का शहर माण्डू



माण्डू को रचने-बसाने का प्रथम श्रेय परमार राजाओं को है। हर्ष, मुंज, सिंधु और राजा भोज इस वंश के महत्वपूर्ण शासक रहें हैं। किंतु इनका ध्यान माण्डू की अपेक्षा धार पर ज्यादा था, जो माण्डू से महज 30 किलोमीटर है। परमार वंश के अंतिम महत्वपूर्ण नरेश राजा भोज का ध्यान वास्तु की अपेक्षा साहित्य पर अधिक था और उनके समय संस्कृत के महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखे गए। मांडू प्राचीन शहर है और इसका जिक्र 555 ईसवीं के संस्कृत अभिलेखों में भी है। इन अभिलेखों से पता चलता है कि मांडू छठी शताब्दी का खूबसूरत शहर हुआ करता था। दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दी में परमार वंश के शासकों ने इस पर अधिकार किया और इसका नाम मांडवगढ़ रखा। 13वीं शताब्दी में परमारों ने अपनी राजधानी धार से मांडू स्थानांतरित कर दी और इस शहर का महत्व बढ़ गया। 1305 में खिलजी वंश से पराजित होने के बाद परमारों का मांडू से आधिपत्य समाप्त हो गया। मध्य प्रदेश के 21 वर्ग किलोमीटर तक फैले पठार पर बना मांडू, प्रेम के शहर के रूप में भी याद किया जाता है. यह मध्य प्रदेश के विंध्य पर्वतमाला और दक्षिणी इंदौर के पश्चिम में बसा हुआ है।

मुगलों के साम्राज्य के पतन के बाद मालवा के अफगान गवर्नर दिलावर खान ने मांडू को स्वतंत्र राज्य के रूप में स्थापित किया। उन्होंने मांडू का नाम बदलकर सादियाबाद यानी खुशियों का नगर रखा। दिलावर खान गौरी के पुत्र हरशंग शाह ने मांडू का विकास किया और इसे संपन्न बनाया। यह युग मांडू का स्वर्णकाल कहा जाता है। इसके बाद कई मुगल शासकों ने मांडू पर राज किया फिर 1732 में मराठों ने इस पर अधिकार कर लिया।

अद्वितीय वास्तुशिल्प



सुल्तानों के काल में यहां महत्वपूर्ण निर्माण हुए। दिलावर खां गोरी ने इसका नाम बदलकर शादियाबाद (आनंद नगरी) रखा। होशंगशाह इस वंश का महत्वपूर्ण शासक था। मुहम्मद खिलजी ने मेवाड़ के राणा कुम्भा पर विजय के उपलक्ष्य में अशर्फी महल से जोड़कर सात मंजिला विजय स्तंभ का निर्माण कराया (अब इसकी केवल एक ही मंजिल सलामत है)। हालांकि यह तथ्य विवादित है क्योंकि राणा कुम्भा ने भी मुहम्मद खिलजी पर विजय की स्मृति में चित्तौड़ के विश्व प्रसिद्ध विजय स्तंभ का निर्माण कराया था। आमतौर पर इतिहासकार मानते हैं कि राणा ने खिलजी को बंदी बनाया था और माफी पर उसे छोड़ा था। फिर भी फरिश्ता जैसे इतिहासकार मुहम्मद खिलजी की वीरता की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हैं। वह लिखता है कि खिलजी हमेशा युद्ध में रहता है। अशर्फी महल का निर्माण मदरसे के तौर पर हुआ था और उसके कई कमरे आज भी काफी अच्छी अवस्था में हैं।

बाज बहादुर और रानी रूपमती की प्रेम कहानी

बाज बहादुर और रानी रूपमती की प्रेम कहानी की वजह से भी मांडू की अलग पहचान है। बाज बहादुर संगीतज्ञ थे जबकि रानी रूपमती गायिका थीं। वह रूपमती से गायिकी सीखना चाहते थे। कहा जाता है जब उन्होंने रानी रूपमती को जंगल में स्नान करते देखा तो उन पर फिदा हो गये। उन्होंने रूपमती को मांडू आने का न्यौता दिया लेकिन रूपमती नर्मदा नदी के दर्शन करके ही गाना गाती थीं। इसलिए बाज बहादुर ने उनका आश्रय ऐसे स्थान पर बनाया जहां से नर्मदा नदी को आसानी से देखा जा सके। दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दी में इसका नाम मांडवगढ़ था लेकिन बाद में इस शहर को सादियाबाद के नाम से भी जाना गया। समुद्र तल से 2000 फीट की ऊंचाई पर बसा मांडू इतिहास और प्राकृतिक खूबसूरती के कारण प्रकृति प्रेमियों का स्वर्ग कहा जाता है।रूपमती के सौन्दर्य की चर्चा दूर-दूर तक फैल चुकी थी और इसी चर्चा से प्रभावित होकर अकबर ने मांडू पर आक्रमण कर दिया। इसकी भनक लगते ही रूपमती ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। बाद में बाज बहादुर अकबर के दरबार में संगीतज्ञ बन गये।

आल्हा-ऊदल के वीरता की कहानी

आल्हा-ऊदल के बिना माण्डू का वर्णन अधूरा माना जाता है। आल्हाखण्ड में महाकवि जगनिक ने 52 लड़ाइयों का जिक्र किया है। उसमें पहली लड़ाई माड़ौगढ़ की मानी जाती है, जिसका साम्य इसी माण्डू से किया जाता है। इसलिए आल्हा गायकों के लिए माण्डू एक तीर्थस्थल सरीखा है। बुंदेलखंड के लोग यहां इस लड़ाई के अवशेष देखने आते हैं। राजा जम्बे का सिंहासन, आल्हा की सांग, सोनगढ़ का किला, जहां आल्हा के पिता और चाचा की खोपड़ियां टांगी गई थी और वह कोल्हू जिसमें दक्षराज-वक्षराज को करिंगा ने पीस दिया था। ये सब आज भी आल्हा के मुरीदों को आकर्षित करते हैं।

'माण्डू सिटी ऑफ जॉय' के लेखक गुलाम यजदानी के अनुसार माण्डू के भवन रोमन, ग्रीक ईरानी, यूनानी, गैथिक, अफगान और हिंदू शैली से बने हैं। हिंदू शैली में बने भवन मुख्य हैं- हिण्डोला भवन, जामी मस्जिद, होशंगशाह का मकबरा आदि। पत्तियां, कमल के फूल, त्रिशूल, कलश, बंदनवार आदि इसके गवाह हैं। अफगान शैली में बने भवन हैं- रूपमती मण्डप, बाजबहादुर महल दरिया खां का मकबरा, जहाज महल आदि।

क्या देखें

सोलहवीं शताब्दी में बाज बहादुर द्वारा बनाया गया महल यहां के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में शामिल है। इस महल की विशेषत यह है कि यहां से चारों तरफ का बेहतरीन नजारा नजर आता है। महल मुगल और राजस्थानी शैली का मिश्रित रूप है. इसके अलावा, यहां रूपमती मंडप भी स्थित है, जिसे सेना द्वारा निगरानी रखने के लिए बनवाया गया था। मंडप किले के बिल्कुल किनारे पर बना है। यहां की खासियत यह है कि यहां से नर्मदा नदी और उसके मैदानों का सुंदर नजारा दिखाई पड़ता है. यहीं मंडप रानी रूपमती का आश्रय स्थल था। मांडू की सबसे प्रसिद्ध और आकर्षक इमारत जहाज महल है। यह बिल्कुल पानी के जहाज के आकार का बना है. इसकी लंबाई 120 मीटर और चौड़ाई 15 मीटर है। इस महल के पश्चिम और पूर्व में दो झीलें भी हैं। मुंज तालाब और कपूर तालाब नामक इन झीलों से घिरा यह महल ऐसा लगता है जैसे कोई जहाज बंदरगाह पर खड़ा हो। इस महल का निर्माण गयासुद्दीन खिलजी ने करवाया था। यहां पहाड़ी की खड़ी ढाल पर नीलकंठ मंदिर स्थित है और आज भी श्रद्धालु वहां पूजा-अर्चना करते हैं। इसके अलावा, यहां हाथी महल, दरियाखान मकबरा, मांडू के 12 प्रवेश द्वार, हिंडोला महल, रीवा कुंड, चम्पा बावली, अशरफी महल, जैन मंदिर आदि ऐतिहासिक और दर्शनीय स्थल हैं, जिसे देखकर पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

कब जाएं

मांडू घूमने के लिए मानसून से बेहतर मौसम और कोई हो ही नहीं सकता. जुलाई से अगस्त तक मांडू घूमने के लिए उपयुक्त समय है। इस दौरान यहां की हरियाली और पानी से भरे हुए जलाशय पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बारिश से धुल कर यहां की ऐतिहासिक इमारतें और भी साफ नजर आने लगती हैं।

कैसे पहुंचें

वायुमार्ग: मांडू जाने के लिए इंदौर नजदीकी एयरपोर्ट है. यह प्रमुख एयरलाइन्स द्वारा भोपाल, ग्वालियर, मुंबई, दिल्ली और जयपुर से जुड़ा है। इंदौर से मांडू की दूरी 99 किमी है. सड़क मार्ग से यहां तक पहुंचने में लगभग दो घंटे लगते हैं।

रेलमार्ग: यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन रतलाम और इंदौर हैं. यह इंदौर से 99 किमी. और रतलाम से 124 किमी. दूर है। इंदौर से मांडू बस या टैक्सी से भी पहुंच सकते हैं।

सड़क मार्ग : इंदौर मांडू मार्ग नियमित रूप से बस से जुड़ा हुआ है. भोपाल से भी मांडू के लिए बसें चलती हैं।



जहाज महल

जहाज महल माण्डू का सर्वाधिक चर्चित स्मारक है। चारों तरफ पानी से घिरे होने के कारण यह जहाज का दृश्य उपस्थित करता है। इसकी आकृति टी के आकार की है। इसका निर्माण परमार राजा मुंज के समय हुआ किंतु इसके सुदृढ़ीकरण का श्रेय गयासुद्दीन खिलजी को है। माण्डू की सबसे बड़ी विशेषता इसकी अंत- भूगर्भीय संरचना है। माण्डू का फैलाव जितना ऊपर है उतना ही नीचे है। शत्रु के आक्रमण के समय यह भूगर्भीय रचना सुरक्षा का एक साधन भी थी। यह संरचना अपने निर्माण से आज भी विस्मृत करती है। धार व माण्डू के बीच बने 35 भवन एक अन्य आश्चर्यजनक निर्माण हैं। येभवन इको प्वाइंट का काम करते थे। सुल्तान जब माण्डू से धार के लिए निकलता था तो इन्हीं भवनों से उसके आने की खबर दी जाती थी। माण्डू से कुछ दूरी पर बूढ़ी माण्डू स्थित है। इसे ऋषि माण्डव्य या माण्डवी के नाम पर सिद्धक्षेत्र कहा गया है।



टी20 सीरीज: वैभव से डरा न्यूजीलैंड! बल्लेबाज को रोकने के लिए बनाया प्लान

वेलिंगटन, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपने आक्रामक अंदाज से दुनिया भर के गेंदबाजों का ध्यान खींचा है। अब न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी माना है कि अगर इस युवा बल्लेबाज को भारत की प्लेइंग-11 में मौका मिलता है, तो उसे रोकना आसान नहीं होगा। हालांकि, पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से पहले मेजबान कप्तान ने साफ किया कि उनकी टीम ने वैभव के खेल को अच्छे से देखा है और उन्हें रोकने के लिए कुछ खास योजनाएं तैयार की हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का पहला मुकाबला गुरुवार को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा।

वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में चुने जाने के बाद से सीमित मौके मिले हैं। नियमित सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण उन्हें प्लेइंग-11 में जगह बनाने के लिए इंतजार करना पड़ा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली सीरीज में भी वह नहीं खेले थे।

भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी कहा है कि वैभव को अपने मौके के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। इसके बावजूद सैंटनर ने वैभव की प्रतिभा को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि यह युवा बल्लेबाज भविष्य में भारतीय टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकता है। सैंटनर ने सीरीज से पहले कहा, 'वैभव पिछली सीरीज में नहीं खेले थे, लेकिन हम जानते हैं कि वह कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। हमने उन्हें आईपीएल में देखा है। अभिषेक जैसे दूसरे खिलाड़ी भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वैभव की भारत के लिए बड़ी भूमिका होगी, चाहे वह इस सीरीज में हो या भविष्य में।'

न्यूजीलैंड के कप्तान ने आगे कहा, 'अगर उन्हें इस सीरीज में खेलने का मौका मिलता



भुवनेश्वर की स्विंग से न्यूजीलैंड को खतरा



भारतीय टीम में करीब चार साल बाद लौटे अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को लेकर भी सैंटनर ने अपनी राय रखी। न्यूजीलैंड के कप्तान का मानना है कि यहां की परिस्थितियां भुवनेश्वर की गेंदबाजी के अनुकूल होंगी। नई गेंद से स्विंग हासिल करने की उनकी क्षमता मेजबान टीम के बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन सकती है। सैंटनर ने कहा, 'मुझे लगता है कि भुवी को न्यूजीलैंड की परिस्थितियां काफी पसंद आएंगी। अगर पिच पर गेंदबाजों के लिए कुछ मदद होगी, तो वह उसका फायदा उठा लेंगे। भारत की कुछ सपाट पिचों पर भी उन्होंने गेंद को स्विंग कराया है और उसमें मूवमेंट हासिल की है। इसलिए यहां नई गेंद से उनका सामना करना खास तौर पर चुनौतीपूर्ण होगा।' उन्होंने भारतीय पिचों पर बड़े स्कोर बनने का जिक्र करते हुए कहा, 'आजकल भारत में गेंदबाजी करना काफी चुनौतीपूर्ण है। हमने हाल की सीरीज में देखा कि 250 रन का लक्ष्य भी हासिल कर लिया गया। ऐसे में कौन गेंदबाज बनना चाहेगा? लेकिन भुवी को यहां की परिस्थितियां थोड़ी ज्यादा पसंद आ सकती हैं।'

संक्षिप्त समाचार

हरमनप्रीत की तूफानी पारी, शेफाली वर्मा ने भी मचाया धमाल

रायपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे और आखिरी टी20 मुकाबले में 92 रनों से शानदार जीत दर्ज कर तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। मंगलवार को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 216 रन बनाए। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय महिला टीम का चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 124 रन



ही बना सकी। इस जीत के साथ स्मृति मंधाना की अगुवाई में भारतीय टीम ने अपनी पहली सीरीज भी जीत ली। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। उन्होंने 41 गेंदों पर नाबाद 91 रन बनाए। उनकी पारी में 10 चौके और पांच छक्के शामिल रहे। इस तरह हरमनप्रीत ने कुल 15 बाउंड्री लगाईं और भारत को 200 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। वह अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक से महज नौ रन दूर रह गईं। हरमनप्रीत की यह पारी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय महिला टीम के लिए चौथे या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

एशियाई पैरा गेम्स-2026... यासिर-परवीन ने किया कमाल

भारत को शॉटपुट में तीनों पदक सचिन ने रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण



आइची नागोया, एजेंसी। भारत के पैरा एथलीट सचिन सरजेराव खिलारी ने एशियाई पैरा गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बुधवार को नागोया में पुरुषों की एफ46 शॉटपुट स्पर्धा में सचिन ने अपने छठे और आखिरी प्रयास में 15.87 मीटर दूर गोला फेंककर नया गेम्स रिकॉर्ड बनाया। उनके इस प्रदर्शन के साथ भारत ने स्पर्धा में स्वर्ण, रजत और कांस्य तीनों पदक जीतकर क्लीन स्वीप किया। पेरिस पैरालंपिक 2024 के रजत पदक विजेता सचिन ने एशियाई पैरा गेम्स में अपना पिछला स्वर्ण भी बरकरार रखा। उन्होंने चीन में हुए पिछले संस्करण में स्वर्ण पदक जीता था। इस बार उन्होंने 15.67 मीटर के पुराने गेम्स रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 15.87 मीटर का नया रिकॉर्ड कायम किया। भारत के मोहम्मद यासिर ने तीसरे प्रयास में 15.06 मीटर का थ्रो करके रजत पदक जीता, जबकि परवीन 14.94 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस तरह पोडियम के तीनों स्थान भारतीय खिलाड़ियों के नाम रहे।

आखिरी थ्रो में सचिन ने पलटी बाजी

सचिन खिलारी का स्वर्ण पदक जीतने वाला प्रदर्शन खास रहा। उन्होंने अपने छठे और आखिरी प्रयास में 15.87 मीटर दूर गोला फेंका और प्रतियोगिता का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले गेम्स रिकॉर्ड 15.67 मीटर था। सचिन ने दबाव के बीच अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और लगातार दूसरी बार एशियाई पैरा गेम्स में इस स्पर्धा का स्वर्ण जीतने में सफल रहे। यासिर और परवीन ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत की ऐतिहासिक सफलता पूरी की।

नौ साल की उम्र में हुआ हादसा, फिर भी नहीं मानी हार

महाराष्ट्र के सांगली जिले के करगनी गांव में 23 अक्तूबर 1989 को जन्मे सचिन खिलारी का जीवन नौ साल की उम्र में हुए एक साइकिल हादसे के बाद बदल गया था। इस हादसे के कारण उनके बाएं हाथ की मांसपेशियों को स्थायी नुकसान पहुंचा और हाथ की गतिविधियां सीमित हो गईं।हालांकि, सचिन ने इन चुनौतियों को अपने खेल के रास्ते में बाधा नहीं बनने दिया। उन्होंने शुरुआत में भाला फेंक में हिस्सा लिया, लेकिन कंधे की चोट के बाद शॉटपुट को अपना मुख्य खेल बना लिया। लगातार मेहनत के दम पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई।

पैरालंपिक रजत और दो बार के विश्व चैंपियन

सचिन खिलारी ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में पुरुषों की एफ46 शॉटपुट स्पर्धा में 16.32 मीटर के एशियाई रिकॉर्ड थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। वह 2023 और 2024 में लगातार दो विश्व चैंपियनशिप खिताब भी जीत चुके हैं। अब एशियाई पैरा गेम्स में स्वर्ण और गेम्स रिकॉर्ड के साथ उन्होंने अपनी उपलब्धियों में एक और बड़ी सफलता जोड़ ली है। सचिन कोच सत्यनारायण के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेते हैं। उन्हें भारत की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) से भी सहायता मिली है। खेल में योगदान के लिए उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

प्रतियोगी परीक्षाओं के विद्यार्थियों को भी पढ़ाया



सचिन खिलारी ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। खेल के अलावा वह अतिथि शिक्षक के रूप में भी काम कर चुके हैं और महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) तथा संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों की मदद कर चुके हैं। खेल और शिक्षा के बीच संतुलन बनाने वाले सचिन की कहानी संघर्ष, अनुशासन और लगातार बेहतर करने की कोशिश का उदाहरण है। नागोया में उनका रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन इसी लंबे सफर की एक और बड़ी उपलब्धि है।

एफ46 वर्ग क्या है...

एफ46 वर्ग उन फील्ड एथलीटों के लिए है, जिनके एक हाथ की कोहनी के ऊपर या नीचे अंग-विच्छेदन हुआ हो अथवा ऊपरी अंग में इसके समान स्तर की दिव्यांगता हो। इस वर्ग के खिलाड़ी खड़े होकर थ्रो करते हैं और कूल्हों तथा पैरों की मदद से फेंकने की ताकत पैदा करते हैं। सचिन ने इसी वर्ग में 15.87 मीटर का थ्रो करके स्वर्ण पदक जीता। यासिर और परवीन के रजत और कांस्य पदक ने भारत के लिए इस स्पर्धा को यादगार बना दिया।

फ्रेंच ओपन

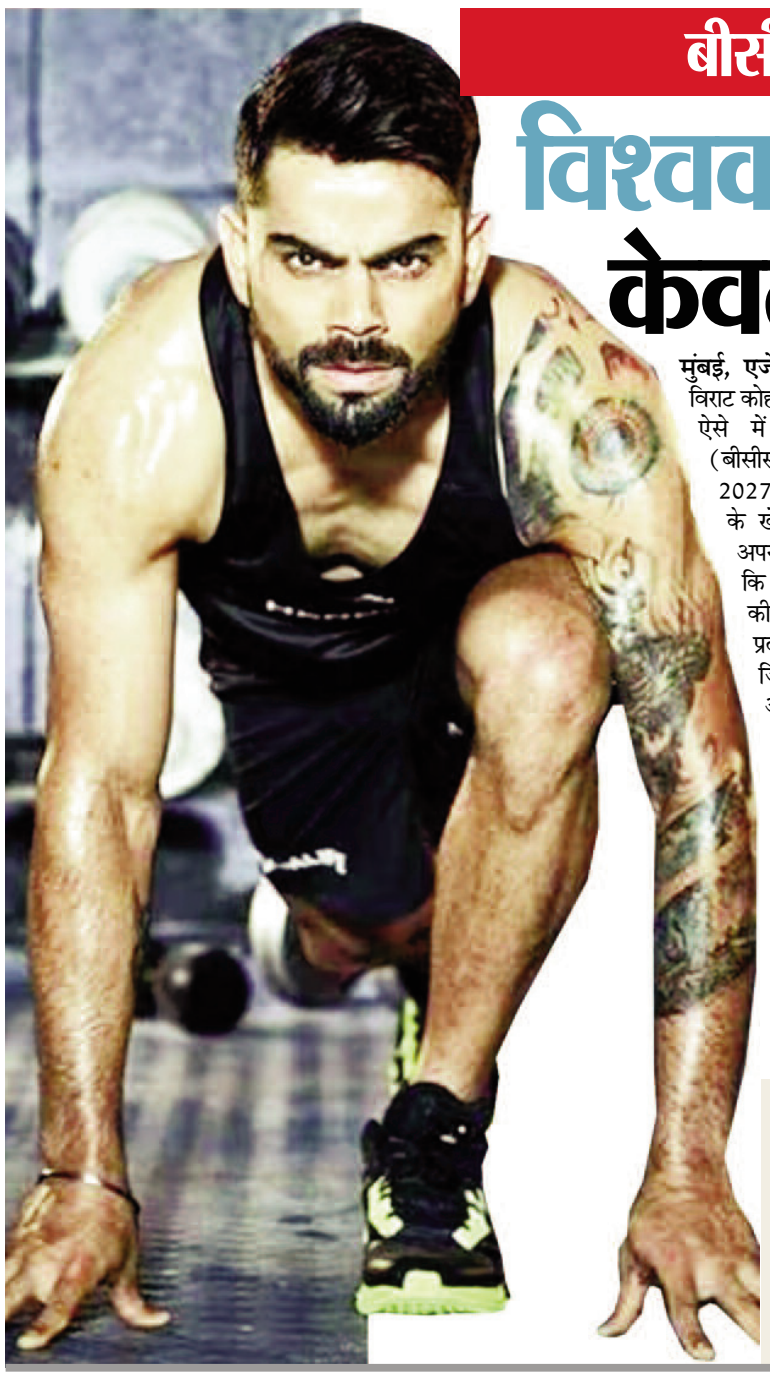
सात्विक-चिराग बाहर, अस्मिता और तन्वी अगले दौर में



नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों अस्मिता चालिहा और तन्वी शर्मा ने मंगलवार को फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल मुकाबलों में जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बना ली। हालांकि, पुरुष युगल में भारत की स्टार जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को हार का सामना करना पड़ा और वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग की जोड़ी को फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव और टोमा जूनियर पोपोव ने राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में 21-19, 18-21, 21-13 से हराया। एक घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने दूसरा गेम जीतकर वापसी की कोशिश की, लेकिन निर्णायक गेम में फ्रांसीसी जोड़ी ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। महिला एकल में अस्मिता चालिहा ने चीन की हैंग कियान शी को 21-18, 24-22 से हराया। 39 मिनट तक चले मुकाबले में अस्मिता ने सीधे गेम में जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया।

बीसीसीआई अध्यक्ष ने दिया चौंकाने वाला बयान!

विश्वकप में खेल पाएंगे रोहित-कोहली! केवल फिटनेस ही चयन का आधार





मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर चर्चाएं जारी हैं। ऐसे में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने 2027 वनडे विश्व कप में दोनों दिग्गजों के खेलने की संभावनाओं को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि टीम में चयन का आधार खिलाड़ियों की उम्र नहीं, बल्कि उनकी फिटनेस और प्रदर्शन होना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में अगले साल अक्तूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप से पहले रोहित और विराट के प्रदर्शन पर खास नजर रहेगी।



उम्र नहीं, प्रदर्शन होगा आधार

मन्हास ने स्पोर्टस्टार को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर कोई खिलाड़ी फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश के लिए मैच जीत रहा है, तो चयन के लिए यही सबसे महत्वपूर्ण मानदंड होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मेरे नजरिये से चयन का आधार निश्चित रूप से फिटनेस और प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं। अगर कोई खिलाड़ी खेलने के लिए फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश के लिए मैच जीत रहा है, तो यही एकमात्र मानदंड होना चाहिए, जिस पर हमें ध्यान देना चाहिए।' रोहित और विराट पिछले 24 महीनों में टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। दोनों की कोशिश एक और वनडे विश्व कप खेलने की होगी। वे 2023 में भारत की उस टीम का हिस्सा थे, जिसे फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था।

शुभमन गिल को मिलेगी मदद

मन्हास ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल के विकास में रोहित और विराट जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की भूमिका को भी अहम बताया। उन्होंने कहा कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों की मौजूदगी गिल को कप्तानी में मदद दे सकती है। उन्होंने कहा, 'शुभमन पिछले दो-तीन वर्षों से गुजरात टाइटंस के कप्तान हैं। इसके अलावा वह भारत की भी अगुआई कर रहे हैं। मुझे लगता है कि विश्व कप अभियान शुरू करते समय उनका यह अनुभव काम आएगा। टीम में विराट, हार्दिक (पांड्या) और रोहित का होना निश्चित रूप से उनकी मदद करेगा।'मन्हास ने आगे कहा, 'जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी गेंदबाजी इकाई की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं, जबकि कोई दूसरा खिलाड़ी फील्डिंग यूनिट का नेतृत्व कर सकता है। यह जिम्मेदारियां बांटने की बात है। यह देखना दिलचस्प होगा कि चीजें किस तरह आगे बढ़ती हैं। शुभमन शांत स्वभाव के खिलाड़ी हैं और मुझे लगता है कि सीनियर खिलाड़ियों का साथ उनके लिए फायदेमंद होगा।'

विश्व कप के दौरान कितनी होगी रोहित-विराट की उम्र!

रोहित शर्मा अप्रैल 2027 में 40 साल के हो जाएंगे, जबकि विराट कोहली विश्व कप के दौरान 38 वर्ष के होंगे। दोनों की उम्र को देखते हुए भारतीय टीम में बदलाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर सवाल उठते रहे हैं। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम में बदलाव की प्रक्रिया शुरू हुई थी। भारत के 2024 टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित, विराट और रवींद्र जडेजा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद रोहित और विराट ने 2025 में टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया।रोहित के वनडे में खराब फॉर्म के दौरान उनके संन्यास को लेकर अटकलें तेज हुई थीं। हालांकि, लॉर्ड्स में उनके शतक ने इन चर्चाओं पर कुछ हद तक विराम लगाया। दूसरी ओर, विराट कोहली वनडे क्रिकेट में लगातार रन बनाते हुए इस प्रारूप में अपनी भूमिका का आनंद ले रहे हैं।



जैकी श्रॉफ के बड़े भाई को लोग मानते थे असली 'दादा', सुनाया किस्सा

हाल ही में अपने लोकप्रिय नाम 'जग्गू दादा' के पीछे की भावुक कहानी बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ ने साझा की थी। बॉलीवुड अभिनेता ने बताया कि जिस चॉल में उनका बचपन बीता, वहां उनके बड़े भाई को लोग असली 'दादा' मानते थे। उनके भाई जरूरतमंद लोगों की मदद करते थे, उनके लिए हर समय खडे रहते थे।

भाई के इसी स्वभाव ने जैकी श्रॉफ को गहराई से प्रभावित किया और आगे चलकर उन्होंने भी उनकी तरह लोगों की मदद करने का रास्ता चुना। एक लोकप्रिय चैट शो में बातचीत के दौरान जैकी ने अपने बचपन की एक दर्दनाक घटना को याद किया। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति को बचाने की कोशिश करते समय उनके बड़े भाई समुद्र में डूब गए थे। उनके भाई को तैरना नहीं आता था। जैकी उस समय महज 10 साल के थे और घटना के दौरान बेहद डरे हुए थे। उन्होंने भाई को बचाने के लिए एक रस्सी या केबल फेंकी। भाई ने उसे पकड़ भी लिया, लेकिन वह उनके हाथ से फिसल गई और वे समुद्र में डूब गए। जैकी ने बताया कि अपने भाई को आंखों के सामने डूबते देखना उनके जीवन का सबसे भयावह अनुभव था। उन्होंने कहा कि वह उस समय इतने छोटे और डरे हुए थे कि समुद्र में कूदने की हिम्मत नहीं जुटा सके। उन्हें लगता था कि ऐसा करने पर वह खुद भी डूब सकते थे। अपने भाई को खोने का दर्द उनके साथ लंबे समय तक रहा, क्योंकि भाई उनके लिए केवल परिवार का सदस्य नहीं, बल्कि रक्षक और प्रेरणा भी थे। अभिनेता के मुताबिक, उनके बड़े भाई की निस्वार्थ भावना ने उन्हें दूसरों की मदद करने के लिए प्रेरित किया।

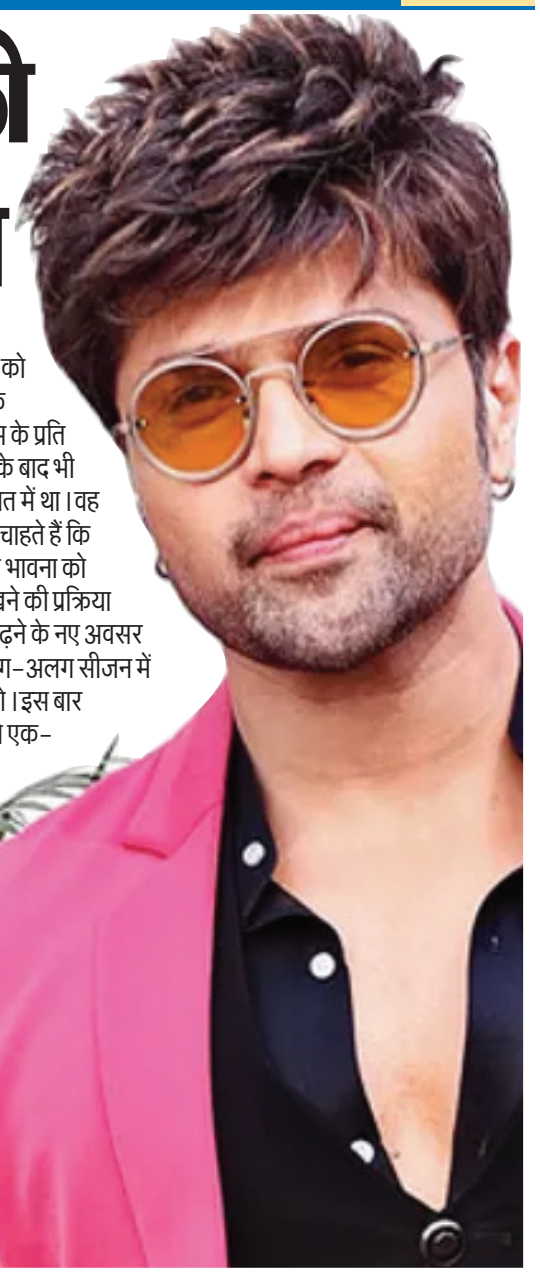
इसी वजह से उन्होंने अपने भाई के आदर्शों को अपनाया और लोगों के बीच 'जग्गू दादा' के नाम से पहचान बनाई। बताया जाता है कि कई साल बीत जाने के बाद भी जैकी उस चॉल में जाते हैं, जहां उन्होंने अपना बचपन बिताया था। जैकी श्रॉफ का फिल्मी सफर भी काफी लंबा और विविधतापूर्ण रहा है। उन्होंने वर्ष 1982 में देव आनंद की फिल्म 'स्वामी दादा' में छोटी भूमिका से शुरुआत की थी। इसके बाद 1983 में सुभाष घई की फिल्म 'हीरो' से बतौर मुख्य अभिनेता पहचान हासिल की। आगे चलकर उन्होंने 'अंदर बाहर', 'कर्मा', 'राम लखन', 'त्रिदेव', 'परिंदा', 'सौदागर', 'खलनायक', 'रंगीला', 'बॉर्डर', 'देवदास', 'धूम 3', 'भारत' और 'सूर्यवंशी' जैसी कई फिल्मों में काम किया।

बॉक्स ऑफिस पर जेलर 2 का तूफान

तमिल सुपरस्टार रजनीकांत अभिनीत फिल्म जेलर 2 ने रिलीज के दो दिनों में ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 210.65 करोड़ रुपये की कमाई की है। इस फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार ने किया है, जिन्होंने 2023 में रिलीज हुई पहली फिल्म का भी निर्देशन किया था। यह फिल्म गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे सन पिक्चर्स बैनर तले कलानिधि ने प्रोड्यूस किया है। ट्रेड ट्रैकिंग वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 125.25 करोड़ रुपये और दूसरे दिन 85.4 करोड़ रुपये की कमाई की। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कुल कलेक्शन 113.65 करोड़ रुपये रहा है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है। जेलर फिल्म रजनीकांत के किरदार, रिटायर हो चुके जेलर मुथुवेल पांडियन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी वर्दी उतारने के बाद अपने परिवार के साथ एक शांत जीवन बिता रहे होते हैं।



सफल बने रहने के लिए केवल अच्छी आवाज पर्याप्त नहीं: हिमेश रेशमिया



बॉलीवुड के मशहूर संगीतकार और गायक हिमेश रेशमिया का मानना है कि किसी कलाकार के लंबे समय तक सफल बने रहने के लिए केवल अच्छी आवाज होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे समय के साथ खुद को बदलने, नए प्रयोग करने और अपनी कला को लगातार निखारने की जरूरत होती है। हिमेश रेशमिया आजकल सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल लीजेंड्स रिटर्न' में सुपरस्टार जज के रूप में चर्चा में हैं। उनका कहना है कि किसी प्रतियोगी का मूल्यांकन करते समय केवल उसकी गायकी की तकनीक पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है। यह देखना भी जरूरी है कि उसकी अपनी पहचान कितनी मजबूत है, उसमें आगे बढ़ने का कितना जुनून है और वह अपनी प्रतिभा के दम पर दर्शकों से किस तरह जुड़ पाता है।

हिमेश रेशमिया ने कहा कि जज की भूमिका सिर्फ अच्छी आवाज पहचानने तक सीमित नहीं होती, बल्कि कलाकार की क्षमता, आत्मविश्वास और मंच पर अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने के साहस को समझना भी जरूरी है। हिमेश ने अपने संगीत सफर का अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने खुद महसूस किया है कि सफलता के साथ कई चुनौतियां भी आती हैं। ऐसे में कलाकार को अपनी पुरानी उपलब्धियों पर निर्भर रहने के बजाय लगातार कुछ नया सीखने और बेहतर करने का प्रयास करना चाहिए। उनके मुताबिक, खुद को बदलने का अर्थ केवल अपनी छवि में बदलाव करना नहीं है, बल्कि अपनी सीमाओं को चुनौती देना, नए प्रयोग करना और अपने काम के प्रति जुनून बनाए रखना है। गायक ने बताया कि हजारों हिट गाने देने के बाद भी संगीत के प्रति उनका उत्साह वैसा ही है, जैसा करियर की शुरुआत में था। वह हर नए संगीत प्रोजेक्ट को नई संभावनाओं के साथ देखते हैं और चाहते हैं कि शो में भाग लेने वाले कलाकार भी इसी उत्सुकता और सीखने की भावना को बनाए रखें। उनका मानना है कि किसी भी कलाकार के लिए सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। अनुभव और सफलता के बावजूद आगे बढ़ने के नए अवसर हमेशा मौजूद रहते हैं। 'इंडियन आइडल लीजेंड्स रिटर्न' में अलग-अलग सीजन में अपनी पहचान बना चुके गायक एक बार फिर मंच पर नजर आएंगे। इस बार शो में 12 जोड़ियां हिस्सा लेंगी, जो अपनी गायकी और प्रस्तुति से एक-दूसरे को चुनौती देंगी।

बॉलीवुड डेब्यू सपना सच होने जैसा ईशा मालवीय

बॉलीवुड में कदम रखने जा रही अभिनेत्री ईशा मालवीय का कहना है कि एक आउटसाइडर होने के बावजूद उन्हें बॉलीवुड फिल्म में काम करने का अवसर मिला है, जो उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। छोटे पर्दे पर अपनी पहचान बनाने के बाद अभिनेत्री ईशा मालवीय अब बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। फिल्म 'तुम मेरे हो' से बड़े पर्दे पर नई पारी शुरू करने को लेकर ईशा बेहद उत्साहित हैं। हालांकि, पहली फिल्म होने के कारण उनके मन में घबराहट भी है, लेकिन इस नए सफर की खुशी उनके डर पर भारी है। मीडिया से ईशा मालवीय ने अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर कई बातें साझा कीं। उन्होंने कहा कि पहली फिल्म होने की वजह से वह नर्वस हैं और मन में डर भी है, लेकिन उनकी खुशी इससे कहीं ज्यादा है।

एक आउटसाइडर के तौर पर बड़े पर्दे तक पहुंचना उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। वह अपनी फिल्म को दर्शकों के सामने लाने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। अभिनेत्री ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मेहनत, संघर्ष और माता-पिता के योगदान को भी दिया। उन्होंने कहा कि वह खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं। अब तक उन्होंने जो मेहनत की और जिंदगी में जिन मुश्किलों का सामना किया, उसका परिणाम सामने आ रहा है। इस सफर में उनके माता-पिता ने भी कई परेशानियां झेली हैं। ऐसे में बॉलीवुड में डेब्यू करना उनके लिए बेहद भावुक और खुशी का पल है। ईशा ने बताया कि कई बार उन्हें अब भी यकीन नहीं होता कि वह वास्तव में किसी बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बन चुकी हैं। उन्हें ऐसा लगता है, जैसे वह कोई सपना देख रही हों। हालांकि, जब वह फिल्म से जुड़े लोगों को अपने साथ देखती हैं, तो उन्हें एहसास होता है कि उनका सपना हकीकत बन रहा है। उन्होंने इस अनुभव को खास बताते हुए कहा कि वह अपने करियर के इस नए अध्याय को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिल्म 'तुम मेरे हो' की कहानी के बारे में बात करते हुए ईशा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह उन दर्शकों को पसंद आएगी, जो पर्दे पर एक सरल और खूबसूरत प्रेम कहानी देखना चाहते हैं। उनके मुताबिक, आजकल फिल्मों में हिंसा और खून-खराबे की अधिकता को लेकर दर्शक सवाल उठाते हैं। ऐसे में एक सीधी-सादी प्रेम कहानी की जरूरत महसूस होती है। इसी सोच के साथ फिल्म दर्शकों के सामने लाई जा रही है। आशीष पांडा के निर्देशन में बनी 'तुम मेरे हो' एक म्यूजिकल फिल्म है। इसमें ईशा मालवीय के साथ अभिनेता गुरमीत चौधरी भी नजर आएंगे।





फिल्ममेकर के रूप में दूसरी फिल्म का निर्देशन शुरू करना रोमांचक: कश्मीरा शाह

स्वतंत्र फिल्ममेकर के रूप में अभिनेत्री और फिल्ममेकर कश्मीरा शाह ने अपने दूसरे निर्देशन प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। इस फिल्म की शूटिंग ग्रीस में की जा रही है। सोशल मीडिया पर शूटिंग से जुड़ी कुछ झलकियां साझा करते हुए कश्मीरा ने अपने नए सफर को लेकर खुशी जाहिर की।

उन्होंने कहा कि ग्रीस में फिल्म की शूटिंग करना केवल लोकेशन का चुनाव नहीं है, बल्कि यह जगह उनकी कहानी का एक महत्वपूर्ण किरदार भी है। कश्मीरा ने इंस्टाग्राम पर अपने अनुभव साझा करते हुए लिखा कि स्वतंत्र फिल्ममेकर के रूप में दूसरी फिल्म का निर्देशन शुरू करना उनके लिए बेहद रोमांचक है। उन्होंने कहा कि अपने सपने को साकार होते देखना गर्व की बात है। अभिनेत्री ने अपने संदेश में लोगों को सपनों पर विश्वास करने और उन्हें पूरा करने के लिए अपने सहज दायरे से बाहर निकलने की प्रेरणा भी दी। उनके मुताबिक, जब इंसान अपने लक्ष्य पर भरोसा रखता है और उन्हें पूरा करने के लिए साहस दिखाता है, तो आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलते हैं। कश्मीरा ने अपनी पोस्ट में फिल्म की शूटिंग से जुड़े अनुभवों के लिए पूरी टीम का आभार जताया। उन्होंने ग्रीस को फिल्म की कहानी का अभिन्न हिस्सा बताते हुए कहा कि वह अपनी शर्तों पर कहानियां कहने के अवसर को खास मानती हैं। हालांकि, उन्होंने अभी तक फिल्म की कहानी, कलाकारों और रिलीज से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है। कश्मीरा शाह निजी जिंदगी और पेशेवर कामों को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहती हैं। उन्होंने अपने लंबे समय के साथी और अभिनेता-कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक से वर्ष 2013 में शादी की थी। दोनों की पहली मुलाकात श्याम सोनी के निर्देशन में बनी फिल्म 'और पप्पू पास हो गया' के सेट पर हुई थी। इसके बाद दोनों का रिश्ता आगे बढ़ा और उन्होंने शादी करने का फैसला किया।

हाल ही में कश्मीरा और कृष्णा मनोरंजन आधारित कुकिंग शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' के तीसरे सीजन में नजर आए हैं। इस कार्यक्रम में अली गोनी, जन्नत जुबैर, एल्विश यादव, ईशा मालवीय, करण कुंद्रा, तेजस्वी प्रकाश, अभिषेक कुमार, समर्थ जुरेल, गुरमीत चौधरी, देबिना बनर्जी, विवियन डीसेना और ईशा सिंह जैसे कलाकार भी शामिल हैं। शो की मेजबानी भारती सिंह करती हैं, जबकि शेफ हरपाल सिंह सोखी निर्णायक की भूमिका निभाते हैं। कश्मीरा हिंदी और मराठी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं। वह 'बिग बॉस' के पहले सीजन, 'नच बलिए 3' और 'खतरों के खिलाड़ी 4' जैसे रियलिटी शो में भी हिस्सा ले चुकी हैं। राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'जंगल' से उन्हें खास पहचान मिली थी। अब निर्देशन के क्षेत्र में अपने दूसरे प्रोजेक्ट के साथ वह अपनी रचनात्मक पहचान को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं।

टाइगर पर हमले, सलमान की बढ़ी सुरक्षा

रविवार शाम जुहू में अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर अज्ञात लोगों द्वारा फायरिंग किए जाने के बाद, मुंबई के बांद्रा इलाके में अभिनेता सलमान खान के आवास गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सलमान के घर के बाहर बुलेटप्रूफ जैकेट पहने पुलिसकर्मी और पुलिस की गाड़ियां देखी गईं। पुलिस के अनुसार, रविवार शाम करीब 7 बजे, जब टाइगर श्रॉफ जुहू के एक फुटबॉल क्लब से निकल रहे थे, तब अज्ञात लोगों ने उनकी कार पर फायरिंग कर दी। अभिनेता तो गोली लगने से बच गए, लेकिन इस घटना में उनका ड्राइवर घायल हो गया। पुलिस उपायुक्त मोहित गर्ग ने पुष्टि की कि जब अभिनेता क्लब परिसर से निकल रहे थे, तब उनकी गाड़ी को निशाना बनाया गया। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने संदिग्धों का पता लगाने के लिए अपना तलाशी अभियान गुजरात तक बढ़ा दिया है। सूत्रों के अनुसार, आरोपियों ने टाइगर की गतिविधियों पर नज़र रखी थी और उन्हें पता था कि वह हर रविवार फुटबॉल ग्राउंड जाते हैं। जांचकर्ताओं को शक है कि हमलावरों ने गोलीबारी करने से पहले इलाके की रेकी की थी और अभिनेता के रूटीन को अच्छी तरह समझ लिया था।



जेमी लीवर ने कॉमेडी के लिए छोड़ी नौकरी, बनाई पहचान



कॉमेडी की दुनिया में मशहूर कॉमेडियन जॉनी लीवर की बेटी जेमी लीवर अपनी शानदार मिमिक्री, बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और अनोखे अंदाज के लिए जानी जाती हैं। जॉनी लीवर की बेटी होने के बावजूद जेमी ने अपनी पहचान बनाने के लिए मेहनत का रास्ता चुना। कॉमेडी को करियर बनाने से पहले जेमी लीवर ने कॉर्पोरेट क्षेत्र में नौकरी की, लेकिन मंच पर लोगों को हंसाने के जुनून ने उन्हें मनोरंजन की दुनिया की ओर खींच लिया। हाल ही में जेमी लीवर ने 19 अक्टूबर अपना जन्मदिन मनाया। उनका बचपन ऐसे परिवार में बीता, जहां कॉमेडी और मनोरंजन का माहौल था। उनके पिता जॉनी लीवर हिंदी सिनेमा के लोकप्रिय हास्य कलाकारों में शामिल रहे हैं। इसके बावजूद जेमी ने अपनी अलग पहचान बनाने के लिए अपनी प्रतिभा को निखारने पर ध्यान दिया। जेमी ने शुरुआती पढ़ाई मुंबई में की और आगे की शिक्षा के लिए लंदन चली गईं। उन्होंने वेस्टमिंस्टर विश्वविद्यालय से मार्केटिंग कम्युनिकेशन में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की।

इसके बाद उन्होंने लंदन की एक मार्केट रिसर्च कंपनी में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम किया। उस समय उनकी दिनचर्या ऑफिस, मार्केट रिपोर्ट और व्यावसायिक जिम्मेदारियों के बीच गुजरती थी। हालांकि, उनके मन में मंच पर प्रस्तुति देने और लोगों को हंसाने की इच्छा लगातार बनी रही। लंदन में रहते हुए जेमी ने कॉमेडी क्लबों में ओपन माइक कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखानी शुरू की। छोटे मंचों पर दर्शकों के सामने प्रस्तुति देने से उन्हें अनुभव मिला और अपनी क्षमता पर भरोसा बढ़ा। धीरे-धीरे उन्हें एहसास हुआ कि कॉमेडी ही वह क्षेत्र है, जिसमें वह अपना भविष्य बनाना चाहती हैं। इसके बाद उन्होंने कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर भारत लौटने और मनोरंजन जगत में करियर बनाने का फैसला किया। जेमी की सबसे बड़ी ताकत उनकी मिमिक्री है। वह अलग-अलग अभिनेत्रियों और चर्चित हस्तियों की आवाज, बोलने के अंदाज और हाव-भाव को मजेदार तरीके से प्रस्तुत करती हैं। कंगना रनौत, फराह खान और श्रीदेवी जैसी हस्तियों की नकल करने वाले उनके वीडियो सोशल मीडिया पर लोकप्रिय हुए। टेलीविजन कार्यक्रम 'कॉमेडी सर्कस के महाबली' में उनकी प्रस्तुतियों ने भी दर्शकों के बीच पहचान बनाने में मदद की। कॉमेडी के बाद जेमी ने अभिनय में भी हाथ आजमाया। वर्ष 2015 में फिल्म 'किस किसको प्यार करूं' से उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा। इसके बाद वह 'हाउसफुल 4', 'भूत पुलिस', 'क्रैक' और 'यात्रियों' जैसी फिल्मों में नजर आईं। वर्ष 2024 में उन्होंने तेलुगु सिनेमा में भी शुरुआत की।

सौरव दास और आशुतोष रांका की हिरासत अवधि 21 अक्टूबर को हुई समाप्त; हाईकोर्ट ने पहले पुनरीक्षण याचिका दायर करने को कहा, दोनों नेताओं ने अपनी याचिकाएं वापस लीं

कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं की जमानत पर आज सुनवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका की जमानत याचिका पर आज मजिस्ट्रेट अदालत में सुनवाई होगी। दोनों नेताओं को दिल्ली के मंदिर मार्ग थाने लाया गया है। उनकी हिरासत की अवधि 21 अक्टूबर को समाप्त हो गई। इससे पहले 19 अक्टूबर को मजिस्ट्रेट अदालत ने दोनों की हिरासत दो दिन के लिए बढ़ा दी थी। इसी आदेश को दोनों नेताओं ने दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे हाईकोर्ट में इस मामले पर सुनवाई हुई। अदालत ने कहा कि मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती देने के लिए कानून में पुनरीक्षण याचिका दायर करने का विकल्प मौजूद है। ऐसे में सीधे संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत हाईकोर्ट में याचिका दायर करने के बजाय पहले निर्धारित कानूनी प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए थी। इसके बाद दोनों नेताओं ने अपनी याचिकाएं वापस ले लीं। दोनों नेताओं को 10 अक्टूबर को प्रदर्शन से पहले हिरासत में लिया गया था। इससे पहले उन्हें इस शर्त पर जमानत मिली थी कि वे शांति भंग नहीं करेंगे। इसके बावजूद दोबारा हिरासत में लिए जाने और हिरासत की अवधि बढ़ाए जाने को लेकर मामला अदालत पहुंचा। अब मजिस्ट्रेट अदालत में उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई होनी है। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सवाल उठाया कि जब निचली अदालत के आदेश को चुनौती देने के लिए कानून में पुनरीक्षण याचिका का विकल्प उपलब्ध है, तो याचिकाकर्ताओं ने सीधे अनुच्छेद 226 के तहत अदालत का रुख क्यों किया। अनुच्छेद 226 के तहत हाईकोर्ट मौलिक अधिकारों और अन्य कानूनी अधिकारों के संरक्षण के लिए निर्देश जारी कर सकता है। वहीं, पुनरीक्षण याचिका के माध्यम से निचली अदालत के आदेश को कानूनी आधार पर चुनौती दी जा सकती है। अदालत ने कहा कि जब किसी आदेश को चुनौती देने के लिए कानून में विशेष प्रक्रिया निर्धारित है, तो सामान्य तौर पर पहले उसी का सहारा लेना चाहिए। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने दोनों नेताओं को मौजूदा याचिकाएं वापस लेकर पुनरीक्षण याचिका दायर करने का विकल्प अपनाने को कहा। इसके बाद सौरव दास और आशुतोष रांका ने अपनी याचिकाएं वापस ले लीं। इस घटनाक्रम के बाद उनकी जमानत से संबंधित सुनवाई मजिस्ट्रेट अदालत में होने का रास्ता खुला रहा। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने दोनों नेताओं की ओर से पहले शांति बनाए रखने के लिए दिए गए बॉन्ड का भी उल्लेख किया। अदालत ने सवाल किया कि यदि बॉन्ड की शर्तों का उल्लंघन होने की आशंका सही पाई गई है, तो अधिकारियों की ओर से नियमों के तहत कार्रवाई किए जाने को गलत कैसे कहा जा सकता है। अदालत ने प्रदर्शन के दौरान बैरिकेड तोड़ने से कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका पर भी सवाल उठाए। उसने कहा कि ऐसे हालात में अन्य लोग भी प्रदर्शनकारियों के साथ जुड़ सकते हैं, जिससे स्थिति बिगड़ सकती है। अदालत ने यह भी कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए पुलिस से अनुमति लेने का विकल्प मौजूद है, जिससे उपद्रव करने वालों को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।ुनवाई



के दौरान अदालत ने दोनों याचिकाकर्ताओं की उम्र पूछी। उनके वकील ने बताया कि एक की उम्र 27 वर्ष और दूसरे की 31 वर्ष है। इस पर अदालत ने टिप्पणी की कि वे 'जेन-जी' नहीं हैं। इसके बाद अदालत ने उनसे यह भी पूछा कि वे कौन हैं, क्या करते हैं और जिस संगठन से जुड़े हैं, उसका उद्देश्य क्या है।

'यहां कोई चैतर-बैतर नहीं चलेगा!' संग्राम सिंह राठवा के विवादित बयान पर AAP नेता विनुभाई राठवा का तीखा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। गुजरात की राजनीति में आदिवासी इलाके पर दबदबा बनाने की लड़ाई अब बहुत ज़्यादा आक्रामक और निजी बातों पर आ गई है। छोटाउदेपुर पंथक में BJP और आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं के बीच जुबानी जंग अपने चरम पर पहुंच गई है। BJP नेता संग्राम सिंह राठवा के AAP नेता चैतर वसावा और पार्टी पर निशाना साधते हुए दिए गए विवादित बयान, 'यहां कोई चैतर-बैतर नहीं चलेगा' के खिलाफ अब आम आदमी पार्टी के आक्रामक नेता विनुभाई राठवा मैदान में आ गए हैं और उन्होंने संग्राम सिंह राठवा को बहुत ही तीखा और कड़ा जवाब दिया है और सीधे तौर पर उनका मेंटल टेस्ट करवाने की धमकी दी है। संग्रामसिंह राठवा के बयान से AAP नाराज़ कुछ दिन पहले छोटा उदयपुर इलाके में एक पब्लिक प्रोग्राम या बयान के दौरान BJP नेता संग्रामसिंह राठवा ने AAPके युवा और पॉपुलर आदिवासी नेता चैतर वसावा और आम आदमी पार्टी के बढ़ते असर पर तंज कसा था। उन्होंने दावा किया था कि इस पंथक या गुजरात में 'चैतर या बैतर' जैसा कोई राज नहीं होगा और यहां सिर्फ़ BJP का ही दबदबा रहेगा। इस घमंडी बयान से आदिवासी समुदाय और AAP कार्यकर्ताओं में भारी गुस्सा फैल गया। विनुभाई राठवा का कड़ा हमला:BJP नेताओं ने अपना बेस खो दिया है! ' इस बयान पर तीखा जवाब देते हुए AAP नेता विनुभाई राठवा ने संग्रामसिंह राठवा पर हमला बोला और कहा कि सत्ता के नशे में चूर BJP नेताओं की मानसिक हालत खराब हो गई है। विनुभाई ने जानलेवा हमला करते हुए कहा 'जो नेता आदिवासियों की तकलीफ़, जंगल-ज़मीन और रोज़गार के मुद्दों पर आवाज़ उठाने से डरते हैं, वे आज लड़खड़ाती भाषा में बात कर रहे हैं। संग्राम सिंह राठवाजी, आप 'चैतर-बैतर' क्या कर रहे हैं? जनता आपके घमंड का जवाब बैलेट बॉक्स में देने के लिए तैयार है।

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो पहुंचे जामनगर, मुकेश अंबानी से तेल कारोबार पर होगी चर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जामनगर। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो 21 अक्टूबर को गुजरात के जामनगर पहुंचे। यहां वे रिलायंस इंडस्ट्रीज की दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी का दौरा करेंगे और कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी से मुलाकात करेंगे। इस दौरान वेनेजुएला के कच्चे तेल की खरीद और उसके प्रसंस्करण सहित ऊर्जा कारोबार से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। अमेरिका की ओर से भारत की तेल शोधन क्षमता का इस्तेमाल वैश्विक ईंधन आपूर्ति को मजबूत करने के लिए किए जाने पर जोर दिया जा रहा है। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब अमेरिका में डीजल की कीमतों और ईंधन आपूर्ति को लेकर चिंता बनी हुई है। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज के अमेरिका के टेक्सास में नई तेल रिफाइनरी स्थापित करने की योजना को लेकर भी चर्चा हो रही है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, यह परियोजना अमेरिकी ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा निवेश साबित हो सकती है। ऐसे में रुबियो की मुकेश अंबानी के साथ मुलाकात को भारत-अमेरिका के ऊर्जा व्यापारिक संबंधों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। अमेरिका में डीजल की कीमतें छह डॉलर प्रति गैलन से अधिक होने की जानकारी सामने आई है।



2029 में एक साथ हो सकते हैं लोकसभा और कई राज्यों के विधानसभा चुनाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

नई दिल्ली। देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने की योजना को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं। 'एक देश, एक चुनाव' की संभावनाओं पर विचार कर रही संसद की संयुक्त संसदीय समिति इस दिशा में विभिन्न राज्यों की सहमति और असहमति का आकलन कर रही है। समिति की अब तक 25 बैठकें हो चुकी हैं, जबकि 10 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में जमीनी स्तर पर विचार-विमर्श की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है।समिति के अध्यक्ष और भाजपा सांसद पीपी चौधरी के अनुसार, यदि संसद में संबंधित विधेयक पारित हो जाता है, तो वर्ष 2029 में लोकसभा चुनाव के साथ कई राज्यों के विधानसभा चुनाव कराना संभव हो सकता है। चुनाव आयोग की ओर से बताया गया है कि इस व्यवस्था के लिए छह महीने में तैयारियां की जा सकती हैं। हालांकि, इसके लिए जरूरी होगा कि वर्ष 2028 तक विधेयक पारित हो जाए। एक साथ चुनाव कराने के पक्ष में यह तर्क भी दिया जा रहा है कि इससे लगभग सात लाख करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। वहीं, पूर्व चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने इतने कम समय में चुनाव की तैयारियां पूरी होने पर सवाल उठाए हैं। उनका मानना है कि एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था लागू करने के लिए दो से तीन साल का समय चाहिए होगा। उनके अनुसार, इतने कम समय में व्यापक तैयारियां पूरी करना आसान नहीं है। संसद की संयुक्त संसदीय समिति में कुल 41 सदस्य हैं। इनमें लोकसभा के 27 और राज्यसभा के 12 सांसदों के अलावा दो आमंत्रित सदस्य शामिल हैं। समिति की रिपोर्ट कब तक प्रस्तुत की जाएगी, इस बारे में अभी कोई निश्चित समयसीमा तय नहीं की गई है। पीपी चौधरी के अनुसार, समिति सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा कर रही है। जब तक विषय पर पूरा मंथन नहीं हो जाता और समिति के सदस्य रिपोर्ट को लेकर सहमत नहीं हो जाते, तब तक इसे प्रस्तुत करने की तारीख तय नहीं की जा सकती।

लंबे समय से फरार चल रहा NDPS केस का कुख्यात वॉन्टेड आरोपी महमदाबाद से पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/मेहमदाबाद। गुजरात से ड्रग्स के धंधे को जड़ से खत्म करने के लिए राज्य की सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस पूरी तरह एक्शन मोड में हैं। इसी बीच, अहमदाबाद शहर के सरखेज थाना इलाके में ANTF एक्ट के एक गंभीर जुर्म में लंबे समय से फरार चल रहा कुख्यात वॉन्टेड आरोपी आखिरकार ANTF अहमदाबाद जोन की इंटेंसिव टेक्निकल और ह्यूमन इंटेलिजेंस टीम के जाल में फंस ही गया। पुलिस ने मास्टरमाइंड आरोपी को खेड़ा जिले के महमदाबाद से गिरफ्तार कर सरखेज पुलिस को सुपर-रिपोर्ट किया है। ANTF की इंटेलिजेंस और सटीक टीमवर्क की वजह से यह ऑपरेशन किया गया। मिली जानकारी के मुताबिक,ANTF अहमदाबाद जोन के पुलिस सब इंस्पेक्टर एम.एन. अदारेजिया, हेड कांस्टेबल एडविन अलेक्जेंडर, पुलिस कांस्टेबल हितेशकुमार रामजीभाई, पुलिस कांस्टेबल नीरवभाई प्रवीणभाई और पुलिस कांस्टेबल कौशिकभाई जगदीशभाई अहमदाबाद जोन एरिया में पेट्रोलिंग और नारकोटिक्स ड्राइव में काम कर रहे थे। इसी बीच ANTF टीम के हेड कांस्टेबल एडविन अलेक्जेंडर और पुलिस कांस्टेबल हितेशकुमार रामजीभाई को खास और पक्की के लिए ऑफिशियली सरखेज पुलिस स्टेशन को सौंप दिया है। NDPS (एंटी-ड्रग्स) एक्ट के तहत दर्ज इस गंभीर अपराध में यह आरोपी पहले भी कुछ गैर-कानूनी कामों में शामिल रहा है और इस ड्रग नेटवर्क के तार कहां तक जुड़े हैं, अब सरखेज पुलिस उससे कड़ी पूछताछ कर रिमांड लेने की कोशिश करेगी। राज्य में ड्रग डीलरों के खिलाफ ANTF एंटी-टेररिस्ट फोर्स (की इस सख्त मुहिम से बूटलेगरों और ड्रग पेडलरों में भारी हंगामा मचा हुआ है।



फर्जी पत्रकार बनकर लोगों को धमकाकर पैसे ऐंठने वाले 'ब्लैकमेलर' दो गिरफ्तार

दानिलिमडा पुलिस ने कुछ ही घंटों में दो बदमाश पत्रकारों को पकड़ा!





महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सामाजिक क्षेत्र और पत्रकारिता के पवित्र पेशे को बदनाम करने वाले कुछ फर्जी और शरारती तत्व अब आम नागरिकों और व्यापारियों के लिए सिरदर्द बन गए हैं। अहमदाबाद शहर में, फर्जी पत्रकार बनकर निर्दोष नागरिकों के खिलाफ झूठी खबरें छापने, उन्हें ब्लैकमेल करने और ऑनलाइन पैसे ऐंठने वाले दो कुख्यात ठगों को दानिलिमडा पुलिस ने सूचना के आधार पर कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से पूरे जिले के फर्जी मीडियाकर्मियों में भारी हलचल मच गई है।

घटना की जानकारी: पत्रकारों की झूठी पहचान बताकर शुरू की गई थी सरेआम लूट! अहमदाबाद शहर पुलिस कमिश्नर, जॉइंट पुलिस कमिश्नर सेक्टर-2, डिप्टी पुलिस कमिश्नर जोन-6 और असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर 'के' डिवीजन ने शहर में गैर-कानूनी गतिविधियों और अपराधियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने के साफ आदेश दिए हैं। इन निर्देशों और गाइडेंस के तहत, दानिलिमडा पुलिस स्टेशन में इंडियन पीनल कोड की धारा 308(2), 319(2), 351(2), 54 के तहत एक क्राइम रजिस्टर किया गया। शिकायतकर्ता वकार यूनुसभाई अयूबभाई शेख (उम्र 32, निवासी ओल्ड रसूल कडियानी चाली, बेहरामपुरा पुलिस चौकी के पीछे, बेहरामपुरा, अहमदाबाद शहर) ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि खुद को पत्रकार बताने वाले कुछ लोगों ने उनसे संपर्क किया। शिकायतकर्ता के खिलाफ नुकसानदायक या बदनाम करने वाली खबरें फैलाने की धमकी देकर और दबाव डालकर, आरोपियों ने ऑनलाइन तरीकों से जबरदस्ती पैसे ट्रांसफर किए। घटना की गंभीरता को देखते हुए, दानिलिमडा पुलिस स्टेशन की सर्विलांस स्क्वाड टीम ने टेक्निकल सर्विलांस और ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर तेजी से जांच की। पुलिस टीम ने कुछ ही घंटों में दोनों आरोपियों को पकड़ लिया और उन्हें सुरक्षित जगह पर ले आई। गिरफ्तार आरोपियों की जानकारी: यह तारीफ़ के काबिल और ज़बरदस्त ऑपरेशन पुलिस सब इंस्पेक्टर एस. आर. बलात और दानिलिमडा सर्विलांस स्क्वॉड के स्टाफ़ ने मिलकर पुलिस इंस्पेक्टर सी. टी. देसाई की गाइडेंस में किया है। ऐसे नकली पत्रकारों के खिलाफ़ पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से, जो खासकर सोशल मीडिया या अखबारों की आड़ में भोले-भाले और बिज़नेस क्लास के लोगों को अपने मीडिया कार्ड गले में लटकाकर ब्लैकमेल करते हैं, असली पत्रकारों और नागरिकों में राहत की भावना फैली है। पुलिस अब इन आरोपियों से आगे की पूछताछ कर रही है और पता लगा रही है कि इस रैकेट में और कौन-कौन शामिल है।

जियो के आईपीओ को पहले दिन मिला 3 गुना से ज्यादा सब्सक्रिप्शन, संस्थागत निवेशकों ने लगाई 9 गुना बोली

हानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पहले ही दिन निवेशकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। 21 अक्टूबर को शुरू हुए इस निर्गम को पहले दिन कुल 3.02 गुना अभिदान मिला। संस्थागत निवेशकों ने अपने लिए आरक्षित हिस्से के मुकाबले करीब नौ गुना बोली लगाई, जबकि आम निवेशकों की ओर से अब तक 71 प्रतिशत अभिदान दर्ज किया गया। कंपनी इस निर्गम के माध्यम से 30,188 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। आईपीओ के लिए प्रति शेयर मूल्य दायरा 1,065 से 1,119 रुपये तय किया गया है। आम निवेशकों को न्यूनतम एक लॉट यानी 12 शेयरों के लिए आवेदन करना होगा, जिसके लिए ऊपरी मूल्य के हिसाब से 13,428 रुपये लगाने होंगे। निवेशक अधिकतम 14 लॉट यानी 168 शेयरों के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए करीब 1.88 लाख रुपये की राशि चाहिए होगी। यह आईपीओ 23 अक्टूबर तक खुला रहेगा। कंपनी इस निर्गम में करीब 27 करोड़ शेयर जारी कर रही है। सूचीबद्ध होने के बाद जियो प्लेटफॉर्म्स का बाजार पूंजीकरण लगभग 10.30 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। हालांकि, वास्तविक बाजार मूल्य शेयर की अंतिम लिस्टिंग कीमत और बाजार में होने वाले कारोबार पर निर्भर करेगा। आईपीओ के पहले दिन कुल 19,75,25,934 शेयरों के मुकाबले निवेशकों की ओर से 59,73,67,920 शेयरों के लिए आवेदन मिले। इस तरह निर्गम को कुल 3.02 गुना अभिदान मिला।



एक तरफ जनता के लिए 'शपथ समारोह' में खाली कुर्सियों की खट-पट हो रही है, तो दूसरी तरफ करोड़ों की सरकारी ज़मीन मुफ़्त में बांटने का खेल चल रहा है!

वडोदरा के नवलखी मैदान से लेकर तंदलजा में प्लॉट मामले तक, एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम की पोल खुल गई है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। गुजरात में सरकारी सिस्टम और नेताओं का दोहरा रवैया और जनता के प्रति उनकी बेपरवाही अब चरम पर पहुंच गई है। एक तरफ वडोदरा शहर में जनता के पैसे से दिखावटी सरकारी और संगठन के प्रोग्राम हो रहे हैं, जहां जनता आती नहीं और कुर्सियां खाली रहती हैं; दूसरी तरफ एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम गलत फैसले ले रहा है और कीमती ज़मीनों को बाज की तरह दान कर रहा है। इस बेरोकटोक धंधे ने पूरे शहर में गुस्से का ज्वालामुखी फोड़ दिया है। नवलखी मैदान में 'सेवा-स्वच्छता' शपथः असेंबली हॉल में खाली कुर्सियां और भीड़ की कमी! वडोदरा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और ज़िला एडमिनिस्ट्रेशन की तरफ़ से वडोदरा के ऐतिहासिक नवलखी मैदान में 'सेवा, समर्पण और सफ़ाई' का एक बड़ा और नाटकीय शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। करोड़ों के सरकारी फ़ंड को बर्बाद करके आयोजित इस कार्यक्रम की असलियत बेहद शर्मनाक थी। असेंबली हॉल में हज़ारों कुर्सियाँ रखी गई थीं, लेकिन पब्लिक प्रेज़ेंस के नाम पर लोगों की कमी थी! दूर-दूर से आए BJP नेताओं के भीड़ जुटाने के दावे खोखले साबित हुए। हालत यह थी कि जैसे ही



कार्यक्रम शुरू हुआ, जो थोड़े-बहुत लोग आए भी थे, वे भाषणों से बोर होकर कार्यक्रम बीच में ही छोड़कर चक्कर खा गए। नतीजतन, खाली कुर्सियों और खोखली दीवारों के सामने मंत्रियों और नेताओं के भाषण की बारी आई। इस घटना ने साबित कर दिया है कि अब जनता को सरकारी दिखावे में कोई दिलचस्पी नहीं है। जबकि दूसरी तरफ़: यूसुफ़ पठान को 20 करोड़ की कीमती ज़मीन तोहफ़े में देने का खुलासा एक तरफ नवलखी मैदान में बिना जनता के शपथ ग्रहण समारोह का ड्रामा चल रहा था, वहीं दूसरी तरफ वडोदरा की राजनीति में एक बड़ा और विवादित धमाका हुआ। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और नेता यूसुफ पठान से जुड़े सालों पुराने ज़मीन विवाद में सरकार ने बहुत प्यारा फैसला लिया है। वडोदरा के पॉश तंदलजा इलाके में मौजूद 20 करोड़ रुपये से ज़्यादा कीमत के विवादित प्लॉट (978 स्क्वायर मीटर) को सरकार और नगर पालिका ने मंजूरी दे दी है। इस व्यवस्था के तहत प्लॉट का एक बड़ा हिस्सा (500 स्क्वायर मीटर) रहने के लिए मुफ़्त (तोहफ़े के तौर पर) दिया गया है, जबकि बाकी ज़मीन पर भारी रियायती रेट (45' छूट) दिए गए हैं। जब आम नागरिक अपने छोटे से घर या प्लॉट के लिए कानूनी दांव-पेंच और टैक्स के बोझ तले दबे हुए हैं, तो करोड़ों की सरकारी ज़मीनों के मुफ़्त बंटवारे को लेकर लोगों में बहुत गुस्सा है। लोगों के सवालः विकास किसका हो रहा है? इन दो घटनाओं ने वडोदरा के लोगों को गंभीर सोच में डाल दिया हैः

1. क्या नवलखी मैदान जैसे मैदान में खाली कुर्सियों पर शपथ लेने का ड्रामा सिर्फ़ सरकारी ग्रांट लेने के लिए किया जाता है?

2. आम जनता को कानून का सख्त पाठ पढ़ाने वाला सिस्टम खास और VIP लोगों के लिए इतना दरियादिल क्यों हो जाता है?

वडोदरा के लोग अब अधिकारियों के इस दोहरे रवैये को पूरी तरह पहचान चुके हैं। नेता भले ही खाली कुर्सियों के सामने वाहवाही लूट लें, लेकिन लोगों के मन में जल रहा गुस्सा आने वाले समय में ज़रूर बड़ा जवाब मांगेगा!

लखीमपुर में माता-पिता को आग लगाने के मामले में नया मोड़, बेटी ने भाभी पर लगाए आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखीमपुर। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर में माता-पिता को पेट्रोल डालकर आग लगाने के मामले में परिवार के सदस्यों के अलग-अलग बयान सामने आए हैं। घटना में मंगलवार, 20 अक्टूबर को पिता की मौत हो गई, जबकि मां गंभीर हालत में हैं। मृतक की बेटी ने अपने भाई को बेकसूर बताते हुए घटना के लिए भाभी को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं, बहू ने आरोपों से अलग अपना पक्ष रखते हुए कहा कि वह अपने ससुर को पिता समान मानती थी और उनका कभी झगड़ा तक नहीं हुआ। बेटी ने बताया कि उनके घर में खाना बनाने से पहले नहाने की परंपरा है। उसके मुताबिक, उसकी भाभी नहाने के बाद खाना नहीं बनाती थीं। इस बात को लेकर मां उन्हें टोकती थीं, जिसके बाद भाभी अपने पति से शिकायत कर देती थीं। बेटी का दावा है कि घटना वाले दिन भी इसी तरह का विवाद हुआ था। उसने बताया कि सुबह बनी मशरूम की सब्जी भाभी ने उसके पिता को दे दी थी। इस बात पर मां ने नाराजगी जताई थी। बेटी का कहना है कि उसे लगता है कि उसका भाई निर्दोष है और उसकी भाभी ने ही माता-पिता को आग लगाने की घटना को अंजाम दिया है। हालांकि, बेटी की ओर से लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। दूसरी ओर, बहू ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि उसके पिता नहीं हैं और वह अपने ससुर को ही पिता मानती थी। उसके मुताबिक, ससुर के साथ उसका कभी झगड़ा तक नहीं हुआ। परिवार के सदस्यों के इन बयानों के बीच मामले को लेकर अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं। इस मामले में एक अहम बात यह भी है कि मरने से पहले पिता ने अपने बेटे पर आरोप लगाया था। पुलिस ने बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। ऐसे में एक ओर पिता के बयान और पुलिस की कार्रवाई है, तो दूसरी ओर बेटी अपने भाई को निर्दोष बताते हुए भाभी पर आरोप लगा रही है।मामला निघासन कोतवाली क्षेत्र का है।



पुलिस जांच में लॉरेंस गिरोह के सदस्य अनिल पंडित का नाम आया सामने, चार आरोपी गिरफ्तार; हथियार पहुंचाने से लेकर शूटरों को मुंबई से बाहर निकालने तक की जिम्मेदारी सौंपे जाने का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई फायरिंग के मामले में पुलिस जांच के दौरान हथियारों की आपूर्ति और आरोपियों के नेटवर्क को लेकर कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। मुंबई पुलिस के अनुसार, वारदात में इस्तेमाल किए जाने का संदेह वाली पिस्टल और कारतूस अमृतसर से जुटाए गए थे। इन्हें मुंबई तक पहुंचाने के लिए हरियाणा और उत्तर प्रदेश से जुड़े लोगों की मदद ली गई थी। पुलिस की जांच में लॉरेंस गिरोह के सदस्य अनिल पंडित की भूमिका भी सामने आई है, जिस पर आरोपियों को निर्देश देने का संदेह है। पुलिस के मुताबिक, हरियाणा के सोनीपत निवासी कुणाल (21) और सुमित (19) ने कथित तौर पर अनिल पंडित के निर्देश पर एक पिस्टल और 20 कारतूस जुटाए थे। इसके बाद उत्तर प्रदेश की राधा (23) और बबीता (23) के जरिए हथियार मुंबई पहुंचाए गए। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को चारों को गिरफ्तार किया। इससे पहले सोमवार को फायरिंग करने के मामले में तीन लोगों को कोटा से गिरफ्तार किया गया था। इनमें बिहार निवासी ऋतिक और हरियाणा के रेहान तथा फूल सिंह शामिल हैं। इस मामले में रेहान की मां शमशीदा ने दावा किया कि वारदात का कथित मास्टरमाइंड हरियाणा में छिपा हुआ है। हालांकि, उन्होंने इस संबंध में अधिक जानकारी नहीं दी। पुलिस अब हथियारों की व्यवस्था करने, उन्हें मुंबई पहुंचाने और फायरिंग के बाद आरोपियों की मदद करने से जुड़े घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। जेल से बाहर आने के बाद अनिल पंडित के संपर्क में आया कुणाल जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, कुणाल जुलाई में सोनीपत जेल से बाहर आया था। इसके बाद एक दोस्त के माध्यम से उसकी मुलाकात लॉरेंस गिरोह के सदस्य अनिल पंडित से हुई। दोनों कथित तौर पर एक कूटबद्ध संदेश भेजने वाले ऐप के जरिए बातचीत करने लगे। पुलिस को संदेह है कि अनिल विदेश में रहकर अपने नेटवर्क से जुड़े लोगों को निर्देश दे रहा था। सूत्रों के मुताबिक, करीब दो सप्ताह पहले अनिल ने कुणाल को अमृतसर से हथियार जुटाकर मुंबई पहुंचाने की जिम्मेदारी दी थी। इसके बाद कुणाल ने इस काम में सुमित को शामिल किया। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि हथियार जुटाने और उन्हें एक शहर से दूसरे शहर तक पहुंचाने की पूरी योजना किस तरह तैयार की गई थी तथा इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल थे। जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, कुणाल और सुमित हथियार लेने के लिए अमृतसर पहुंचे थे। वहां एक निर्धारित स्थान पर पिस्टल और 20 कारतूस रखे गए थे, जिन्हें दोनों ने उठा लिया। हालांकि, हथियार वहां किसने रखे थे, इसकी जानकारी कथित तौर पर उन्हें नहीं दी गई थी। इस तरीके को 'डेड लेटर बॉक्स' कहा जाता है। इसमें किसी वस्तु को पहले से तय स्थान पर छोड़ दिया जाता है और दूसरा व्यक्ति वहां से उसे उठा लेता है। इस व्यवस्था में दोनों पक्षों को सीधे मिलने की जरूरत नहीं होती, जिससे उनकी पहचान उजागर होने की आशंका कम हो जाती है। सूत्रों का दावा है कि हथियार जुटाने और उन्हें पहुंचाने के लिए अनिल पंडित ने कुणाल और सुमित को 70 से 80 हजार रुपये दिए थे। इसमें से करीब 10 से 12 हजार रुपये राधा और बबीता को दिए जाने की बात सामने आई है। पुलिस इन पैसों के लेन-देन और आरोपियों के बीच संपर्क के तरीकों की भी जांच कर रही है जांच के अनुसार, कुणाल की मुलाकात राधा से करीब दो महीने पहले हुई थी। राधा और बबीता सोनीपत की एक फैक्ट्री में काम करती हैं।



printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.